खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एसआईटी को साजिश के पीछे की ताकतों का पता लगाने दीजिए... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 27 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-237

अमेरिकी टैरिफ का जवाब देने के लिए मोदी ने की बैठक

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका की डोनाल्ड ट्रंप सरकार द्वारा भारत पर अतिरिक्त 25% टैरिफ लगाने के फैसले के बाद, भारत पर कुल अमेरिकी टैरिफ 50% हो जाएगा। यह नया टैरिफ 27 अगस्त, 2025 से लागू होगा। इस कदम ने भारतीय निर्यातकों के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं, और अब वे सरकार से मदद की उम्मीद कर रहे हैं।

इस स्थिति से निपटने के लिए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार शाम एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई। बैठक में पीएम मोदी के साथ-साथ कई वरिष्ठ मंत्री और वित्त व वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारी भी मौजूद थे। यह बैठक पीएम की जापान और चीन की यात्रा से ठीक पहले हुई।

माना जा रहा है कि इस बैठक के बाद सरकार कुछ बड़े ऐलान कर सकती है। इन फैसलों से भारतीय निर्यातकों को राहत मिल सकती है और उन्हें वैकल्पिक बाजार तलाशने में मदद मिल सकती है। उम्मीद है कि सरकार भारतीय निर्यातकों के लिए आर्थिक पैकेज और

निर्यातकों को राहत की उम्मीद
सरकार कर सकती हैं बड़े ऐलान

कामगारों की सुरक्षा के लिए विशेष पैकेज की घोषणा कर सकती है। इसके साथ ही, वैकल्पिक बाजारों की तलाश और व्यापारिक समझौतों को सुनिश्चित करने की प्रक्रिया भी तेज हुई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप के नए टैरिफ का असर अमेरिका को होने वाले भारत के 55% निर्यात पर पड़ेगा। इनमें कपड़े, ज्वेलरी, चमड़े के उत्पाद, खिलौने, रसायन, मशीन टूल, प्लास्टिक और समुद्री उत्पाद शामिल हैं। ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें देश की बड़ी आबादी को रोजगार मिलता है। नए टैरिफ के कारण भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजारों में प्रतिस्पर्धा से बाहर हो जाएंगे, क्योंकि प्रतिस्पर्धी देशों के उत्पाद 30 से 35% कम दरों पर उपलब्ध होंगे। इससे भारतीय उत्पादों का अमेरिकी बाजारों में टिके रहना लगभग असंभव हो जाएगा।

इस समस्या से दो ही तरह से राहत मिल सकती है जब अमेरिका टैरिफ वापस ले ले। रूस-यूक्रेन युद्ध के संभावित समझौते के बाद अमेरिका भारत पर लगे अतिरिक्त 25% टैरिफ को वापस ले ले।

▶10 पर

जर्मनी के अखबार का बड़ा दावा

ट्रंप ने टैरिफ विवाद के बीच 4 बार लगाया फोन, पीएम मोदी ने नहीं की बात

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब से भारत पर 50 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया है तब से दोनों देशों के रिश्तों में तल्खियां बढ़ी हुई हैं। इस बीच जर्मनी के एक अखबार ने दावा किया है कि ट्रंप ने टैरिफ विवाद के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चार बार कॉल किया, लेकिन पीएम मोदी ने उनसे बात करने से मना कर दिया।

जर्मन न्यूज पेपर एफएजेड ने दावा किया है कि भारत को डेड इकोनॉमी कहने पर पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से नाराज हैं। ट्रंप के टैरिफ की वजह से 25 सालों से चले आ रहे भारत-अमेरिका संबंधों में खटास आ गई। अमेरिका ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है, जो ब्राजील के अलावा किसी दूसरे देश के लिए सबसे अधिक है। अमेरिका ने रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर भारत पर जुर्माना भी लगाया है। एफएजेड का दावा है कि ट्रंप ने हाल के हफ्तों में चार बार पीएम मोदी को फोन किया, लेकिन उन्होंने बात करने से इनकार कर दिया।

अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 31 जुलाई को कहा, मुझे इसकी परवाह नहीं है कि भारत रूस के साथ क्या करता है। वे दोनों मिलकर अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को नीचे गिरा सकते हैं। हमने भारत के साथ बहुत कम व्यापार किया है, उनके टैरिफ बहुत ऊंचे हैं, जो कि दुनिया में सबसे ज्यादा टैरिफ वाले देशों में से एक हैं। जर्मनी के अखबार ने दावा किया है कि पीएम मोदी ट्रंप की इसी टिप्पणी से नाराज हैं। ▶10 पर

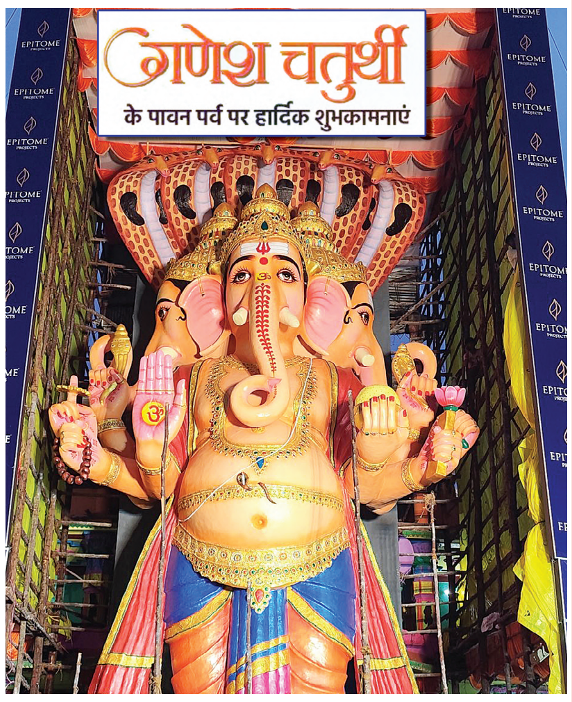

'शुभ-लाभ' के सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं और हॉकरों को श्री गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं। विघ्नहर्ता आपके जीवन के प्रत्येक विघ्न हरें।

अवकाश सूचना

भगवान गणेश जी की चतुर्थी के उपलक्ष्य में **'शुभ-लाभ'** कार्यालय में बुधवार दि. 27 अगस्त, 2025 को **अवकाश** रहेगा। अतः **'शुभ-लाभ'** का अगला अंक शुक्रवार 29 अगस्त, 2025 को प्रकाशित होगा। **- प्रबंधक**

एससीओ शिखर सम्मेलन 2025

एससीओ शिखर सम्मेलन में सीमा पार आतंकवाद का मुद्दा उठाएगा भारत

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। चीन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में भारत सीमा पार आतंकवाद का मुद्दा उठाएगा। भारत ने सम्मेलन के दौरान आतंकवाद की निंदा का प्रस्ताव लाने की तैयारी की है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमारी तैयारी पूरी है। हम शिखर सम्मेलन के घोषणापत्र में आतंकवाद की कड़ी निंदा करने के लिए अन्य सदस्य देशों और साझेदारों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

पीएम मोदी 29 अगस्त से एक सितंबर तक जापान और चीन की चार दिवसीय यात्रा पर रहेंगे। पहले वह टोक्यो जाएंगे और प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के साथ वार्षिक भारत-जापान शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। दोनों प्रधानमंत्री टोक्यो के बाहर भी मिलेंगे। इसके बाद पीएम मोदी 31 अगस्त और 1 सितंबर को एस-सीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन के तियानजिन जाएंगे।

विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने कहा कि भारत एससीओ शिखर

सम्मेलन के घोषणापत्र में आतंकवाद की कड़ी निंदा करने के लिए अन्य एससीओ सदस्य देशों और साझेदारों के साथ काम कर रहा है। एससीओ की स्थापना आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद जैसी बुराइयों का मुकाबला करने के लक्ष्य के साथ की गई थी, जो अभी भी चुनौती बनी हुई हैं।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र की सुरक्षा एससीओ सदस्यों के लिए प्राथमिकता बनी हुई है। उन्होंने कट्टरपंथ, उग्रवाद और आतंकवाद का मुकाबला करने पर एक संयुक्त बयान को याद किया। जिसे 2023 में समूह की भारत की अध्यक्षता के दौरान अपनाया गया था। विदेश सचिव तन्मय लाल ने कहा कि पूर्व में जिन वक्तव्यों को अंतिम रूप दिया गया है, उनमें सीमापार आतंकवाद सहित आतंकवाद की कड़ी निंदा की गई है।

उन्होंने कहा कि जहां तक आगामी शिखर सम्मेलन में घोषणापत्र का सवाल है। उसे अंतिम रूप दिया जा रहा है। हम अन्य सदस्यों और साझेदारों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं कि सीमापार आतंकवाद सहित आतंकवाद की कड़ी निंदा दोहराई जाए।

प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा पर विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर 31 अगस्त और 1 सितंबर को शंघाई सहयोग परिषद (एससीओ) के राष्ट्राध्यक्षों की परिषद की 25वीं बैठक के लिए चीन के तियानजिन का दौरा करेंगे। एससीओ में 10 सदस्य हैं। भारत के अलावा इनमें बेलारूस, चीन, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं।

▶10 पर

गुजरात में बोले पीएम मोदी

अब विदेशों में चलने वाली ईवी में भी लिखा होगा 'मेड इन इंडिया'

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात दौरे पर हैं। उन्होंने अपने दौरे के दूसरे दिन टीडीएस लिथियम-आयन बैटरी प्लांट में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड के स्थानीय उत्पादन की शुरुआत की। यह प्लांट तोशिबा, डेंसो और सुजुकी का संयुक्त उद्यम है। इस दौरान सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष व प्रतिनिधि निदेशक तोशीहिरो सुजुकी और सूबे के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अब दुनिया के दर्जनों देशों में जो ईवी चलेगी, उसपर 'मेड इन इंडिया' लिखा होगा। उन्होंने कहा कि गणेश उत्सव के इस उल्लास में आज भारत की 'मेक इन इंडिया' यात्रा में एक नया अध्याय जुड़ रहा है। आज से भारत में बनी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स 100 देशों को एक्सपोर्ट की जाएंगी। पीएम मोदी ने कहा कि यह दिन भारत और जापान की दोस्ती को भी एक नया आयाम दे रहा है। मोदी ने कहा कि 2012 में जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब मैंने मारुति सुजुकी को हंसलपुर में जमीन अलॉट की थी।

उस वक्त भी विजन आत्मनिर्भर भारत का था, मेक इन इंडिया का था। मोदी ने कहा कि हमारे तब के प्रयास आज देश के संकल्पों को पूरा करने में इतनी बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। मोदी ने कहा कि आज सुजुकी भारत में मैन्युफैक्चरिंग कर रही है और यहां बनी गाड़ियां वापस जापान को एक्सपोर्ट की जा रही हैं। यह भारत और जापान के रिश्तों की मजबूती का प्रतीक है। इसके साथ ही भारत को लेकर ग्लोबल भरोसे को भी दर्शाता है। मोदी ने इससे पहले हंसलपुर प्लांट से मारुति सुजुकी की पहली ग्लोबल इलेक्ट्रिक कार ई-विटारा को हरी झंडी दिखाई। इसी दौरान उन्होंने हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड उत्पादन संयंत्र का भी उद्घाटन किया।

जिस मारुति सुजुकी के हंसलपुर स्थित मोटर प्लांट में पीएम मोदी ने भारत में निर्मित पहली इलेक्ट्रिक कार को हरी झंडी दिखाई। वह प्लांट 640 एकड़ में फैला हुआ है। प्लांट की उत्पादन क्षमता हर साल करीब 7.5 लाख यूनिट है, जो इस नए श-तळींरीर का उत्पादन के शुरू होने के बाद और भी बढ़ जाएगी। मारुति सुजुकी ने फाइनेंशियल ईयर 2026 में 67000 इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रोडक्शन का टार्गेट रखा है। इसका बड़ा हिस्सा निर्यात में जाएगा। इसके अलावा इस दशक के अंत तक कंपनी ने प्रोडक्शन क्षमता को लगभग दोगुना करके 40 लाख कारों तक पहुँचाने की भी योजना का ऐलान किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह प्लांट साल 2014 में शुरु किया गया। प्लांट में सबसे पहले मारुति सुजुकी की बलेनो कार का उत्पादन हुआ।

जम्मू कश्मीर में भारी बारिश और बादल फटने से भयानक तबाही

वैष्णो देवी में हिमस्खलन से 10 श्रद्धालुओं की मौत

शुभ-लाभ ब्यूरो
जम्मू, 26 अगस्त। भारी बारिश, भूस्खलन और बादल फटने की कई घटनाओं के कारण प्रदेश में 10 लोगों की मौत हो गई है। इनमें वैष्णो देवी के 5 श्रद्धालु भी शामिल हैं। वैष्णो देवी में मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। डोडा में बादल फटने से 5 लोगों की मौत हुई है। कई पुल टूट गए हैं। सड़कें बह गई हैं। सभी ट्रेनें स्थगित कर दी गई हैं।

अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार दोपहर भारी बारिश के कारण त्रिकुटा पहाड़ी पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले मार्ग पर भूस्खलन हो गया, जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत

डोडा में भी बादल फटने से पांच लोगों की मौत हुई
कई पुल टूटे, ट्रेनें रद्द, बिजली, इंटरनेट सब ठप्प पड़े

हो गई और 14 घायल हो गए। गैर सरकारी सूचना के मुताबिक मरने वालों की संख्या 15 से अधिक हो सकती है। अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन के बाद जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित इस प्रसिद्ध मंदिर की तीर्थयात्रा स्थगित कर दी गई। अर्ध कुमारी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास बचाव अभियान जारी है, जहां दोपहर करीब 3 बजे भूस्खलन हुआ था। पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक जाने वाले 12 किलोमीटर के घुमावदार रास्ते के लगभग आधे रास्ते में यह आपदा आई। हिमकोटि ट्रैक मार्ग पर सुबह से ही यात्रा स्थगित कर दी गई थी, लेकिन दोपहर 1.30 बजे तक पुराने मार्ग पर यात्रा जारी थी, जब अधिकारियों ने मूसलाधार बारिश को देखते हुए इसे अगले आदेश तक स्थगित करने का फैसला किया। जम्मू क्षेत्र में लगातार भारी बारिश के कारण उत्तर रेलवे ने मंगलवार को कटरा, उधमपुर और जम्मू रेलवे स्टेशनों से आने-जाने वाली 18 ट्रेनें रद्द कर दी हैं। जम्मू क्षेत्र में सोमवार रात से दशकों में सबसे भारी बारिश हो रही है, जिससे पुल क्षतिग्रस्त हो गए, सड़क सम्पर्क बाधित हो गया और बड़े भूभाग जलमग्न हो गए, जिससे लोगों को सुरक्षित इलाकों में जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। ▶10 पर

ईडी ने 5,590 करोड़ के कथित अस्पताल निर्माण घोटाले में आपा पर कसा शिकंजा

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में 24 अस्पतालों के निर्माण से जुड़े 5,590 करोड़ रुपये के धनशोधन मामले में आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज के घर समेत 13 स्थानों पर तलाशी अभियान चला रहा है। ईडी सूत्रों ने कहा कि फिलहाल तेरह स्थानों पर तलाशी चल रही है।

धन शोधन निवारण (पीएमएलए) मामला 2018-19 में हुए कथित दिल्ली अस्पताल निर्माण से जुड़ा हुआ है। उल्लेखनीय है कि निर्माण में देरी होने के कारण अस्पतालों की लागत बढ़ गई। 2018-19 में आप सरकार ने अस्पतालों के निर्माण को मंज़ूरी प्रदान की थी हालाकि परियोजनाएं समय पर पूरी नहीं हो सकी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी भ्रष्टाचार निर-ोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी पर आधारित है। ईडी वर्तमान में दिल्ली में अस्पतालों के निर्माण के दौरान हुए कथित घोटाले की जांच कर रहा है। एफआईआर में कहा गया है कि आप पार्टी कथित रूप से 24 अस्पतालों के निर्माण में भ्रष्टाचार में शामिल थी। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

100 वर्ष की संघ यात्रा

भारत के विश्वगुरु बनने का सही समय : मोहन भागवत

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का तीन दिवसीय संवाद कार्यक्रम '100 वर्ष की संघ यात्रा: नए क्षितिज' के प्रथम दिवस में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघ के सरसंघचालक जी ने कार्यक्रम के नाम के पीछे की बात करते हुए कहा- आज की व्याख्यान में संघ के बारे में मैं बताऊँगा। पिछली बार (2018 व्याख्यान) जो दो भाषणों में बताया गया था, उसे इस बार एक भाषण में बताऊँगा।

उन्होंने कहा- 100 साल की संघ की यात्रा हो रही है। क्यों हो रही है..? संघ चला आ रहा है, ऐसा नहीं है। संघ चलाने का एक उद्देश्य है और यही कारण है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शुरू हुआ। इतनी सारी बाधाएँ आईं, फिर भी स्वयंसेवकों ने कठिन परिस्थितियों से रास्ता निकालकर इसे क्यों चलाया..? और 100

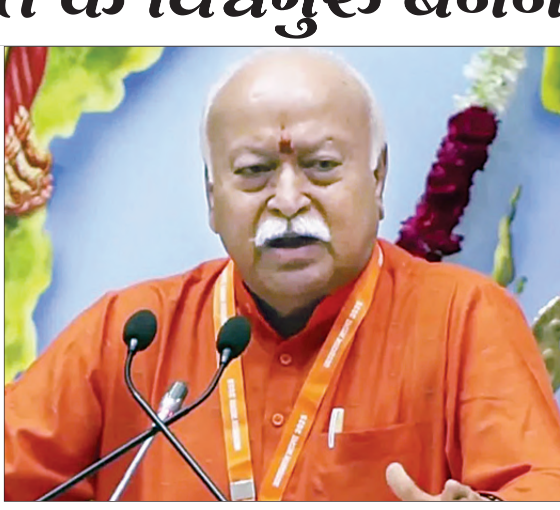

साल चलने के बाद भी नए क्षितिजों की बात क्यों की जा रही है..?

इसका उत्तर यदि एक वाक्य में देना हो तो वह वाक्य वही है, जो हम स्वयंसेवक रोज अपनी प्रार्थना के अंत में कहते हैं-भारत माता की जय।

उन्होंने कहा- अपना देश है, उसे जय-जयकार मिलनी चाहिए, उसे विश्व में अग्रणीय स्थान मिलना चाहिए। लेकिन अग्रणीय स्थान क्यों मिलना चाहिए..? अग्रणीय स्थान तो एक ही देश प्राप्त कर सकता है और विश्व में सैकड़ों देश हैं। इसके लिए कोई नई स्पर्धा उत्पन्न करनी है- ऐसा कोई इरादा नहीं है। पर उसके पीछे एक सत्य है।

उन्होंने कहा- दुनिया में इतने देश हैं, और अभी विश्व बहुत पास आ गया है। इसलिए अब ग्लोबल बात होती है, विश्व पास आ गया है, इसलिए ग्लोबल विचार करना ही पड़ता है। एक देश के बड़े होने का महत्व क्या है..? यद्यपि सारे विश्व का जीवन एक है, मानवता एक है, फिर भी वह एक जैसी नहीं है। उसके अलग-अलग रूप हैं, अलग-अलग रंग हैं। और ऐसा होने के कारण विश्व की सुंदरता बढ़ी है, क्योंकि हर एक रंग का अपना-अपना योगदान है।

उन्होंने कहा- विश्व के इतिहास को देखें तो स्वामी विवेकानंद का वह कथन स्मरण होता है- प्रत्येक राष्ट्र का एक मिशन होता है, ▶10 पर

पकड़ छोड़ोगे तो ही धर्म से जुड़ोगे: साध्वी नंदिनी

प्रवर्तक पन्नालाल महाराज विराट व्यक्तित्व के धनी थे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। साध्वी निर्मला के सानिध्य में पर्युषण महापर्व के सातवें दिन पकड़ छूटी तो जुड़े पर प्रवचन देते हुए साध्वी नंदिनी ने कहा कि संसार के प्रति हमारी पकड़ छूटेगी तो ही हम अध्यात्म से जुड़ेंगे। पर्युषण पर्व के पावन अवसर पर अनेक वीर भव्य आत्माए आत्म साधना आराधना में जुटी हुई है। अंतगड़ दशांक सूत्र में उन नब्बे भव्य आत्माओं ने प्रभु के शरण को प्राप्त कर मुक्ति के अंदर अपना स्थान सुनिश्चित किया। जिस आत्मबल से उन महापुरुषों ने अपने विरक्तव को जगाया वह आत्मबल हमे भी मिले। उन्होंने विषय को आगे बढ़ाते हुए कहा कि जब तक परिग्रह कम नहीं होते तब तक जीवन में सम्यक्त्व की ज्योत प्रजलवित नहीं होती। इस संसार रूपी पकड़ को हमे ढीला करना होगा तभी हम धर्म से जुड पाएंगे। परिग्रह आशक्ति यानि पकड़ - जितनी यह पकड़ मजबूत होगी हम आत्मा से दूर होते जाएँगे। परमात्मा ने नौ प्रकार के परिग्रह बताए है। जितनी हमारी उम्र बढ़ती जाती है हमारी पकड़ परिग्रह के प्रति मजबूत होती जाती है। यही पकड़ यही आशक्ति हमे आत्मा से दूर करती है।

परिग्रह का त्याग जब तक नहीं करोगे यह जीवन सार्थक नहीं होगा। परिग्रह, आशक्ति की पकड़ को छोड़ना होगा। मन के विकारों को दूर करने की प्रेरणा यह पर्युषण पर्व हमे देता है। आशक्ति की पकड़ से ही व्यक्ति नरक और स्वर्ग में जाता है। जिसकी पकड़ छूटी उसकी गाति सुधरी। जब तक यह पकड़ रहेगी हम अपने जीवन का उत्थान नहीं कर सकते। पूर्व में अंतकृत दशांक सूत्र का वाचन साध्वी ऋषिता ने किया। प्रभावना के लाभार्थी महावीरचंद दीपेश धोका, उत्तमचंद पदमराज रातड़िया, पन्नालाल हुक्मीचंद दिनेश भलगट, किरणराज तरुण चेतन संतोष पूनमिया परिवार रहे। प्रवर्तक पन्नालाल के 138वें जन्मोत्सव पर उनका गुणगान करते हुए साध्वी नंदिनी ने कहा - जैन साधु परंपरा में अनेक महापुरुष हुए हैं जिन्होंने अपनी साधना, विद्वता और समाज सेवा से अमिट छाप छोड़ी। उन्हीं में से एक थे प्रवर्तक पन्नालाल महाराज जो विराट व्यक्तित्व के धनी थे। पन्नालालजी का व्यक्तित्व अत्यंत प्रभावशाली, प्रेरणादायी और विराट था। उनके प्रवचनों में ओजस्विता, तर्कपूर्ण विचार और समाज सुधार की तीव्र चेतना झलकती थी। नेमीचंद दलाल ने कहा कि जैन संत प्रवर्तक गुरु पन्नालाल महाराज धर्म एवं समाज के उत्थान के लिए सदैव प्रेरणा स्रोत रहे। उनके उपदेशों पर अमल किए जाने से शिक्षित एवं आदर्श समाज का निर्माण संभव हुआ है। वे अंधविश्वास के प्रबल विरोधी थे।

उन्होंने हमेशा धर्म को अंधविश्वासों और दिखावों से अलग रखने की प्रेरणा दी। नीता संतोष पूनमिया के मासखमण तप के उपलक्ष्य में संघ की ओर से उनका अभिनंदन तप-अनुमोदना पत्र, चुंदड़ी, मोमेंटो से किया। ममता बागरेचा ने 19 उपवास, संदीप भुरट और रेणु सुरेश जैन ने 10 उपवास, अनेक श्रावक श्राविकाओं ने 5, 6 और 4 उपवास के पच्चखान लिए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे और आत्मानुभूति का संदेश आत्मसात किया। अध्यक्ष प्रकाशचंद चानोदिया ने प्रशस्ति पत्र का वाचन किया। राकेश दलाल ने आभार ज्ञापित किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

जैन समाज एवं श्री क्षेत्र के विरुद्ध दुर्भावनापूर्ण प्रचार बंद हो

जीतो पदाधिकारियों के साथ जैन समाज के प्रतिनिधियों ने की राज्यपाल से भेंट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो के एक प्रतिनिधि मंडल ने केकेजी जोन अध्यक्ष प्रवीण बाफना के नेतृत्व में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत से भेंट कर जैन समुदाय, श्री क्षेत्र धर्मस्थल एवं डा. वीरेंद्र हेगड़े को निशाना बनाकर किये जा रहे दुर्भावनापूर्ण प्रचार के विरुद्ध कार्यवाही करवाने का अनुरोध किया। बाफना ने राज्यपाल से कहा कि अल्पसंख्यक जैन समुदाय एवं डा. वीरेंद्र हेगड़े को प्रभावित करने वाले एक गंभीर विषय की ओर आपका ध्यान आकर्षित करवाना चाहते है। श्री क्षेत्र धर्मस्थल एवं हेगड़े दोनों के प्रति जैन समाज के साथ राज्यभर के लाखों अनुयायियों की आस्था जुड़ी है। प्रतिनिधि मंडल में शामिल जीतो बेंगलूरु नार्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया ने राज्यपाल से कहा कि हमारे संज्ञान में आया है कि कुछ असंतुष्ट एवं दुर्भावनापूर्ण तत्व गुप्त उद्देश्यों से अनेकों माध्यमों से सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर व्यवस्थित रूप से झूठी, आपमानजनक एवं भड़काऊ सामग्री फैला रहे है, जिससे कर्नाटक की जनता एवं पूज्य

स्थलों की छवि खराब हो रही है। जीतो साउथ के अध्यक्ष रणजीत सोलंकी एवं अल्पसंख्यक प्रभारी इंदर नाहर ने इस मुद्दे पर अपने विचार राज्यपाल को भेजे। प्रतिनिधि मंडल में शामिल जीतो केकेजी जोन के अल्पसंख्यक एवं मीडिया प्रभारी सिद्धार्थ बोहरा ने राज्यपाल से कहा कि इस तरह की हरकतों से पूरे समुदाय की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचती है और कर्नाटक का समस्त जैन समाज इस कृत्य की कड़ी निंदा करता है। चंपालाल भंडारी ने राज्यपाल से अनुरोध किया कि संबंधित अधिकारियों को इस दुष्प्रचार के लिये जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध तत्काल एवं उचित कानूनी कार्यवाही का निर्देश दें ताकि शांति एवं सद्भाव को भंग करने के प्रयासों को रोका जा सके। सिद्धार्थ बोहरा ने जीतो द्वारा समाज हित में संचालित विभिन्न योजनाओं का विवरण रखा। प्रतिनिधि मंडल ने राज्यपाल को स्वामी विवेकानंद के साथी वीरचंद राघवजी गांधी द्वारा लिखित पुस्तक जैन फिलोसोफी भेंट की। राज्यपाल ने प्रतिनिधि मंडल से कहा कि इस संबंध में सरकार को पत्र लिखा गया है और जरूरत पड़ी तो पुनः सरकार को आगाह किया जायेगा। जीतो पदाधिकारियों के साथ प्रतिनिधि मंडल में शामिल चम्पालाल भंडारी ने दिगंबर जैन समाज, अशोक शेट्टी ने खण्डेलवाल दिगम्बर समाज, सिद्धार्थ जैन ने कर्नाटक श्वेताम्बर जैन फोरम का ज्ञापन राज्यपाल को सौंपा।

जिन शासन के 17 महापुरुषों के जीवन पर आधारित ग्रंथ का लोकार्पण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री आदिनाथ जैन संघ, शंकरपुरम में जिन शासन के 17 महापुरुषों की जीवनगाथाओं पर आधारित एक महत्वपूर्ण ग्रंथ का विधिवत् विमोचन संपन्न हुआ। भगवान महावीर स्वामी की अंतिम देशना उत्तराध्ययन सूत्र में संकलित है, जिसमें शासन के महाज्ञानी एवं बहुश्रुतधरों का स्वरूप 16 उपमाओं द्वारा प्रतिपादित किया गया है। इन्हीं उपदेशों को आधार बनाकर पूज्य गच्छाधिपति पंडित की आज्ञानुवर्ती साध्वी धर्मरुचिताश्रीजी ने बहुश्रुतपूजा उत्तराध्ययन एक सभर संस्मरण शीर्षक से इस ग्रंथ की रचना की है। यह कृति साध्वी के छह वर्षों से अधिक समय तक चले सतत् अध्ययन, सैकड़ों प्राचीन शास्त्रीय संदर्भों और गंभीर शोध का

परिणाम है। पुस्तक में 2500 वर्षों की परंपरा में उत्पन्न 17 महापुरुषों की जीवन यात्रा का सचित्र और सारगर्भित वर्णन प्रस्तुत किया गया है। ग्रंथ का विमोचन संघ के प्रमुख पदाधिकारियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपस्थित विद्वानजनों और श्रद्धालुओं ने इसे जैन साहित्य की एक विशिष्ट उपलब्धि बताया और विश्वास व्यक्त किया कि यह कृति इतिहास-प्रेमी तथा शासनरागी दोनों वर्गों के लिए समान रूप से उपयोगी सिद्ध होगी।

परमात्मा के करीब जाना है तो सरल बनें: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि पर्वाधिराज का सातवां दिवस है और इस पावन प्रसंग पर सभी आगम वाणी का श्रवण कर रहे हैं। यह वाणी बहुत कल्याणकारी होती हैं। मनुष्य के जीवन को पार लगाने वाली वाणी हैं। आगम में कहा गया है कि बुढे ही नहीं बल्कि बच्चे भी दीक्षा ले सकते हैं। दीक्षा लेकर शासन की प्रभावना कर सकते हैं। यह सभी संगत का ही असर होता है। जैसा मनुष्य को संगत मिलता है वैसा ही उसका जीवन बन जाता है। सत्संग से ही मनुष्य को सुख मिलता है। सत्संग से ही मनुष्य का आज्ञान दूर होता है। इसके माध्यम से मनुष्य को भगवान मिल सकते हैं। दीपक से ही

दीपक जलता है। कपड़े को जैसा रंग मिले, मानव को जैसा संग मिले, बस उसी ढंग में कपड़ा और मानव ढल जाता है। इसलिए कहते हैं कि अच्छा आचरण चाहिए तो सत्संग सुने। सत्संग से हैवान भी भगवान बन सकता है। सत्संग में प्रभु की वाणी सुनने का अवसर मिलता है। वाणी सुनने से मनुष्य का आचरण पूरी तरह से बदल जाता है। शरीर छूटने के बाद संसार छूट जाता है। जब तक शरीर में जान है तब तब संसार है। जान गई तो संसार भी गया। लेकिन उसके बावजूद मनुष्य संसार के मोह माया में लगा हुआ है। मनुष्य अपनी आत्मा नहीं बल्कि शरीर को संवारने में लगा है। मनुष्य सुख के समय भगवान को कभी याद नहीं करता है, लेकिन दुख आते ही भगवान भगवान करने लगता है। बच्चों में बहुत ही सहजता और सरलता होती है। बचपन में उनको जैसा माहौल मिलेगा बच्चे उसी पर आगे बढ जाएंगे। बच्चे भगवान का रूप होते हैं। बच्चे जैसा सीखते हैं वैसा ही बोलते हैं। इसी तरह मनुष्य को भगवान के सामने बच्चे की तरह ही होना चाहिए। क्योंकि सरलता में ही सार होता है। अगर गलत रास्ते पर जाओगे तो गलत जगह ही पहुंचोगे। सीधे रास्ते वाला मनुष्य शीघ्र ही पार हो जाता है।

बच्चों की तरह ही सीधे और सरल रहो। ऐसा होने के बाद ही भगवान के करीब पहुंचा जा सकता है।

पूज्य प्रवर्तक स्वाध्याय संघ के संस्थापक राजस्थान शेरे पन्नालालजी की जन्म जयंती के अवसर पर उनका गुणगान किया गया। 5 उपवास के पच्चखान पिंकी तलेसरा, 7 उपवास के पच्चखान संगीता तलेसरा, विभा विनायकिया, संतोष बाई खीवेंसरा, सपनाबाई जैन, सविता पालरेचा, दिव्या पारख, विजयकुमार खीवेंसरा, अरिहंत सुराणा, प्रणव सुराणा, चेतन गांधी, 8 उपवास के पच्चखान पंकज तातेड़ ने लिए। चिकपेट से मोहनलाल अखावत, महावीर चंद लुकड़, श्रीरामपुरम से अध्यक्ष ताराचंद गुगलिया, गणेशमल गुगलिया, मंगल चंद भंडारी, गौतम खीवेंसरा, प्रकाशचंद कटारिया, ताराचंद गुगलिया, कांतिलाल गुगलिया, सिद्धार्थ बोहरा की विशेष उपस्थिति रही। सभी का स्वागत अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने किया। संचालन करते हुए महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने बताया कि बुधवार को सांवत्सरिक के दिन आचार्य भगवान 1008 हस्तीमल जी महाराज के सुशीष्य पंडित रत्न पूज्य गुरुदेव चौथमल जी की जन्म जयंती मनाई जाएगी। सामूहिक समापना दिवस गुरुवार को सुबह 7 बजे मनाया जाएगा।

समय-समय पर महान आत्माएँ होती रही हैं प्रकट: आचार्य श्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पर्युषण पर्व के सातवें दिन का कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति से ओत-प्रोत वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने अपने मंगल प्रवचन में 23वें तीर्थंकर श्री पार्श्वनाथ स्वामी, 22वें तीर्थंकर श्री नेमिनाथ स्वामी और प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के जीवन चरित्र का प्रेरणादायी वर्णन किया।

आचार्य श्री ने बताया कि जैन धर्म की एक विशिष्टता यह है कि वह जगत और जीव के अस्तित्व को अनादि-अनंत मानता है। समय-समय पर ऐसी महान आत्माएं प्रकट होती रही हैं जिन्होंने साधना के बल से तीर्थंकर पद प्राप्त किया है। अब तक अनंत तीर्थंकर हो चुके हैं,

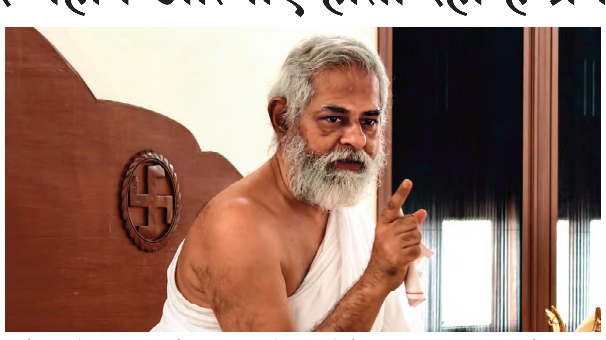

वर्तमान में बीस तीर्थंकर जगत में विचरण कर रहे हैं और भविष्य में भी अनगिनत तीर्थंकर उत्पन्न होते रहेंगे। इसी मार्ग पर चलकर आत्मा का उद्धार संभव है। किसी भी तीर्थंकर ने नया मत प्रस्तुत नहीं किया, अपितु सभी ने समान रूप से मुक्ति का एकमात्र राजमार्ग ही दर्शाया है। आचार्य श्री ने महावीर प्रभु को लेकर प्रचलित भ्रांतियों का निराकरण भी किया। उन्होंने कहा कि महावीर प्रभु ने कोई क्रांतिकारी परिवर्तन नहीं किया था, बल्कि अनंत तीर्थंकरों द्वारा प्रतिपादित परंपरा का ही पुनः उद्धोष किया। स्त्रियों को मोक्ष का अधिकार, पाँच महाव्रतों का पालन और वर्ण-भेद से परे समता का मार्ग ये सिद्धांत अनादिकाल से चले आ रहे हैं। भगवान ऋषभदेव स्वामी को आर्य सामाजिक व्यवस्था का संस्थापक बताते हुए आचार्य श्री ने कहा कि उन्होंने गृहस्थ अवस्था में रहकर समाज को कृषि, शिल्प, कला और आजीविका के साधन सिखाए। प्रत्येक अवसर्पिणी काल में प्रथम तीर्थंकर समाज को व्यवस्थित करने की यह ऐतिहासिक भूमिका निभाते हैं। दोपहर के प्रवचन में महावीर प्रभु के शासन में उत्पन्न महान महापरुषों आराधक, प्रभावक एवं रक्षक आचार्यों के जीवन प्रसंगों का वाचन-श्रवण हुआ। उनके त्याग, तप और बलिदान की प्रेरणा से आत्माएँ शासन रक्षा एवं आत्मशुद्धि की ओर अग्रसर हुईं। आचार्य श्री ने स्पष्ट कहा कि शासन की सच्ची आराधना और रक्षा तभी संभव है जब साधक अहंकार, यश-कीर्ति और प्रतिष्ठा का त्याग कर, आवश्यकता पड़ने पर प्राणों का बलिदान देने के लिए भी तत्पर रहे।

पर्युषण पर्व की आराधना, संवत्सरी की साधना: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने पर्व पर्युषण के अवसर पर कहा कि पर्युषण पर्व की आराधना, संवत्सरी की साधना है।

सांवत्सरिक प्रतिक्रमण करने से पूर्व एक काम अवश्य करें। जिससे हमारी बोलचाल नहीं है, आना-जाना नहीं है, जिनके प्रति हृदय में नफरत का भाव है, जिनसे हमारा मन नहीं मिलता आँखें नहीं मिलती, उनसे सारे गिले-शिकवे भूलाकर क्षमा मांग लेनी है और क्षमा माँगने वाले को क्षमादान करना है। अपनी भूलों पर आँसू

बहाने वाला और अपराधी को गले लगाने वाला ही सांवत्सरिक प्रतिक्रमण करने का अधिकारी होता है।

साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि पर्युषण पर्व का हृदय क्षमायाचना है। कल्पसूत्र में कहा गया है जो मिथ्यात्व एवं क्रोध-मान-माया लोभ का उपशमन करता है, क्षमा मांगता है, वह आराधक कहलाता है। जो उपशमन नहीं करता, क्षमा नहीं मांगता, वह विराधक कहलाता है।

पर्युषण पर्व आराधक बनने की प्रेरणा देता है। हमें आराधक बनकर पर्युषण पर्व को सार्थक करना है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि साध्वीवृंद के पावन सानिध्य में ऐतिहासिक रूप से पर्युषण महापर्व की आध्यात्मिक आराधना हर्षोल्लास से गतिमान है। महेंद्र जैन ने बताया कि श्री बारसौ सूत्र का लाभ संघवी महावीर कुमार, घेवरचंद बालगोत्र परिवार ने लाभ लिया और साध्वीवृंद के साथ सकल संघ पीजे अपार्टमेंट में बारसौ सूत्र वाजते गाजते लाभार्थी परिवार के घर पधरामणी और साध्वीवृंद भव्यगुणा श्री के मंगल पगलिया हुआ। रात्रि जागरण भक्ति संगीतकार दीपक करणपुरिया द्वारा की गई।

शिक्षा सबके लिए मायूम बेंगलूरु का 2100 बैग वितरण अभियान शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शिक्षा जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है और इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु ने अपने सतत अभियान शिक्षा सबके लिए को और आगे बढ़ाया। इस क्रम में संगठन ने इस बार 2100 स्कूल बैग वितरित करने का बीड़ा उठाया है, जिसे दो चरणों में संपन्न किया जा रहा है। पहला चरण 23 अगस्त (शनिवार) को संपन्न हुआ, जिसमें 1100 बैग असीकेरे क्षेत्र के विभिन्न सरकारी स्कूलों में बच्चों को दिए गए। असीकेरे बेंगलूरु से 200 किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित है, फिर भी मंच के सदस्यों ने वहाँ पहुँचकर बच्चों में शिक्षा के प्रति उत्साह और आत्मविश्वास जगाने का कार्य किया। शेष 1000 बैग का वितरण दूसरे चरण में 30 अगस्त को किया जाएगा। इस अभियान को संभव बनाने

में एवन प्लास्ट ग्रुप (सुनील बजाज) का अहम योगदान रहा, जिन्होंने 2100 बैग डोनेट कर शिक्षा के इस पुनीत कार्य में भागीदारी निभाई।

आयोजन की जिम्मेदारी कन्वीनर्स अंकित मोदी, स्नेह जाजू, पुनीत राठी एवं आशु मित्तल ने निभाई, जिन्होंने पूरे समर्पण और उत्साह के साथ कार्य को अंजाम दिया। अभियान का शुभारंभ 22 अगस्त को बोम्मासंद्रा स्थित एवन प्लास्टिक इंडस्ट्रीज से फ्लैग-ऑफ के साथ हुआ।

इस अवसर पर संगठन के वरिष्ठ सदस्य सचिन पांडिया, उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल, गौरव शर्मा, प्रदीप अग्रवाल एवं सचिव सनी जैन उपस्थित रहे। इसके अलावा सक्रिय सदस्य सुशील सैनी, अशोक अग्रवाल, बरुण अग्रवाल, तरुण, दीपक शर्मा, सौरभ मित्तल, अमित गुप्ता एवं अन्य ने तन-मन-धन से सहयोग देकर निस्वार्थ भावना का परिचय दिया। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु लंबे समय से शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय योगदान कर रहा है। इस वितरण के साथ संगठन द्वारा अब तक वितरित बैग की संख्या 20,000 से अधिक हो गई है। यह केवल एक आँकड़ा नहीं बल्कि हजारों बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में उठाया गया एक सशक्त कदम है।

एसआईटी को साजिश के पीछे की ताकतों का पता लगाने दीजिए: वी. सुनील कुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने जातियों और उपजातियों की सूची पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए 7 दिनों का समय दिया है। भाजपा राज्य महासचिव और विधायक वी. सुनील कुमार ने कहा कि हमने त्योहारों, छुट्टियों और लगातार सरकारी छुट्टियों के कारण इस 7 दिनों की अवधि को और बढ़ाने का अनुरोध किया है। भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा ने आयोग अध्यक्ष को आपत्ति दर्ज कराने के लिए अतिरिक्त 10 दिन का समय देने के लिए पत्र लिखा है। नेताओं की एक बैठक हुई। जब 1,400 जातियों की सूची की समीक्षा की गई, तो हमेशा की तरह मुसलमानों और मुस्लिम उपजातियों को सूची से बाहर रखा

गया। इससे पहले, जयप्रकाश हेगड़े ने घोषणा की थी कि मुसलमानों में 90 जातियाँ हैं। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि आयोग ने 1,400 जातियों को सूचीबद्ध करते समय इसे क्यों छोड़ दिया। जाति सूची, इस्तेमाल किए गए मानदंड आदि कई तरह की भ्रांतियाँ हैं। ये राष्ट्रपति के प्रेस वक्तव्य से उजागर हुई हैं। अगले हफ्ते भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल आयोग से मिलने जाएगा। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में हमारी शंकाओं और सर्वेक्षण कैसे किया जाए, इसकी विस्तृत जानकारी देने का फैसला किया गया है।

एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि हम पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि भाजपा धर्मस्थल से जुड़ी एसआईटी जाँच में कोई दखल नहीं देगी। भाजपा का रुख यही है कि जाँच और पड़ताल के नाम पर हिंदू धार्मिक समुदाय को बदनाम नहीं किया जाना चाहिए। कोई दुष्प्रचार नहीं होना चाहिए। हमने कहा कि यह एक सुनियोजित साजिश है, और उपमुख्यमंत्री ने भी इसे स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि एसआईटी इसके पीछे की ताकतों का पता लगा लेगी। उन्होंने कहा कि इसमें एक भी नकाबपोश नहीं है। मैंने सदन में भी कहा था कि दर्जनों लोगों ने नकाबपोशों के रूप में काम किया। किसने झूठी खबरें फैलाईं? किसने साजिश रची? - ये सब जाँच के जरिए पता चलना चाहिए। उन्होंने मांग की कि ये सभी मामले जल्द से जल्द जाँच से बाहर आएँ। दशहरा एक ऐसी संस्कृति है जिसका देश के लोग बड़ी श्रद्धा से सम्मान और पूजा करते हैं। एक जिम्मेदार सरकार को आज ही तय करना चाहिए कि इसका उद्घाटन कैसे होना चाहिए। उन्होंने एक अन्य सवाल का जवाब दिया कि यह बहुत दुखद है कि डी.के. शिवकुमार ने संघ की प्रार्थना की और किसी और के दबाव में होने के लिए माफी मांगी। संघ की प्रार्थना देशभक्ति सिखाती है। उन्होंने कहा कि आपको पहले देशभक्त होना चाहिए। डी.के. शिवकुमार को विधान सौधा परिसर में पाकिस्तान जिंदाबाद कहने के लिए माफी मांगनी चाहिए थी। जारकीहोली को हिंदू शब्द को अश्लील कहने के लिए माफी मांगनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि उन्हें आरएसएस की प्रार्थना कहने के लिए माफी नहीं मांगनी चाहिए थी। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य केशव प्रसाद, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष हरतालु हलप्पा, प्रदेश सचिव अंबिका हुलिनाईकर और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

शिवकुमार ने विधानसभा में आरएसएस का गान गाने के लिए माफी मांगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जिन्होंने पिछले हफ्ते राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र के दौरान विधानसभा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का गान 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमि' गाकर विवाद खड़ा कर दिया था, ने मंगलवार को कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन में किसी भी व्यक्ति से जिसे ठेस पहुँची हो से माफी मांगी। 1980 से कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार के प्रति अपनी वफादारी दोहराते हुए शिवकुमार ने कहा मेरे आलाकमान में किसी ने भी उनसे माफी मांगने के लिए नहीं कहा। 4 जून को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी के जश्न के दौरान हुई भगदड़ पर विपक्षी भाजपा द्वारा उठाए गए सवाल के दौरान, उन्होंने उनकी (आरएसएस) प्रार्थना का एक अंश गाया था

ताकि 'उनकी (भाजपा) टांग खींची जा सके। मेरे कुछ दोस्त इसका राजनीतिक फायदा उठाते हैं, इसका दुरुपयोग करने की कोशिश करते हैं और जनता को भ्रमित करने की कोशिश करते हैं। कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी के संकटमोचक ने कहा मेरा इरादा आरएसएस की तारीफ करना नहीं है। कांग्रेस और गांधी परिवार के प्रति मेरी निष्ठा पर कोई सवाल नहीं उठा सकता। मैं एक कांग्रेसी के रूप में पैदा हुआ हूँ और एक कांग्रेसी के रूप में ही मरूँगा। राजनीति में आने और एनएसयूआई में शामिल होने से पहले उन्होंने कहा मैंने एनएसयूआई, कांग्रेस, गांधी परिवार, गांधी परिवार के योगदान, कांग्रेस के इतिहास, आरएसएस, भाजपा, जद (एस), कम्युनिस्ट पार्टी और देश के विभिन्न राजनीतिक दलों के इतिहास का अध्ययन किया। ईडी द्वारा दर्ज कथित धन शोधन मामले में दिल्ली की तिहाड़ जेल में अपनी कैद को याद करते हुए, उन्होंने कहा अगर कोई मेरा इतिहास, मेरी प्रतिबद्धता, मेरी विचारधारा जानना चाहता है और वे इसके साथ राजनीति करना चाहते हैं, तो यह उन पर छोड़ दिया गया है। मैं कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। लेकिन अगर किसी को ठेस पहुँची है, तो मेरे कुछ पार्टी सहयोगी इस पर टिप्पणी कर रहे थे, मेरे बहुत सारे फॉलोअर्स हैं, अगर किसी ने किसी को ठेस पहुँचाई है, तो मैं उनकी भावनाओं को ठेस नहीं पहुँचाना चाहता, मुझे उनके लिए दुख है। मैं उनसे माफी माँगना चाहूँगा।

एसआईटी कार्यालय में सुजाता भट से हुई पूछताछ

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अनन्या भट गुमशुदगी मामले की मुख्य आरोपी सुजाता भट, जिन्होंने कहा था कि अपनी उम्र और जान को खतरा होने के कारण वह एसआईटी पूछताछ में शामिल नहीं हो पाएँगी, बेल्टांगडी स्थित एसआईटी कार्यालय पहुँचकर सभी को चौंका दिया। एसआईटी पुलिस ने अनन्या भट गुमशुदगी मामले में सुजाता भट को 29 अगस्त को पूछताछ के लिए उपस्थित होने का नोटिस जारी किया था।

हालाँकि, उन्होंने कहा था कि वह पूछताछ में शामिल नहीं हो पाएँगी, फिर भी वह मंगलवार सुबह 5 बजे, निर्धारित तिथि से पहले, दो वकीलों के साथ बेल्टांगडी स्थित एसआईटी कार्यालय पहुँच गईं। सुजाता भट के पहुँचने पर अधिकारी सो रहे थे।

कार्यालय पहुँचने के बाद, पुलिस ने सुजाता भट को अंदर आने को कहा। सुजाता भट ने पहले कहा था कि उनकी

बेटी अनन्या भट, जो मणिपाल में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही थी, धर्मस्थल आते ही लापता हो गई। जब मैं इस संबंध में पुलिस स्टेशन गई, तो किसी ने मेरी शिकायत नहीं ली। जब मैंने शिकायत दर्ज कराई, तो धर्मस्थल में मुझ पर हमला किया गया।

अगर खुदाई के दौरान मेरी बेटी की अस्थियाँ मिलती हैं, तो मैं सनातन हिंदू धर्म के अनुसार उनका अंतिम संस्कार करूँगी। बाद के दिनों में, सुजाता भट ने अलग-अलग मीडिया में अलग-अलग बयान दिए, जिससे अनन्या भट मामले के झूठे होने का संदेह पैदा हो गया।

आखिरकार, सुजाता भट ने आधिकारिक तौर पर कहा कि वह जो कह रही थीं वह झूठ था और इस गुमशुदगी के मामले को खत्म कर दिया। सुजाता भट द्वारा मामला खत्म करने के बाद भी, कहा जाता है कि समीर ने अनन्या भट के बारे में एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) वीडियो सोशल मीडिया पर बनाकर वायरल कर दिया था। इस वीडियो को लाखों बार देखा गया और इसने मामले को एक बड़ा मोड़ दे दिया। हालाँकि, सुजाता भट पर झूठी कहानी गढ़ने और मंदिर के खिलाफ साजिश रचने का मामला दर्ज करने का भारी दबाव था। इस संदर्भ में पुलिस ने सुजाता भट को पूछताछ के लिए उपस्थित होने को कहा था।

बेंगलूरु में गड्ढों को केवल दो मिनट में भरने के लिए उच्च तकनीक: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, जो बेंगलूरु शहरी विकास मंत्री भी हैं, ने कहा कि बेंगलूरु में एक अत्याधुनिक तकनीक लागू की गई है जिससे कुछ ही मिनटों में गड्ढे बंद हो सकते हैं। डी.के. शिवकुमार ने सोमवार रात लगभग 12:30 बजे बगलूर बस स्टैंड और तीन अन्य स्थानों पर सड़क निर्माण कार्यों का व्यक्तिगत निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से बात की। शहर के सभी विधायकों ने गड्ढे बंद करने का मुद्दा उनके ध्यान में लाया था।

हमने शहर में गड्ढे बंद करने के लिए एक गड्ढा पहचान सॉफ्टवेयर (ऐप) तैयार किया है। पुलिस से भी अपने थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गड्ढों की सूची उपलब्ध कराने को कहा गया था। उन्होंने सूची उपलब्ध करा दी है। नागरिक ऐप पर गड्ढों की तस्वीरें भेजते हैं। बीबीएमपी अधिकारियों ने कहा कि वे गड्ढे बंद करने के लिए तुरंत कदम उठाएंगे। हाल ही में, जब मैं बगलूर रोड गया, तो सड़क की हालत देखकर मुझे दुख हुआ। पूरे शहर में गड्ढे बंद करने का काम

चल रहा है।

उन्होंने बताया कि 5 हजार से ज्यादा गड्ढों की पहचान की गई है, जिनमें से 4400 गड्ढों को प्राथमिकता के आधार पर भरने के निर्देश दिए गए हैं। इसी के तहत पिछले 4 दिनों में 2200 गड्ढे भरे जा चुके हैं। शहर में स्वच्छता बनाए रखने के लिए काम किया जा रहा है और स्काईवॉक की सफाई की गई है। गड्ढे न सिर्फ भरे जाएँ, बल्कि गुणवत्तापूर्ण काम भी किया जाए। इस संबंध में उन्होंने बताया कि हॉट मिक्स, कोल्ड मिक्स और इकोफिक्स समेत तीन मॉडल में गड्ढे भरे जा रहे हैं। भारी वाहनों के आवागमन, बरसात और अन्य समस्याओं के कारण सड़कों पर लगातार गड्ढे बन रहे हैं। हमें इन्हें भरने के लिए काम करते रहना होगा। उन्होंने कहा कि इस समस्या के समाधान के तौर पर चरणों में कंक्रीट की सड़कें बनाई जा रही हैं। ये 30 साल तक चलेंगी। मैंने देखा है कि गड्ढों के कारण दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ रही है। लड़कियों और छोटे बच्चों को ले जाते समय परेशानी होती है। इसलिए गड्ढे भरे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि गड्ढों की निगरानी के लिए पोथ-होल मॉनिटरिंग सॉफ्टवेयर विकसित किया गया है। इस अवसर पर बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त महेश्वर राव और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

शिक्षा विभाग खिड़की के फ्रेम गिरने से घायल हुए छात्रों का चिकित्सा खर्च वहन करेगा: मधु बंगारप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री एस. मधु बंगारप्पा ने निर्देश दिया है कि देवनहल्ली शहर के कोटे राजकीय बालक उच्च प्राथमिक विद्यालय में एक इमारत की खिड़की का शीशा गिरने से घायल हुए तीन छात्रों को उचित उपचार प्रदान किया जाए। उन्होंने घोषणा की है कि शिक्षा विभाग चिकित्सा व्यय वहन करेगा।

उन्होंने शहर के उस निजी अस्पताल का दौरा किया जहाँ घायल छात्र का इलाज चल रहा है और डॉक्टरों से चर्चा की तथा उचित उपचार की मांग की। इसके बाद उन्होंने घायल छात्र और उसके परिवार से संपर्क किया और उन्हें उसके कुशलक्षेम का आश्वासन दिया। शिक्षा विभाग घायल बच्चों का सारा चिकित्सा व्यय वहन करेगा। उन्होंने निर्देश दिया कि अधिकारी 24 घंटे छात्रों के स्वास्थ्य की निगरानी करें। तीन घायल छात्रों में से एक को होसट अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि दूसरे छात्र को आगे के इलाज के लिए विक्टोरिया अस्पताल भेज दिया गया है। एक छात्र, जिसे पहले बॉरिंग और लेडी कर्जन अस्पतालों में भर्ती कराया गया था, को पहले ही छुट्टी दे दी गई है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि मंत्री ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को स्कूल भवन का पूरा निरीक्षण कर रिपोर्ट देने का आदेश दिया है, जबकि उपायुक्त और जिला पंचायत के सीईओ ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया है। बच्चों का स्वास्थ्य और सुरक्षा सरकार की प्रमुख जिम्मेदारी है। मंत्री ने कहा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए कार्रवाई की जाएगी।

राउडी शिवा की हत्या का मुख्य आरोपी जग्गी गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सीआईडी पुलिस ने शहर के उपद्रवी शिवप्रकाश उर्फ बिकलू शिवा हत्याकांड के मुख्य आरोपी जगदीश को गिरफ्तार कर लिया है, जो विदेश में छिपा हुआ था। लुकआउट नोटिस जारी होने के बाद, आरोपी जगदीश उर्फ जग्गा को दिल्ली हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया और शहर लाया गया। भारतीनगर थाना क्षेत्र में बिकलू शिवा की हत्या के बाद, आरोपी जगदीश छिप गया था। उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गईं। ये टीमें कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल सहित कई जगहों पर तलाशी ले रही थीं, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। ऐसी खबर

थी कि वह चेन्नई होते हुए दुबई भाग गया था। बाद में, एक लुकआउट नोटिस जारी किया गया। वहाँ की पुलिस ने जग्गा को हिरासत में लिया, जिसे दिल्ली हवाई अड्डे पर देखा गया था, और सीआईडी अधिकारियों को सूचित किया। इस सूचना के आधार पर, सीआईडी अधिकारी तुरंत दिल्ली गए और मंगलवार सुबह उसे हिरासत में लेकर शहर ले आए। 15 जुलाई की रात को, सात-आठ बदमाशों ने हलासुरु झील के पास उपद्रवी शिवप्रकाश उर्फ बिकलू शिवा पर धारदार हथियारों से हमला किया, उसकी बेरहमी से हत्या कर दी और फरार हो गए। भारतीनगर पुलिस इस मामले में आठ आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। बिकलू शिवा की हत्या वाले दिन आरोपी जगदीश शहर छोड़कर भाग गया था।

उसकी हरकतें एक टोल बूथ के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गईं। उस फुटेज के आधार पर उसकी गिरफ्तारी के लिए जाल बिछाया गया। चूँकि के.आर.पुरम के विधायक बैरती बसवराजू का नाम पाँचवें आरोपी के रूप में एफआईआर में दर्ज है, इसलिए बैरती बसवराजू पहले ही दो बार भारतीनगर पुलिस स्टेशन जाकर पूछताछ के लिए पेश हो चुके हैं। बाद में, सरकार ने मामला सीआईडी को सौंप दिया। सीआईडी पुलिस ने मुख्य आरोपी जगदीश उर्फ जग्गा के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया था और कई दिनों से उसकी तलाश कर रही थी। आरोपी जग्गा अब सीआईडी पुलिस की हिरासत में है। सीआईडी पुलिस ने बताया कि वह दुबई, मलेशिया, श्रीलंका आदि देशों में घूमता रहा है।

एसआईटी ने आरोपी चिन्नय्या को शरण देने के आरोप में महेश शेट्टी के आवास पर छापा मारा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कई शवों को दफनाए जाने के मामले में, विशेष जाँच दल (एसआईटी) ने मंगलवार को आरोपी चिन्नय्या सी एन को कथित तौर पर पनाह देने के आरोप में महेश शेट्टी के उजीरे स्थित आवास पर छापा मारा। एसआईटी जाँच अधिकारी जितेंद्र कुमार दयाम के नेतृत्व में सुबह लगभग 9:20 बजे छापेमारी की गई। 25 अगस्त को बेल्टांगडी अदालत से प्राप्त तलाशी वारंट के

साथ, टीम आरोपी चिन्नय्या को साथ लेकर आई और परिसर की तलाशी ली। तलाशी अभियान के दौरान, एसआईटी अधिकारियों ने कथित तौर पर चिन्नय्या का मोबाइल फोन बरामद किया। रिपोर्टों से पता चलता है कि महेश शेट्टी ने पिछले दो महीनों से चिन्नय्या को अपने उजीरे स्थित आवास पर पनाह दी थी। छापेमारी का उद्देश्य आरोपी से संबंधित सामग्री जब्त करना था। साथ ही, उसके भाई मोहन शेट्टी के घर की भी एक अन्य टीम ने तलाशी ली। एसआईटी सूत्रों के अनुसार, बुरुडे गिरोह की बैठकें और योजनाएँ अक्सर थिमारोडी के आवास पर आयोजित की जाती थीं, जिससे यह जाँच में एक महत्वपूर्ण स्थान बन गया। हाल ही में प्रेस कॉन्फ्रेंस, बिना मास्क के दिए गए साक्षात्कार और व्लॉगर समीर द्वारा कई यूट्यूब वीडियो कथित तौर पर इसी घर पर रिकॉर्ड किए गए थे, जिससे एसआईटी का ध्यान और भी ज्यादा आकर्षित हुआ। टीम को मौके से अहम सबूत मिलने की उम्मीद है। छापेमारी के दौरान, महेश शेट्टी और उनके समर्थक आवास पर मौजूद नहीं थे। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी, जबकि उस समय घर के अंदर केवल उनका बेटा और तीन महिलाएँ ही थीं। यह भी बताया गया है कि महेश शेट्टी थिमारोडी अपने नेतृत्व में हर साल कुंजरप में आयोजित गणेशोत्सव समारोह में सक्रिय रूप से भाग लेते थे।

दशहरा गजपड़े के लिए दूसरी टीम का हुआ वजन परीक्षण

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विश्व प्रसिद्ध मैसूरु दशहरा में भाग लेने आए हाथियों के दूसरे समूह का मंगलवार को वजन किया गया। दूसरे समूह के पाँच हाथियों का, जो सोमवार को जंगल से महल प्रांगण में प्रवेश कर गए थे, धन्वंतरि मार्ग स्थित साईराम वजन केंद्र में वजन किया गया। हेमावती-2440 किलोग्राम, श्रीकंठ-5540 किलोग्राम, सुग्रीव-5545 किलोग्राम, रूपा-3320 किलोग्राम, गोपी-4990 किलोग्राम है। कैप्टन अभिमन्यु के नेतृत्व वाले हाथियों के पहले समूह के वजन पर नजर डालें तो

अभिमन्यु का वजन 5360 किलोग्राम, धनंजय-5310 किलोग्राम, कावेरी-3010 किलोग्राम, लक्ष्मी-3730 किलोग्राम, भीम-5465 किलोग्राम, एकलव्य-5305 किलोग्राम, महेंद्र-5120 किलोग्राम, कंजन-4880 किलोग्राम, प्रशांत-5110 किलोग्राम है। हाथियों को प्रतिदिन पौष्टिक भोजन दिया जाता है और उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है कि वे अम्बारी के दौरान किसी भी शोर से परेशान न हों, तथा सुबह और शाम को महल से बन्नीमंतप तक प्रशिक्षण दिया जाता है।

कर्नाटक का नंदिनी दूध वैश्विक स्तर पर उपलब्ध

जल्द ही ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिटेन और अन्य स्थानों पर भी होगा उपलब्ध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के डेयरी उद्योग के लिए एक बड़ी छलांग के रूप में, राज्य का प्रमुख ब्रांड नंदिनी दूध वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाने की तैयारी कर रहा है। अपनी शुद्धता और गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध, नंदिनी कर्नाटक और भारत के अधिकांश हिस्सों में पहले से ही एक जाना-माना नाम है।

अब, यह ब्रांड अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी शुरुआत करने के लिए तैयार है, और जल्द ही ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी और सऊदी अरब को निर्यात शुरू होगा। कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) द्वारा संचालित, नंदिनी प्रतिदिन 11.5 मिलियन लीटर से अधिक दूध का उत्पादन करती है। हालाँकि इसका अधिकांश हिस्सा घरेलू माँग को पूरा करता है, लेकिन अब रणनीतिक अधिशेष को राष्ट्रीय विस्तार और विदेशी बाजारों में लगाया जा रहा है। केएमएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा नंदिनी के प्राकृतिक स्वाद और निरंतर गुणवत्ता ने एक वफादार उपभोक्ता आधार बनाया है। अब, हम कर्नाटक के गौरव को विश्व मंच पर ले जा रहे हैं। कर्नाटक के अलावा, नंदिनी दूध पहले से ही दिल्ली, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और गोवा में उपलब्ध है। फेडरेशन ने अब आने वाले महीनों में झारखंड, पंजाब, ओडिशा, मणिपुर, मेघालय और सिक्किम तक अपनी पहुँच बढ़ाने की योजना को अंतिम रूप दे दिया है।

राज्यों की सीमाओं से परे नंदिनी की बढ़ती लोकप्रियता इसकी ताजगी, शुद्धता और विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला के कारण है। जैसे-जैसे माँग बढ़ रही है, कर्नाटक सरकार और डेयरी सहकारी समितियाँ निर्बाध वितरण सुनिश्चित करने के लिए रसद और उत्पादन ढाँचे को मजबूत कर रही हैं। अधिकारी ने कहा हम पड़ोसी राज्यों और यहाँ तक कि विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदायों से भी माँग में वृद्धि देख रहे हैं। कर्नाटक का दूध उत्पादन वर्तमान में लगभग 1.15 करोड़ लीटर प्रतिदिन है, जो देश में सबसे अधिक है। सुस्थापित आंतरिक आपूर्ति नेटवर्क नंदिनी को घरेलू जरूरतों को पूरा करने और धीरे-धीरे अतिरिक्त मात्रा को बाहरी बाजारों में भेजने में सक्षम बनाता है।

उच्च-मात्रा उत्पादन, कड़े गुणवत्ता नियंत्रण और पारदर्शी खरीद प्रणाली से लैस, नंदिनी अब अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में वैश्विक डेयरी ब्रांडों के साथ प्रतिस्पर्धा करने की तैयारी कर रही है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि निर्यात के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानकों और रसद आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नंदिनी विदेशों में भी अपने ब्रांड के वादे को बनाए रखे। कर्नाटक की आत्मनिर्भरता और सहकारी शक्ति के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली, नंदिनी एक क्षेत्रीय सफलता की कहानी से एक अंतर्राष्ट्रीय डेयरी प्रतियोगी के रूप में उभरने के लिए तैयार है।

कर्नाटक यातायात जुर्माना छूट योजना से केवल तीन दिनों में 11 करोड़ रुपये से अधिक की राशि एकत्रित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यातायात पुलिस द्वारा सड़क अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए किए गए कई उपायों के बावजूद, कई वाहन चालक यातायात नियमों का उल्लंघन करते रहते हैं और लंबित जुर्माने की अनदेखी करते रहते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए, सरकार ने 23 अगस्त से प्रभावी यातायात जुर्माने पर 50 प्रतिशत की छूट देने वाली एक विशेष योजना शुरू की है, ताकि नागरिकों को अपना बकाया चुकाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। इस योजना को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। इस योजना के पहले ही दिन 1,48,747 मामलों में जुर्माना भरा गया, जिससे 4.18 करोड़ रुपये की वसूली हुई। केवल तीन दिनों के भीतर, यातायात पुलिस ने बेंगलूरु और कर्नाटक के अन्य हिस्सों में 4,13,204 लंबित मामलों से 11.63 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि सफलता-पूर्वक वसूल की है। बेंगलूरु यातायात पुलिस विभाग ने लंबित मामलों को कम करने और नागरिकों के लिए अपने जुर्माने चुकाना आसान बनाने के उद्देश्य से इस योजना की घोषणा की है। यह छूट केवल 11 फरवरी, 2023 से पहले किए गए उल्लंघनों पर लागू होती है। योजना अवधि के भीतर भुगतान करने वाले वाहन चालक कुल जुर्माने की राशि में 50 प्रतिशत की छूट का लाभ उठा सकते हैं। नागरिक ऑनलाइन पोर्टल, पुलिस थानों और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से भुगतान कर रहे हैं और दी गई राहत का पूरा लाभ उठा रहे हैं। इस पहल से न केवल सरकार को करोड़ों रुपये का बकाया वसूलने में मदद मिली है, बल्कि बकाया जुर्माने के बोझ तले दबे हजारों वाहन मालिकों को भी राहत मिली है।

बाबा रामदेवजी के प्राकट्य दिवस पर हुब्बल्ली में पालने के दर्शन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। भादवा बीज के पावन अवसर पर लोक आस्था, श्रद्धा और सामाजिक समरसता के प्रतीक लोकदेवता बाबा रामदेवजी के प्राकट्य दिवस पर बाबूलाल प्रजापत के निवास स्थान पर बाबा रामदेवजी के पालने का शुभ आगमन हुआ। इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही और भक्ति भाव से ओतप्रोत वातावरण में पालने के दर्शन किए गए। इस अवसर पर श्री सिद्धारुढ मठ ट्रस्ट कमेटी के पूर्व चेयरमैन एवं समाजसेवी महेन्द्र सिंघी, स्थानकवासी जैन संघ के गौरव अध्यक्ष बाबूलाल पारेख, पूर्व सहमंत्री मदन तातेड़, ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन के

सदस्य प्रकाश चोरडिया, मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय सह-सचिव सुभाष चंद्र डंक सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने बाबा के पालने के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। भक्ति संगीत, भजन-कीर्तन और ''रामापीर की जय'' के गगनभेदी नारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ बाबा के पालने को झुलाया और पूजा-अर्चना की। यह आयोजन श्रद्धा, सेवा और सामाजिक एकता का जीवंत प्रतीक बनकर सामने आया, जिसने सभी को भावनात्मक रूप से जोड़ते हुए सामूहिक आस्था का सुंदर अनुभव प्रदान किया। इस दौरान प्रजापति परिवार के बाबूलाल प्रजापत, रतन प्रजापत, विक्रम प्रजापत, नरेश प्रजापत सहित अन्य परिजन भी उपस्थित रहे और आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

ध्यान द्वारा व्यक्ति अपने जीवन में अनेक सिद्धियों को प्रात कर सकता है: साध्वी पुण्ययशा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी पुण्ययशाजी के सान्निध्य में पर्युषण पर्व के सातवें दिन को ध्यान दिवस के रूप में मनाया गया।

साध्वी जी ने अपने मंगल उद्बोधन में भगवान महावीर के भवों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 27वें नंदन मुनि के भव में उन्होंने तीर्थंकर नामकर्म का उपार्जन किया। ध्यान के द्वारा व्यक्ति अपने जीवन में अनेक सिद्धियों को प्रात कर सकता है, यह आत्मजागरण की प्रक्रिया है। ध्यान के द्वारा जीवन में अनेक उपलब्धियां अर्जित की जा सकती है। ध्यान भगवान महावीर की

साधना का प्रमुख ध्येय था। साध्वी श्री बोधिप्रभा जी ने उत्त-रपारणा तैयार छमछरी आवै है' गीत के माध्यम से पर्युषण महापर्व की प्रेरणा देते हुए ध्यान के महत्व को प्रतिपादित किया। साध्वी जी की प्रेरणा से पचरंगी तप में बढ़े तपस्वी पायल जैन (केंगेरी), मनोहर चावत, पुष्पा जैन, रितु बोहरा, युग बोहरा, कोमल दूगड़, कौशल गधैया, जाह्नवी पटावरी, हर्षिता भंसाली, प्रज्ञा दूगड़, हृदय पटावरी ने आठ एवं नौ की तपस्या का प्रत्याख्यान किया। कार्यक्रम का मंगलाचरण हनुमंतनगर महिला मण्डल द्वारा किया गया। सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़, मंत्री गुलाब बाँठिया, तेयुप मंत्री संदीप बैद, महिला मंडल अध्यक्ष मंजू बोथरा, मंत्री वंदना भंसाली व समस्त संस्था के पदाधिकारीगण एवं श्रावक-श्राविकाओं की अच्छी संख्या में उपस्थिति रही। तेयुप उपाध्यक्ष विपुल पितलिया ने कार्यकम की विस्तृत जानकारी दी। प्रतिदिन सांयकालीन प्रतिक्रमण में अच्छी संख्या में श्रावक समाज की उपस्थिति रहती है। सभा द्वारा हनुमंतनगर की ज्ञानशाला प्रशिक्षिका मंजू दक को ज्ञानशाला प्रकोष्ठ से अखिल भारतीय स्तर पर श्रेष्ठ प्रशिक्षिका से सम्मानित किए जाने पर बधाई प्रेषित की गई। साध्वी श्री के मंगलपाठ से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

गणेश प्रतिमा निर्माण कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अग्रवाल महिला मंडल द्वारा जयनगर स्थित अग्रसेन भवन में गणेश प्रतिमा निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंडल की अध्यक्ष नीरू तायल, उपाध्यक्ष मीरा अग्रवाल, सचिव सुनीति अग्रवाल तथा कोषाध्यक्ष कविता तायल, सहसचिव राखी गोयल और पूरी टीम की उपस्थिति में बच्चों और परिवारों ने मिट्टी द्वारा अपने हाथों से सुंदर गणपति प्रतिमाएँ बनाईं। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण के अनुकूल गणेश उत्सव को बढ़ावा देना तथा परिवारों को एक साथ सृजन और संस्कारी बनाना था। बच्चों ने अपने रचनात्मक कौशल का परिचय देते हुए बड़ी खुशी और उत्साह के साथ कई प्रतिमाएँ बनाई। अनेक परिवारों ने इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया और गणपति बप्पा के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। कार्यक्रम को सुचारू रूप से संपन्न कराने में रीमा सिंघल के योगदान की विशेष सराहना की गई। अग्रवाल महिला मंडल द्वारा ऐसे आयोजन आगे भी निरंतर किए जाते रहेंगे, ताकि समाज में सांस्कृतिक मूल्यों और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाया जा सके।

परमात्मा महावीर की मूलवाणी बारसा जी सूत्र की भक्ति आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में, मलयप्रभ सागर जी और साध्वी हर्षपूर्णा श्री जी की प्रेरणा और निश्रा में सौ से अधिक बच्चों, पुरुषों, महिला तपस्वियों ने अट्ठाई तप और उससे अधिक उपवास के प्रत्याख्यान गुरुदेव और गुरुवर्या जी से प्राप्त किए। दादावाडी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी और महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने सभी तपस्वियों की सुख साता पूछते हुए उन्हें तप की पूर्णता की हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान की। गुरुदेव मलयप्रभ सागर जी ने कहा कि जिस तरह सोना आग में तप कर चमकते लग

जाता है उसी प्रकार तपस्या से आत्मा पर लगे हुए कर्मों का मैल जलकर आत्मा पवित्र और हल्की हो जाती है। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने कहा कि अनेक तपस्वी वरघोडे के साथ अपने घर से बाजते गाजते परिजनों के साथ बग्घियों में बैठकर दादावाड़ी पहुंचे। तपस्या की पूर्णता बुधवार को संवत्सरी महापर्व की आराधना के साथ पारणा गुरुवार को प्रातः होगी। तपस्या का तेज समस्त तपस्वियों के मुख पर झलक रहा था। दादावाड़ी ट्रस्ट की ओर से सभी तपस्वियों का बहुमान अभिनन्दन मुकुट, शाल, माला, तिलक और स्मृति चिन्ह से किया गया। दादावाड़ी में तपस्या के ठाठ का मेला लगा हुआ था। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने कहा कि अभिनन्दन के पश्चात परमात्मा महावीर की मूलवाणी बारसा जी सूत्र शोभादेवी, मीठालाल वेदमुथा समदड़ी निवासी के निवास पर बाजते गाजते ले जाया गया, जहां परमात्मा भक्ति का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष तेजराज मालानी, उपाध्यक्ष बाबूलाल भन्साली एवं तनसुखराज गुलेच्छा, पूर्व अध्यक्ष महैन्द्र कुमार रांका एवं निर्भयलाल गुलेच्छा, तेजराज गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, धर्मेंद्र संकलेचा, पुखराज कवाड, मोतीलाल ललवानी के साथ दादावाड़ी ट्रस्ट के पदाधिकारी और समस्त संस्थाओं के सदस्य उप-स्थित थे।

बीबीएमपी ने बेंगलूरु में घर-घर कचरा संग्रहण का काम एक घंटा पहले शुरू किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कचरा संग्रहणकर्ताओं का देर से आना, कई मामलों में निवासियों के काम पर जाने के बाद, ब्लैक स्पॉट्स का एक महत्वपूर्ण कारण रहा है। इसे सुधारने के लिए, बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने अब से कचरा संग्रहण का समय एक घंटा पहले कर दिया है। ठोस कचरा एकत्रित करने वाले ऑटो-टिपर वाहनों का उपस्थिति रिकॉर्ड दर्ज करने का समय पहले सुबह 6 बजे से 7:30 बजे तक था। इसके बाद ही वाहन अपने निर्धारित रूट पर घर-घर कचरा एकत्रित करने जाते हैं। अब समय को संशोधित कर सुबह 5:30 बजे से 6:30 बजे के बीच कर दिया गया है। बेंगलूरु सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट लिमिटेड (बीएसडब्ल्यूएमएल) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) करी गौड़ा ने कहा एक घंटा पहले करके, कचरा संग्रहण को लोगों की दिनचर्या के अनुकूल बनाने के लिए कदम उठाए गए हैं। इस बदलाव से न केवल निवासियों को काम पर जाने से पहले अपना कचरा देने में सुविधा होगी, बल्कि लोगों को जहाँ-तहाँ कचरा फेंकने और ब्लैक स्पॉट्स बनाने से भी रोका जा सकेगा।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री मेघवाल समाज ट्रस्ट बेंगलूरु द्वारा राजगोपाल नगर स्थित बी आर एस कन्वेंशन हॉल में आचार्य ओम महाराज सोजत के सानिध्य में एक शाम बाबा रामदेव जी के नाम सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भजन कलाकार महेंद्र चोयल, चेतन प्रजापत एवं अरजे रमसा ने भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी, जिस पर देर रात तक भक्तों ने नाचते झूमते आनंद लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत उपस्थित थे। ट्रस्ट के अध्यक्ष गोपाल जाम, उपाध्यक्ष अर्जुन लाल बारूपाल, सचिव धाराराम हरसालिया, कोषाध्यक्ष कैलाशचन्द बोस, महासचिव प्रकाश ओडाणा एवं प्रकाश जाम समेत अन्य सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

थोक बाजार में कम दाम के बावजूद फलों, फूलों और सब्जियों की खुदरा कीमतें छू रही आसमान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। इस साल गौरी-गणेश उत्सव की पूर्व संध्या पर थोक व्यापारी जहाँ अच्छे कारोबार की कमी और फलों, फूलों और सब्जियों की कम कीमतों का रोना रो रहे हैं, वहीं खुदरा व्यापारी इस मौसम में अच्छी कमाई करते दिख रहे हैं। कई मामलों में, खुदरा कीमतें थोक बाजार की तुलना में लगभग दोगुनी हैं। इसका सीधा मतलब है कि जहाँ किसानों को अच्छे दाम नहीं मिल रहे हैं, वहीं उपभोक्ताओं को भी कोई राहत नहीं मिल रही है।

उदाहरण के लिए, के.आर. मार्केट फ्लावर मर्चेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष जी.एम. दिवाकर ने बताया कि त्योहारी सीजन में सबसे ज्यादा मांग वाले और महंगे फूल, चमेली की कलियाँ और कनकम्बरा के फूल, क्रमशः 1,000 और 2,000 प्रति किलो बिक रहे हैं, जो पिछले वर्षों की तुलना में अपेक्षाकृत सस्ते हैं। हालाँकि, शहर के खुदरा बाजारों में यही फूल लगभग दोगुने दामों पर बिक रहे हैं। इस त्योहारी सीजन में के.आर. मार्केट में कारोबार सुस्त रहा है। जब भी एक ही महीने में दो त्योहार पड़ते हैं, तो लोग दूसरे त्योहार के लिए ज्यादा खर्च करने की स्थिति में नहीं होते। गौरी-गणेश का त्योहार भी महीने के आखिर में आया है। बाजार में कोई उत्साह नहीं दिख रहा है। फलों में भी यही रुझान देखा गया। थोक बाजार में सेब 200 प्रति किलो से कम पर बिक रहे थे, जबकि खुदरा बाजार में यह लगभग 300 प्रति किलो था। सबसे ज्यादा फर्क त्योहारों में बिकने वाले येलक्की केले में देखा गया। थोक बाजार में ये 60-80 के बीच उपलब्ध थे, जबकि खुदरा दुकानों में यह 160 प्रति किलो तक बिक रहे थे। त्योहारों में बिकने वाला एक और जरूरी सामान, नारियल भी जेब पर भारी पड़ रहा है। इनकी कीमत 45 से 55 प्रति पीस के बीच है। प्याज और आलू को छोड़कर अधिकांश सब्जियों की कीमतें ऊंची थीं।

एलओसी पर होगी राष्ट्रीय राइफल्स की अतिरिक्त बटालियनों की तैनाती

जम्मू, 26 अगस्त (ब्यूरो)। केंद्र सरकार जम्मू कश्मीर के भीतरी इलाकों से राष्ट्रीय राइफल्स को हटाकर नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर जवानों को तैनात करने वाली है ताकि जम्मू क्षेत्र के राजौरी और पुंछ जिलों तथा कश्मीर के बारामुल्ला और कुपवाड़ा में घुसपैठ रोधी ग्रिड को मजबूत किया जा सके। प्रस्ताव तैयार होने के बाद, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), जिसकी अतिरिक्त बटालियनें जम्मू कश्मीर में तैनात की जा रही हैं, केंद्र शासित प्रदेश के गांवों और भीतरी इलाकों में राष्ट्रीय राइफल्स की जगह लेगी।

भीतरी इलाकों में सीआरपीएफ की तैनाती और राष्ट्रीय राइफल्स को एलओसी अर्थात नियंत्रण रेखा पर भेजना जम्मू कश्मीर में सुरक्षाबलों के पुनर्गठन का हिस्सा है। रक्षा मंत्रालय (एमओडी) और गृह मंत्रालय (एमएचए) के अधिकारी इस योजना को औपचारिक रूप देने के लिए नियमित बैठकें कर रहे हैं क्योंकि एलओसी पर घुसपैठ विरोधी उपायों को और मजबूत करने की जरूरत महसूस की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आतंकवादी विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए जम्मू कश्मीर में घुसपैठ न कर पाएं।

नियंत्रण रेखा पर राष्ट्रीय राइफल्स के अतिरिक्त जवानों की तैनाती से घुसपैठ विरोधी उपायों को मजबूत करने में मदद मिलेगी। दरअसल ऐसी खबरें आई हैं कि पाकिस्तानी सेना और आतंकवादी कमांडर प्रशिक्षित आतंकवादियों को जम्मू कश्मीर में घुसपैठ कराने की कोशिश कर रहे हैं। नियंत्रण रेखा पर जवानों ने घुसपैठ की कई कोशिशों को नाकाम कर दिया है। पिछले कुछ समय से नए खाके पर काम चल रहा था और अब इसे लागू किया जा रहा है क्योंकि आतंकवाद अपने सबसे निचले स्तर पर है और सुरक्षा स्थिति में सुधार हो रहा है।

हाल ही में, केंद्र ने आतंकवाद विरोधी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जम्मू क्षेत्र में सीआरपीएफ की तीन बटालियनों की तैनाती का आदेश दिया है। ये इकाइयां उधमपुर और कठुआ जिलों में तैनात राष्ट्रीय राइफल्स इकाइयों का कार्यभार संभालेंगी, जिनमें से प्रत्येक बटालियन में लगभग 800 जवान होंगे। आवश्यकता पड़ने पर, वे जम्मू कश्मीर पुलिस (जेकेपी) के साथ मिलकर आतंकवाद विरोधी अभियानों में शामिल होंगी।

राष्ट्रीय राइफल्स, भारतीय सेना के कर्मियों से युक्त एक विशेष आतंकवाद-रोधी बल, नब्बे के दशक में स्थापित किया गया था और आतंकवाद के चरम पर होने पर जम्मू-कश्मीर में तैनात किया गया था। इस कार्य के लिए निर्धारित तीन सीआरपीएफ बटालियनों में उन अधिकारियों और जवानों को शामिल किया गया है जिन्होंने विशिष्टता के साथ आतंकवाद-रोधी और आतंकवाद-रोधी अभियानों को अंजाम दिया है। इन इकाइयों को आधुनिक हथियार, संचार उपकरण और बख्तरबंद वाहन भी प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये इकाइयां मौजूदा सैन्य इकाइयों के बुनियादी ढांचे और संसाधनों का उपयोग करेंगी।

सीआरपीएफ ने 2005 के आसपास जम्मू कश्मीर में आतंकवाद-रोधी अभियानों में बीएसएफ की पूरी तरह से जगह ले ली।

बीएसएफ को जम्मू कश्मीर में आंतरिक सुरक्षा कर्तव्यों के लिए, विशेष रूप से 1990 के दशक में, आतंकवाद शुरू होने के बाद, प्रतिनियुक्त किया गया था। 1999 के करगिल युद्ध के बाद मंत्रियों के एक समूह द्वारा अनुशंसित इस परिवर्तन का उद्देश्य बीएसएफ को देश की सीमाओं की रक्षा की अपनी प्राथमिक भूमिका पर ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देना था, जबकि सीआरपीएफ आंतरिक सुरक्षा कर्तव्यों में विशेषज्ञता रखती थी।

यूपी में आम जनता के स्वास्थ्य की देखभाल की असलियत

लोगों के मुफ्त इलाज के लिए मिले 50 करोड़, खर्च हुए 34 लाख

लखनऊ, 26 अगस्त (एजेंसियां)। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के ट्रॉमा सेंटर में शुरुआती 24 घंटे में निःशुल्क इलाज की व्यवस्था अब भी व्यवहार में नहीं है। निःशुल्क इलाज के लिए प्रदेश सरकार से केजीएमयू को दो साल में 50 करोड़ रुपए की धनराशि मिल चुकी है, लेकिन केजीएमयू ने इसमें से सिर्फ 34 लाख रुपए ही खर्च किए।

सरकार की मंशा ट्रॉमा सेंटर में भर्ती होने वाले मरीजों को बेहतर इलाज देने की है। इसके लिए सरकार की ओर से केजीएमयू प्रशासन को वित्तीय वर्ष 2023-24 से सालाना 25 करोड़ रुपए आवंटित करने की शुरुआत हुई थी। दो साल में केजीएमयू को 50 करोड़ रुपए की धनराशि मिली। इसमें से केजीएमयू प्रशासन ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 14.09 लाख और वित्तीय वर्ष 2024-25 में 19.92 लाख रुपए ही खर्च किए। यह खर्च भी सिर्फ मरीजों को गिनी-चुनी दवाएं देने में ही आया। जांच शुल्क के साथ ही इलाज के बाकी खर्च मरीजों को खुद ही वहन करने पड़ रहे हैं। इस समय ट्रॉमा सेंटर में निर्धन वर्ग और आयुष्मान कार्ड धारकों को निःशुल्क इलाज मिलता है। जिन व्यक्तियों के पास कोई कार्ड नहीं होता है, उनको विपन्न श्रेणी में निःशुल्क इलाज दिया जाता है, लेकिन यह राशि और इसके लाभार्थी दोनों बेहद सीमित हैं।

केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर में करीब चार सौ मरीज रोज आते हैं। एक महीने में यह आंकड़ा 12 हजार और साल भर में करीब डेढ़ लाख तक पहुंच जाता है। इनमें से करीब कुछ को प्राथमिक उपचार देकर छुट्टी दे दी जाती है या फिर अन्य विभाग या अस्पताल रेफर कर दिया जाता है। यहां औसतन करीब 150 मरीज रोजाना भर्ती किए जाते हैं।

नौसेना का हिस्सा बने आईएनएस उदयगिरि-हिमगिरि, रक्षा मंत्री बोले

आत्मनिर्भर भारत का सपना हुआ साकार

विशाखापत्तनम, 26 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना की ताकत लगातार बढ़ रही है। विशाखापत्तनम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को नौसेना में शामिल किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दोनों युद्धपोतों के नौसेना में शामिल होने से स्पष्ट है कि आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार हुआ है। भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ी है। भारतीय नौसेना न केवल तटीय क्षेत्रों की रक्षा करती है, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और समृद्धि भी बनाए रखती है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि का जलावतरण हमारी दूरदर्शिता और प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। मैं इस अवसर पर भारतीय नौसेना को बधाई देता हूं। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) द्वारा निर्मित आईएनएस हिमगिरि और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा निर्मित आईएनएस उदयगिरि दोनों आधुनिक युद्धपोत हैं जिनका निर्माण स्वदेशी तौर पर किया गया है।

उन्होंने कहा कि इन युद्धपोतों में कई उन्नत क्षमताएं हैं। इनमें लंबी दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलें, सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइलें, स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर, टारपीडो लॉन्चर, युद्ध प्रबंधन प्रणाली और अग्नि नियंत्रण प्रणाली लगाई जा सकती हैं। ये दोनों युद्धपोत समुद्र में खतरनाक अभियानों में गेम-चेंजर साबित होंगे।

उन्होंने कहा कि आईएनएस तमाल भारतीय नौसेना के लिए अंतिम विदेशी ऑर्डर था। हमने निर्णय लिया है कि भारतीय नौसेना के लिए भविष्य में कोई भी जहाज विदेश में नहीं बनाया जाएगा। हम अपने जहाज भारत में ही बनाएंगे। यह रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बहुत ही निर्णायक कदम है। इन युद्धपोतों के जलावतरण के साथ भारतीय नौसेना ने एक शताब्दी पूरी कर ली है। आज स्वदेशी एफ35 युद्धपोत भी लॉन्च किया गया है। एक देश के पास उड़ने वाला एफ35है और आपने तैरता हुआ एफ35 बनाया है, वह भी भारत में निर्मित।

राजनाथ सिंह ने कहा कि हिंद महासागर में चल रहा शक्ति-खेल हमें बार-बार सचेत करता है। यहां कई देशों के हित टकराते हैं। इसलिए हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि हमारी समुद्री तैयारी मजबूत बनी रहे। रक्षा मंत्री ने कहा कि नौसेना की भूमिका केवल समुद्र की सुरक्षा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह आर्थिक सुरक्षा का भी एक प्रमुख स्तंभ है क्योंकि तेल, प्राकृतिक गैस जैसी भारतीय ऊर्जा आवश्यकताएं काफी हद तक क्षेत्र की सुरक्षा पर निर्भर करती हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना न केवल तटीय क्षेत्रों की रक्षा करती है, बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और समृद्धि भी बनाए रखती है। ये दोनों युद्धपोत देश की सुरक्षा में मील का पत्थर साबित होंगे।

रक्षा मंत्री ने कहा कि देश ने पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाकर सीमा पार सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से प्रभावी और सटीक जवाब दिया। युद्धपोतों की त्वरित तैनाती और क्रियान्वयन में भारतीय नौसेना ने आगे आकर ताकत दिखाई।

बॉर्डर से 30 किमी तक के दायरे में सभी अतिक्रमण हटेंगे बढ़ेगी केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की जिम्मेदारी : अमित शाह

जनसांख्यिकी में बदलाव चिंता का बड़ा कारण, कलेक्टर और पुलिस इसे गंभीरता से लें

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सीमांत गांवों में दूरसंचार, सड़क संपर्क, शिक्षा, स्वास्थ्य और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था होनी चाहिए। वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम 'वीवीपी' को सरकारी प्रोग्राम नहीं, प्रशासन की स्पिरिट बनाना है। गृह मंत्री ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य तभी प्राप्त हो सकेगा, जब यह प्रशासन की स्पिरिट बनेगा। वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम में मनरेगा के तहत कुछ नए तालाब बनाने, सघन वृक्षारोपण और स्थायी इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण की संभावना पर भी विचार किया जाना चाहिए। सीमा से कम से कम 30 किलोमीटर तक के दायरे में सभी अवैध अतिक्रमण हटाए जाने चाहिए। गुजरात ने इस दिशा में बहुत अच्छा काम किया है, वहां समुद्री और भू सीमा से ढेर सारे अतिक्रमण हटाए गए हैं।

गृह मंत्री ने मंगलवार को नई दिल्ली में गृह मंत्रालय के सीमा प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि यह बात कही है। शाह ने कहा कि वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-1 में हम कार्यक्रम तक सीमित रहे, लेकिन वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-2 में हमें प्रशासन का दृष्टिकोण बदलने की जरूरत है। उन्होंने सीमावर्ती जिलों के कलेक्टरों से कहा कि वे अवैध धार्मिक अतिक्रमण को हटाने की दिशा में उचित कार्रवाई करें। ये अतिक्रमण एक सुनिश्चित डिजाइन के तहत हो रहे हैं। सभी अवैध अतिक्रमण हटाए जाने चाहिए। अपने सम्बोधन में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम का विचार तीन बिंदुओं पर आधारित है, जिनमें सीमांत गांवों से पलायन रोकना, सीमांत गांवों के हर नागरिक को केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करना है। वीवीपी में चिह्नित गांवों को सीमा और देश की सुरक्षा के लिए एक उपकरण बनाना शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम के विचार को सामने रखा था, तब यह तय हुआ था कि इसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए। न केवल हर सीमांत गाँव को सभी सुविधाओं से युक्त बनाया जाएग, बल्कि सीमांत गांवों में रहने वाले हर नागरिक को भारत सरकार और राज्य सरकार की सभी योजनाओं से लैस करके उनके व्यक्तिगत जीवन को बेहतर बनाया जाए। साथ ही इन गांवों को देश और सीमा की सुरक्षा के मजबूत उपकरण के तौर पर विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के अंतिम गाँव को देश के पहले गाँव की उपाधि देकर सीमावर्ती गांवों को देखने का हमारा नजरिया बदलने का काम किया। वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम के लिए चिह्नित किए गए देश के पहले गाँव कुछ साल बाद हमारे देश और उसकी सीमाओं की रक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण उपकरण सिद्ध होंगे।

उन्होंने कहा कि इस प्रोग्राम के माध्यम से मल्टी-डायमेंशनल और मल्टी-सेक्टोरल विकास की कल्पना के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने, संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन, पर्यटन के माध्यम से रोजगार सृजन और हर तरह से गाँव के जीवन को वाइब्रेंट बनाने के प्रयास हुए हैं।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि राज्य सरकारों के मुख्य सचिवों, वीवीपी में शामिल गांवों के जिला कलेक्टरों और सभी केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की जिम्मेदारी है कि वे वीवीपी तक सीमित नहीं रहें और इस कार्यक्रम के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए यह विचार करें कि वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम से आगे बढ़कर और क्या-क्या कदम उठाए जा सकते हैं। वीवीपी के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए यह आवश्यक है कि भारत सरकार और राज्य सरकारों के सभी विभाग मिलकर इन सीमावर्ती गांवों को सच्चे अर्थों में सुरक्षा का महत्वपूर्ण उपकरण बनाएं।

अमित शाह ने कहा कि वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम की संकल्पना को चरितार्थ करने के लिए सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत सैचुरेशन, पर्यटन के लिए आवश्यक जनसुविधाओं को बढ़ावा और सहकारी संस्थाओं को प्रोत्साहित कर रोजगार सृजन जैसे कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अगर होमस्टे जैसे प्रयोगों को सीमावर्ती गांवों तक ले जाएँ और इनमें बुकिंग के लिए राज्यों के पर्यटन विभाग उचित व्यवस्था करें तो सीमांत गांवों के हर घर में रोजगार होगा। शाह ने कहा कि राज्यों के ग्रामीण विकास विभाग को इन गांवों का गौरव स्थापित करने की दिशा में प्रयास करना होगा और इसमें जिला कलेक्टरों की अहम भूमिका है। अगर गांवों में सभी सुविधाएं और रोजगार हों तो स्थानीय लोगों में गाँव छोड़ कर जाने की इच्छा कभी नहीं होगी। गृह मंत्री ने कहा कि युवा कलेक्टरों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विषम भौगोलिक परिस्थिति के बावजूद हमारे नागरिक अपना गाँव नहीं छोड़ें, पलायन न हो और गाँव की आबादी में वृद्धि भी हो।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम लागू करने के बाद कई सीमावर्ती गांवों में आबादी बढ़ी है। यह हमारे देश के सभी सीमांत गांव के लिए एक संदेश है कि फिर से आबादी बढ़ने का हमारा यह ट्रेंड सही रास्ते पर आगे बढ़ रहा है।

बरेली में भी हुआ धर्मांतरण गिरोह का पर्दाफाश

मदरसे में मौलाना समेत चार कट्टरपंथी पकड़े गए

बरेली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। बरेली के भुता थाना क्षेत्र के फैजनगर स्थित मदरसे में धर्मांतरण का खेल चल रहा था। एक महिला की शिकायत पर जांच के बाद पुलिस ने मदरसे में छापा मारा, वहां एक शिक्षक के धर्मांतरण की तैयारी चल रही थी। पुलिस ने मौके से मदरसा संचालक मौलाना समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

इस गिरफ्तारी के साथ ही बरेली में जलालुद्दीन उर्फ छांगुर की तरह धर्मांतरण कराने वाले बड़े गिरोह का पर्दाफाश हुआ। पुलिस ने मदरसा संचालक समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरोह का सरगना अब्दुल मजीद है। यह गिरोह लोगों को लालच देकर उनका धर्मांतरण करता था। आरोपियों से धार्मिक पुस्तकें, सीडी, शैक्षिक दस्तावेज, पासपोर्ट, बैंक पासबुक, आधार कार्ड आदि बरामद हुआ है। एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने गिरोह के बारे में जानकारी दी।

बताया गया कि अलीगढ़ के थाना क्वार्सी क्षेत्र की निवासी अखिलेश कुमारी ने भुता थाने में गांव फैजनगर निवासी अब्दुल मजीद, महमूद बेग, सलमान और आरिफ और एक अन्य के खिलाफ तहरीर दी। शिकायत थी कि इन लोगों ने उनके दृष्टिबाधित पुत्र प्रभात उपाध्याय को शादी का प्रलोभन दिया और उसे जबरन फैजनगर स्थित मदरसे में रोक रखा है। वे उसका धर्मांतरण करना चाहते हैं। तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में भोजीपुरा के सैदपुर चुन्नीलाल निवासी मोहम्मद फईम का नाम सामने आया।

एसपी दक्षिणी अंशिका वर्मा ने बताया कि 25 अगस्त को भुता थाने की पुलिस टीम फैजनगर स्थित मदरसा में पहुंची।

वहां चार-पांच लोग एक प्रभात को घेरे बैठे थे। प्रभात के खतना की तैयारी चल रही थी। उसका नाम हामिद रखा जाना भी तय हो गया था। पुलिस ने आरोपियों को पकड़कर धर्मांतरण रोका। तलाशी के दौरान प्रभात के पास 10 पुस्तकें बरामद हुईं। 12 सीडी जिनमें इस्लामिक उकसावे वाली तकरीरें और जाकिर नाइक के वीडियो हैं। पुलिस ने आरोपियों से धर्मांतरण के तीन प्रमाणपत्र, पासपोर्ट, आधार कार्ड आदि दस्तावेज बरामद किए हैं। पकड़े गए लोगों में अब्दुल मजीद निवासी फैजनगर, थाना भुता, सलमान निवासी करेली, थाना सुभाषनगर, मोहम्मद आरिफ निवासी करेली, थाना सुभाषनगर, और मोहम्मद फईम निवासी सैदपुर चुन्नीलाल, थाना भोजीपुरा शामिल हैं।

जांच में पता लगा कि इसी गिरोह ने बरेली के सुभाषनगर क्षेत्र निवासी ब्रजपाल साहू को अब्दुल्ला बनाया था। उसकी बहन राजकुमारी का धर्मांतरण कर आयशा और मां ऊषा कुमारी को अमीना बनाया। आरोपियों ने एक नाबालिग लड़के को भी प्रभावित किया है। उसे ड्रग्स का आदी बना दिया, जिससे उसके तौर तरीके बदल गए।

अब तक की जांच में सामने आया है कि ये आरोपी कई राज्यों में घूमकर चंदा जुटाकर मदरसे को चलाते थे। सलमान और उसकी बीवी के 12 बैंक खाते हैं। अब्दुल मजीद के पांच खाते हैं। दो हजार से ज्यादा ट्रांजैक्शन मिले हैं। विदेशी फंडिंग के एंगल पर भी पुलिस जांच कर रही है। इन लोगों का छांगुर गैंग से कोई कनेक्शन तो नहीं है, इसका भी पुलिस पता लगाने में जुटी है।

दूसरी तरफ, धर्मांतरण गिरोह के सरगना छांगुर की करीबी नीतू पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का शिकंजा कसता जा रहा है। नीतू की 13 करोड़ से अधिक की सम्पत्तियां ईडी ने जब्त की हैं। छांगुर और उसकी सहयोगी नीतू और उसका पति नवीन रोहरा पहले से जेल में है। जांच में विदेशी फंडिंग और करोड़ों की सम्पत्ति खरीद का खुलासा हुआ है। जब्त की गई संपत्तियां उतरौला क्षेत्र में हैं। ईडी की जांच एटीएस, लखनऊ की एफआईआर पर आधारित है।

सुप्रीम कोर्ट में बोली महाराष्ट्र सरकार

बिलों पर मुहर की ताकत राज्यपाल-राष्ट्रपति के पास

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी है कि विधानसभा से पारित बिलों को मंजूरी देने का अधिकार सिर्फ राज्यपाल और राष्ट्रपति के पास है, अदालत इस प्रक्रिया में दखल नहीं दे सकती। वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने महाराष्ट्र की ओर से यह दलील पांच जजों की संविधान पीठ के सामने रखी, जिसकी अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई कर रहे हैं।

साल्वे ने कहा कि अदालत राज्यपाल या राष्ट्रपति को बिल पर हस्ताक्षर करने का आदेश नहीं दे सकती। उन्होंने जोर दिया कि किसी कानून को मंजूरी अदालत नहीं दे सकती, यह अधिकार सिर्फ संवैधानिक पदाधिकारियों यानी राज्यपाल और राष्ट्रपति को है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अदालत केवल यह पूछ सकती है कि फैसला क्या लिया गया है, लेकिन यह नहीं पूछ सकती कि क्यों लिया गया है।

साल्वे ने संविधान के अनुच्छेद 361 का जिक्र किया, जिसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति या राज्यपाल अपने अधिकारों के इस्तेमाल के लिए अदालत के जवाबदेह नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति केंद्र सरकार की सलाह पर काम करते हैं, जबकि राज्यपाल के पास व्यापक अधिकार हैं, जिनमें बिल पर हस्ताक्षर रोकने की शक्ति भी शामिल है। अनुच्छेद 200 के तहत इस प्रक्रिया के लिए कोई समय सीमा तय नहीं है। कई बार बिल पर विचार 15 दिन में होता है और कभी छह महीने भी लग जाते हैं।

साल्वे ने कहा कि राज्यपाल की यह शक्ति संवैधानिक रूप से मान्य है, हालांकि इसे 'वीटो' कहना सही नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अगर अदालत इस शक्ति को स्वीकार करती है, तो फिर यह नहीं पूछ सकती कि राज्यपाल ने मंजूरी क्यों रोकी। यहां तक कि मनी बिल पर भी राज्यपाल हस्ताक्षर रोक सकते हैं। उन्होंने तर्क दिया कि बिल को वापस भेजने की प्रक्रिया असल में सलाह-मशविरा है, न कि कोई स्थायी रोक लगाने का तरीका। मध्यप्रदेश की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एन.के. कौल ने कहा कि अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल के पास तीन विकल्प हैं। बिल को मंजूरी देना, मंजूरी रोकना या राष्ट्रपति के पास भेजना। राजस्थान की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनींदर सिंह ने भी दलीलें दीं। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि अगर राज्यपाल किसी बिल पर लंबे समय तक चुप रहें तो क्या अदालत बेबस रहेगी? कोर्ट ने पूछा कि अगर 2020 में पारित बिल पर 2025 तक भी कोई फैसला न हो, तो क्या अदालत कुछ नहीं कर सकती।

मामले की पृष्ठभूमि में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मई में अनुच्छेद 143(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी थी। उन्होंने पूछा था कि क्या अदालत राज्यपाल या राष्ट्रपति को समयसीमा में निर्णय लेने के लिए बाध्य कर सकती है। इस पर अब विस्तृत सुनवाई हो रही है और विभिन्न राज्यों ने भी अपने-अपने तर्क पेश किए हैं।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रोजगार मेले में की घोषणा

यूपी में काम कर रहे युवाओं को न्यूनतम वेतन की गारंटी

लखनऊ, 26 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि प्रदेश में कार्य करने वाले प्रत्येक युवा को न्यूनतम वेतन की गारंटी दी जाएगी। कोई भी कंपनी या नियोक्ता कर्मचारी का शोषण नहीं कर पाएगा। नियुक्ति देने वाली कंपनियां अपने कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन सुनिश्चित करेंगी, जबकि इसके अतिरिक्त चार्जेज की जिम्मेदारी सरकार उठाएगी। मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि यह व्यवस्था युवाओं को सम्मानजनक रोजगार, नौकरी की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में आयोजित तीन दिवसीय रोजगार महाकुंभ 2025 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य बन रहा है, जहां काम करने वाले हर युवा को न्यूनतम मजदूरी और न्यूनतम वेतन की गारंटी सुनिश्चित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने युवाओं को अपार ऊर्जा का स्रोत बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी युवा आबादी इस राज्य के लिए सौभाग्य है।

उन्होंने कहा कि आज यूपी की प्रतिभा की मांग देश-दुनिया में हो रही है, और जो प्रदेश कभी रोजगार के लिए पलायन का दंश झेलता था, आज वही रोजगार उपलब्ध करा रहा है।

रोजगार महाकुंभ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 15 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए, जिनका चयन यूएई और अन्य विदेशी कंपनियों ने किया है। 11 कंपनियों ने सर्वाधिक नियुक्ति का आश्वासन दिया है। रोजगार महाकुंभ 2025 में 1,00,000 से अधिक पंजीकरण, 50,000 नौकरियों के अवसर तथा 15,000 अंतरराष्ट्रीय रिक्तियां शामिल होंगी, जिनमें संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, जापान और जर्मनी में प्लेसमेंट भी होंगे। इसी तरह 35,000 घरेलू अवसर देश की अग्रणी कंपनियों के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएंगे। इस तीन दिवसीय रोजगार महाकुंभ में 100 से अधिक भर्ती साझेदार इसमें भाग ले रहे हैं, जिनमें 20 अंतर्राष्ट्रीय भर्तीकर्ता भी होंगे। इस अवसर पर 10,000 से अधिक ऑफर लेटर जारी किए जाएंगे, जिनमें से 2,000 से अधिक विदेशी प्लेसमेंट के लिए होंगे। इस अवसर पर श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, राज्यमंत्री मनोहर लाल मन्नू, प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन एमकेएस सुंदरम्, निदेशक नेहा प्रकाश, श्रम आयुक्त मार्कंडेय शाही समेत रोजगार महाकुंभ 2025' के रणनीतिक पार्टनर के अधिकारीगण मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी पूरा-का-पूरा गांव रोजगार के लिए प्रदेश छोड़कर पलायन करता था, लेकिन आज वही उत्तर प्रदेश अपने भीतर ही रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रहा है। यह परिवर्तन बीते 8 वर्षों में हुए सुनियोजित प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आज यूपी की प्रतिभा की मांग केवल देश में ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में हो रही है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मिशन रोजगार और विकसित भारत के संकल्प का हिस्सा है। हर युवा को उसकी योग्यता के अनुसार काम मिलना जरूरी है। जहां अवसर मिला, वहां इन युवाओं ने अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य से लोहा मनवाया है

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के जरिए परंपरागत उद्यमों को नई पहचान दी गई है। एमएसएमई सेक्टर में 96 लाख यूनिट पुनर्जीवित हुए हैं। कोरोना काल में जब 40 लाख से अधिक प्रवासी कामगार लौटे, तब इन्हीं एमएसएमई यूनिट्स ने 90 प्रतिशत को रोजगार दिया, और वे आज भी उसी व्यवस्था से जुड़े हैं। प्रदेश सरकार ने एमएसएमई यूनिट्स का रजिस्ट्रेशन करवाने वाले उद्यमियों को 5 लाख रुपए का सुरक्षा बीमा कवर उपलब्ध कराया है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक यूनिट 2 से 10 युवाओं को रोजगार दे रही है, तो लाखों-करोड़ों लोग प्रदेश में सम्मानजनक काम पा रहे हैं। यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार कर रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि परंपरागत कारीगरों और हस्तशिल्पियों को सम्मान देने के लिए विश्वकर्मा श्रम सम्मान और पीएम विश्वकर्मा योजनाएं लागू की गई हैं। बढ़ई, राजमिस्त्री, लोहार, सोनार, कुम्हार, मोची, नाई जैसे परंपरागत कामगारों को मुफ्त टूलकिट, सस्ता ऋण और ट्रेनिंग दी जा रही है। इसके जरिए लाखों लोगों को रोजगार और सम्मान मिला है। उन्होंने कहा कि 24 जनवरी 2025 को शुरू हुई सीएम युवा उद्यमी स्कीम के तहत 21 से 40 वर्ष तक के युवाओं को बिना गारंटी ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। इसमें किसी भी युवा की उसकी जाति उसका मत उसका मजहब उसका चेहरा देखकर के नहीं बल्कि उसकी रुचि के अनुसार उसे यह सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। अब तक 70,000 से अधिक युवाओं ने इस स्कीम से जुड़कर अपने उद्यम स्थापित किए हैं।

सीएम योगी ने कहा कि बीते 8 वर्षों में पारदर्शिता के साथ 8.5 लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई हैं। इसमें पुलिस विभाग, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पीडब्ल्यूडी और विश्वविद्यालयों में भी बड़ी संख्या में नियुक्तियां हुई हैं। इतने कम समय में इतनी बड़ी संख्या में युवाओं को सरकारी नौकरी उपलब्ध करवाने वाला देश के अंदर सबसे बड़े राज्य के रूप में उत्तर प्रदेश की गिनती आती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति के चलते प्रदेश निवेशकों की पहली पसंद बना है। पिछले 8 वर्षों में 33 से अधिक सेक्टोरियल पॉलिसी लागू की गईं। इन्वेस्ट यूपी पोर्टल, निवेश मित्र और सिंगल विंडो प्लेटफॉर्म के जरिए पारदर्शी व्यवस्था बनाई गई। परिणामस्वरूप 15 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश जमीनी स्तर पर उतरे हैं और 60 लाख युवाओं को रोजगार मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश स्टार्टअप मिशन और स्किल डेवलपमेंट मिशन के जरिए युवाओं को नई तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स और इंटरनेट ऑफ थिंग्स की ट्रेनिंग दी जा रही है। टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थानों में नई लैब और कोर्स शुरू किए गए हैं। उन्होंने कहा कि विदेश जाने वाले युवाओं को भाषा प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। जर्मनी जाने वालों को जर्मन भाषा, जापान जाने वालों को जापानी और अन्य देशों में जाने वालों को उनकी भाषाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वहां पहुंचने के बाद युवाओं को प्रशिक्षण या भाषा की वजह से कठिनाई न झेलनी पड़े। साथ ही उन्होंने कहा कि हर टेक्नोलॉजी हमेशा एक जैसी नहीं रहती, वह समय के अनुरूप बदलती है हमें समाज के मांग के अनुरूप अपने आप को अपडेट करना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिकों के हितों की रक्षा और उद्योगों की सुचारुता दोनों को ध्यान में रखते हुए श्रम कानूनों में सुधार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी आउटसोर्सिंग कंपनी के माध्यम से श्रमिक का शोषण नहीं होने दिया जाएगा। श्रमिक का पूरा वेतन मिलना अनिवार्य होगा, जबकि अतिरिक्त चार्जेज सरकार अपने स्तर पर वहन करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह रोजगार महाकुंभ युवाओं और इंडस्ट्री को जोड़ने का मंच है। इससे न केवल नौकरियां मिलेंगी बल्कि नई टेक्नोलॉजी की मांग के अनुरूप ट्रेनिंग और कोर्स भी तय होंगे। उन्होंने कहा कि जब श्रमिक और अन्नदाता खुशहाल होंगे, तब ही देश और प्रदेश खुशहाल होगा। यह सुनिश्चित होते ही विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश को दुनिया की कोई ताकत नहीं रोक पाएगी।

रोजगार महाकुंभ में मुख्यमंत्री ने अटल आवासीय विद्यालयों के लिए एकीकृत निगरानी प्रणाली पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पोर्टल के जरिए प्रदेश के 18 अटल आवासीय विद्यालयों की गतिविधियों की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल श्रमिकों के बच्चों को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण और अनुशासित शिक्षा दिलाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। अटल कमांड सेंटर आधारित ईआरपी प्रणाली के माध्यम से विद्यालयों के सभी क्रियाकलापों की डिजिटल निगरानी शुरू की गई है। सीएम ने कहा कि यह प्रणाली 18,000 बच्चों को निःशुल्क लॉजिंग, फीडिंग और आधुनिक शिक्षा प्रदान करने वाले अटल आवासीय विद्यालयों में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी। अटल आवासीय विद्यालय बीअेसी बोर्ड से जुड़े श्रमिकों के बच्चों के लिए वरदान है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने श्रम न्याय सेतु पोर्टल, औद्योगिक न्यायाधिकरण वेबसाइट और ई-कोर्ट पोर्टल की भी शुरुआत की।

रोजगार महाकुंभ में भारी अव्यवस्था, बेकाबू हो गई भीड़

लखनऊ, 26 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में लगे रोजगार महाकुंभ में युवाओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान प्रशासन के इंतजाम भी नाकाफी थे और युवा भी बेहद परेशान नजर आए।

अव्यवस्था से युवक बेहाल नजर आएं। यहां हजारों की संख्या में पहुंचे युवाओं को रोजगार स्टॉल तक पहुंचने में पसीने छूट गए। युवाओं को व्यवस्था देने में प्रशासन नाकाम नजर आया। भीड़ इतनी

बेकाबू हो गई कि सभागार में लगे शीशे के दरवाजे तक तोड़ दिए गए।

देश व प्रदेश के कोने-कोने से पहुंचे युवा रोजगार की आस में मायूस नजर आए। यहां सुबह 7:00 बजे से ही युवाओं का जमावड़ा होना शुरू हो गया था। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की वजह से रोजगार कार्यक्रम को दोपहर 12:00 बजे के बाद शुरू किया। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद युवाओं को एंट्री दी गई लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। करीब 4 से 5 घंटे तक रोजगार पाने की आस में युवाओं की लंबी कतारें लगी हुई थीं। रोजगार स्टॉल तक पहुंचने में युवक-युवतियां सब परेशान नजर आए। अलग-अलग जिलों से पहुंचे युवाओं ने बताया कि रोजगार स्टॉल तक जाने में घंटों समय लग रहा है। वहां जाने के बाद मालूम हुआ कि रिज्यूम और नंबर नोट किया जा रहा है और नियुक्ति पत्र व ऑफर लेटर के नाम पर फोन पर जानकारी देने की बात की जा रही है।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना से मिले कपड़ा व्यापारी

सभी कपड़ों पर 5% से अधिक जीएसटी न हो

लखनऊ, 26 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को व्यापारियों ने वित्त मंत्री सुरेश खन्ना से मुलाकात की। उन्होंने मंत्री को अपना मांग पत्र सौंपा। वित्त मंत्री को बताया गया कि जीएसटी लागू होने से पहले कपड़ों पर कभी कोई टैक्स नहीं लगता था। इससे बड़ी संख्या में लोग इस व्यापार से जुड़ रहे थे। यह व्यापार लोगों की रोजी रोटी का साधन बन रहा था। लेकिन, कपड़ों पर जीएसटी लागू होने के पांच वर्षों के अंदर 30 प्रतिशत से अधिक दुकानें बंदी की कगार पर पहुंच गई हैं।

व्यापारियों ने प्रमुख रूप से सभी कपड़ों पर पांच प्रतिशत

जीएसटी लगाने की मांग की है। मौजूदा समय में पॉलिएस्टर धागे (यार्न) पर 12 प्रतिशत और कॉटन धागे (यार्न) पर पांच प्रतिशत जीएसटी लागू है। वहीं रेडीमेड कपड़ों पर 12 प्रतिशत और अनसिले कपड़े पर पांच प्रतिशत जीएसटी लागू है। व्यापारियों ने कहा कि देश के बड़े उद्योगपतियों ने कॉकस बना लिया है। वे जब चाहते हैं एकजुट होकर कपड़ों पर रेट बढ़ा लेते हैं। इस मनमर्जी पर अंकुश लगना चाहिए। छोटे व्यापारियों को भी जीएसटी में सुविधा मिलनी चाहिए। उनका दायरा 40 लाख से बढ़ाकर 60 लाख किया जाना चाहिए। इससे जीएसटी रजिस्ट्रेशन की संख्या बढ़ेगी। ऑनलाइन बाजार ने कपड़े के कारोबार को काफी नुकसान पहुंचाया है। इससे पिछले दो-तीन वर्षों से कारोबार बैठ गया है। जीएसटी की अलग-अलग दरों से भी व्यापार प्रभावित हुआ है। इसके अलावा व्यापारियों ने बाजारों में सर्वे छापों पर अविलंब प्रभाव से रोक लगाने की मांग की है। व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल में व्यापारी नेता अशोक मोतियानी (अध्यक्ष), अनिल बजाज (महामंत्री), सुरेश छाबलानी, प्रभु जालान, श्याम कृषनानी, पुनीत लालचंदानी समेत अन्य व्यापारी मौजूद थे।

अयोध्या परिक्रमा मार्ग पर बन रहा भव्य वैक्स म्यूजियम

म्यूजियम में रामायण के 50 पात्रों की होंगी मोम की प्रतिमाएं

अयोध्या, 26 अगस्त (एजेंसियां)। रामनगरी अयोध्या में परिक्रमा मार्ग पर 10 हजार वर्ग फीट में वैक्स म्यूजियम बनाया जा रहा है। इसमें रामायण के 50 पात्रों की झलक दिखेगी। यह निर्माण नगर निगम करवा रहा है। भव्य वैक्स म्यूजियम को श्रद्धालु और पर्यटकों के लिए अक्टूबर में लोकार्पित किए जाने की तैयारी है। यह म्यूजियम परिक्रमा मार्ग पर 10 हजार वर्ग फीट क्षेत्र में बन रहा है।

इस म्यूजियम में श्रीराम सहित रामायण के 50 प्रमुख पात्रों के मोम के पुतले प्रदर्शित किए जाएंगे, जो इतिहास और संस्कृति का जीवंत अनुभव प्रदान करेंगे। इस परियोजना पर अब तक 7.5 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। वैक्स म्यूजियम के निर्माण से धार्मिक पर्यटन को बल मिलेगा। परिक्रमा मार्ग पर बन रहा यह वैक्स म्यूजियम आधुनिक तकनीक और कला का अनूठा संगम होगा। इसमें प्रवेश करते ही पहले श्रीराम का मंदिर मिलेगा। म्यूजियम में रामायण के 50 प्रमुख पात्रों के मोम के पुतले प्रदर्शित किए जाएंगे। इनमें श्रीराम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान, सुग्रीव व जटायु जैसे पात्र शामिल होंगे। हर पुतले को इस तरह से डिजाइन किया जा रहा है कि वे जीवंत और यथार्थवादी प्रतीत हों। इन पुतलों को बनाने में महाराष्ट्र की एक संस्था केरल के विशेषज्ञों की सेवाएं ले रही हैं। अयोध्या पहले से ही अपने धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के लिए विख्यात है। राम मंदिर, हनुमानगढ़ी, कनक भवन और सरयू नदी के घाट हर साल लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करते हैं।

कमिश्नर राजेश कुमार ने बताया कि अयोध्या को विश्व स्तरीय धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र बनाने की दिशा में वैक्स म्यूजियम एक और कदम है। इस बार वैक्स म्यूजियम का उद्घाटन दीपोत्सव को और भी यादगार बना देगा। यहां सड़कों का चौड़ीकरण, सरयू नदी के घाटों का सुंदरीकरण और अन्य बुनियादी ढांचों का विकास भी तेजी से हो रहा है। म्यूजियम में रामायण के राम-रावण युद्ध, सीता हरण, हनुमान की लंका यात्रा और राम-सेतु निर्माण जैसे प्रमुख प्रसंगों को दृश्यात्मक रूप से प्रस्तुत किया जाएगा। इन दृश्यों को देखकर आगंतुकों को ऐसा प्रतीत होगा, मानो वे रामायण काल में पहुंच गए हों। म्यूजियम में आधुनिक तकनीकों जैसे ऑडियो-विजुअल प्रभाव और इंटरैक्टिव डिस्प्ले का भी उपयोग किया जाएगा।

यह परियोजना पीपीपी मॉडल पर संचालित है। इसे दीपोत्सव के अवसर पर आम जनता के लिए खोलने की योजना है। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने बताया कि इसके निर्माण की नगर निगम की ओर से लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है। वैक्स म्यूजियम म्यूजियम के बनने से अयोध्या की सांस्कृतिक विरासत को नया आयाम मिलेगा।

संपादकीय

छोटे प्रश्न का बड़ा दायरा

कभी जब कोई विधायक विधानसभा में आईने बना देता है, तो प्रदेश अपनी असली सूरत में खुद को देख लेता है। एक बहुत छोटा सा प्रश्न भी बड़ा हो सकता है बशर्ते इसमें झांकने का सबब बड़ा हो। ऐसे ही एक छोटे से प्रश्न के दायरे को शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया ने बड़ा कर दिया है। विधायक ने सांस्कृतिक समारोहों में स्थानीय कलाकारों की भागीदारी को सुनिश्चित कराने के इरादे से अपने सवाल को वार्षिक मेलों के आय-व्यय के ऑडिट से जोड़ा है। हालांकि जवाब भी आ गया, मगर जहां थे, वहीं रहेंगे की स्थिति में सांस्कृतिक समारोहों की दौलत में हिमाचली कलाकार का वजूद टंगा रहेगा। होना तो यह चाहिए कि हिमाचली कलाओं के संरक्षण में कलाकार को 'रोजगार' का आश्वासन मिले। हिमाचल में अगर कोई व्यक्ति बीएड, इंजीनियरिंग या एमबीए के पाठ्यक्रम के बजाय प्रदेश के गीत-संगीत के जरिए स्वरोजगार हासिल करना चाहता है, तो हमारी नीति क्या है। जाहिर तौर पर प्रदेश भर में यूं तो हर गांव से कोई न कोई मेला या सांस्कृतिक-धार्मिक समारोह जुड़ा है, फिर भी दर्जनों बड़े समारोह या मेले खास महत्त्व रखते हैं। एक तरह से ये समारोह सांस्कृतिक निवेश हैं, जहां हिमाचली कलाकार को रोजगार मिल सकता है। जरूरत है स्पष्ट नीति और मेला एवं समारोह प्रबंधन की। विधानसभा को बताया गया कि सरकारी तौर पर सांस्कृतिक समारोह के लिए 4366090 रुपए आबंटित हुए, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हुआ कि किस मेले पर कुल कितना खर्च हुआ या पूरे प्रदेश के मशहूर व चर्चित मेलों के आयोजन के आय-व्यय का हिसाब क्या है। यह बताना असंभव भी नहीं है क्योंकि आय-व्यय के स्रोत के रूप में प्लॉटों की बिक्री और व्यापारिक मेलों की संगत में पलते उद्देश्यों में निखार आया है, लेकिन विकसित प्रबंधन की दृष्टि से हर समारोह अपने गीत गा रहा है और बिना किसी परिपाटी के सुर से सुर मिला रहा है। ये मेले कमोबेश प्रशासनिक और राजनीतिक मर्जी के गुलाम हो गए हैं, जहां नेताओं की पगड़ियों के हिसाब से रौनक घट या बढ़ रही है और इसी तरह सांस्कृतिक समारोहों का स्तर भी सियासी औलाद की तरह प्रश्रय पाने लगा है। यही वजह है कि सांस्कृतिक संध्याओं के नाम वजनी लिफाफे कुछ ऐसे कलाकारों पर न्योछावर होते हैं, जिनका संबंध हिमाचल से नहीं होता। पिछले साल एक मशहूर पंजाबी सिंगर की गलियों में हिमाचल के कई आयोजन चले तो श्रोता भी इन समारोहों की हैसियत का अनुमान लगाते आश्चर्य चकित होते रहे, लेकिन गरीब, बेसहारा और कमजोर फलक पर तो हिमाचली कलाकार को ही रहना पड़ा। ऐसे में मुख्य बिंदु विधायक के छोटे से प्रश्न से शुरू होकर सांस्कृतिक समारोहों का पूर्ण कायाकल्प चाहता है। ये तमाम मेले और समारोह आज अगर इसी व्यवस्था में कम से कम पचास करोड़ के आय-व्यय का हिसाब भी पैदा करते हों, तो इन्हें सौ करोड़ तक पहुंचाने की रूपरेखा इस दृष्टि से बनानी होगी ताकि ये हिमाचल के मनोरंजन उद्योग को बढ़ावा दें। मेलों के बीच सांस्कृतिक आयोजन तो एक विशिष्टता और प्रमाणिकता हो सकते हैं, लेकिन इनके साथ व्यापारिक व खेल गतिविधियां भी जुड़ती हैं। छिंजों के आयोजन में समाज का वित्तीय योगदान, प्रशासन की भूमिका और मनोरंजन की मांग पर कलाकारों का रोजगार पनप रहा है। इसी के साथ अब ट्रेंड बाजारों की व्यापकता में केवल पारंपरिक नहीं बल्कि नए व्यवसाय को नागरिक क्षमता से भी जोड़ रहे हैं। मेलों के प्लाट अब करोड़ों की आय के स्रोत बन रहे हैं, तो पूरे प्रदेश की मेला ट्रैफिक, आय-व्यय और कलाकारों के रोजगार को जोड़ते हुए एक राज्य स्तरीय व्यवस्था करनी पड़ेगी। प्रदेश में मेला, सांस्कृतिक एवं मनोरंजन विकास प्राधिकरण का गठन करके, सभी प्रकार के मेलों की रूप रेखा, पंजीयन, मानदंड, दर्जा व उनके आय-व्यय के स्रोत को स्थायी व्यवस्था के तहत लाना होगा। इस तरह कुछ नए मेलों का श्रीगणेश तथा समस्त हिमाचली कलाकारों की शिनाख्त तथा उनकी रैंकिंग के अनुरूप वार्षिक कांट्रेक्ट की पद्धति बनाई जा सकती है। प्रदेश में मेला ग्राऊंड, सामुदायिक मैदान तथा व्यावसायिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए अधोसंरचना निर्माण के उद्देश्यों को भी विशेष मेला प्राधिकरण के गठन से पूरा किया जा सकता है।

> विधायक ने सांस्कृतिक समारोहों में स्थानीय कलाकारों की भागीदारी को सुनिश्चित कराने के इरादे से अपने सवाल को वार्षिक मेलों के आय-व्यय के ऑडिट से जोड़ा है। हालांकि जवाब भी आ गया, मगर जहां थे, वहीं रहेंगे की स्थिति में सांस्कृतिक समारोहों की दौलत में हिमाचली कलाकार का वजूद टंगा रहेगा। होना तो यह चाहिए कि हिमाचली कलाओं के संरक्षण में कलाकार को 'रोजगार' का आश्वासन मिले। हिमाचल में अगर कोई व्यक्ति बीएड, इंजीनियरिंग या एमबीए के पाठ्यक्रम के बजाय प्रदेश के गीत-संगीत के जरिए स्वरोजगार हासिल करना चाहता है, तो हमारी नीति क्या है। जाहिर तौर पर प्रदेश भर में यूं तो हर गांव से कोई न कोई मेला या सांस्कृतिक-धार्मिक समारोह जुड़ा है, फिर भी दर्जनों बड़े समारोह या मेले खास महत्व रखते हैं। एक तरह से ये समारोह सांस्कृतिक निवेश हैं, जहां हिमाचली कलाकार को रोजगार मिल सकता है। जरूरत है स्पष्ट नीति और मेला एवं समारोह प्रबंधन की। विधानसभा को बताया गया कि सरकारी तौर पर सांस्कृतिक समारोह के लिए 4366090 रुपए आबंटित हुए, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हुआ कि किस मेले पर कुल कितना खर्च हुआ या पूरे प्रदेश के मशहूर व चर्चित मेलों के आयोजन के आय-व्यय का हिसाब क्या है।

गणेश चतुर्थी पर विशेष

विघ्नहर्ता का आगमन : आस्था, आनंद और अनंत मंगल का पर्व

योगेश कुमार गोयल

> विभिन्न पौराणिक कथाओं के अनुसार भाद्रपद महीने में इसी चतुर्थी तिथि को भगवान गणेश का अवतरण हुआ था। यह पर्व 10 दिनों तक यानी अनंत चतुर्दशी तक मनाया जाता है और अनंत चतुर्दशी के दिन किसी पवित्र नदी अथवा घर में पानी के एक टब में गणपति बप्पा की मूर्ति का विसर्जन कर दिया जाता है। गणेश चतुर्थी का वैदिक ज्योतिष में विशेष महत्व है। इस वर्ष यह त्योहार 27 अगस्त से शुरू होकर 8 सितंबर तक चलेगा। भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि का प्रारंभ 26 अगस्त को दोपहर 1 बजकर 54 मिनट पर होकर समापन 27 अगस्त की दोपहर 3 बजकर 44 मिनट पर होगा, इसीलिए उदया तिथि के अनुसार गणेश चतुर्थी का पर्व 27 अगस्त को मनाया जा रहा है।

भगवान गणेश की पूजा-अर्चना वैसे तो प्रतिदिन की जाती है लेकिन भाद्रपद महीना भगवान गणेश की उपासना के लिए अत्यंत शुभ माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। विभिन्न पौराणिक कथाओं के अनुसार भाद्रपद महीने में इसी चतुर्थी तिथि को भगवान गणेश का अवतरण हुआ था। यह पर्व 10 दिनों तक यानी अनंत चतुर्दशी तक मनाया जाता है और अनंत चतुर्दशी के दिन किसी पवित्र नदी अथवा घर में पानी के एक टब में गणपति बप्पा की मूर्ति का विसर्जन कर दिया जाता है। गणेश चतुर्थी का वैदिक ज्योतिष में विशेष महत्व है। इस वर्ष यह त्योहार 27 अगस्त से शुरू होकर 8 सितंबर तक चलेगा। भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि का प्रारंभ 26 अगस्त को दोपहर 1 बजकर 54 मिनट पर होकर समापन 27 अगस्त की दोपहर 3 बजकर 44 मिनट पर होगा, इसीलिए उदया तिथि के अनुसार गणेश चतुर्थी का पर्व 27 अगस्त को मनाया जा रहा है। ज्योतिषियों के मुताबिक गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश की मूर्ति स्थापना के लिए 27 अगस्त को सुबह 11 बजकर 5 मिनट से लेकर दोपहर 1 बजकर 40 मिनट तक का शुभ मुहूर्त रहेगा।

वैदिक पंचांग के अनुसार 500 वर्ष बाद गणेश चतुर्थी पर इस बार पांच दुर्लभ संयोग बन रहे हैं, जिनमें सर्वार्थ सिद्धि योग, रवि योग, प्रीति योग, इंद्र योग और ब्रह्म योग शामिल है। ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि गणेश चतुर्थी पर इन दुर्लभ योगों के बनने से कुछ राशियों की किस्मत चमक सकती है। गणेश चतुर्थी का दिन अपनी मनोकामनाएं पूरी करने की दृष्टि से बहुत शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान गणेश की श्रद्धापूर्वक पूजा करने से सभी विघ्न दूर हो जाते हैं और अपार सुख की प्राप्ति होती है। विघ्नहर्ता भगवान गणेश की पूजा भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से आरंभ होकर अनंत चतुर्दशी तक की जाती है, बड़े-बड़े पंडाल सजाये जाते हैं। घरों में भगवान गणेश की छोटी-बड़ी प्रतिमाओं के अलावा कई प्रमुख स्थानों पर भगवान गणेश की बड़ी-बड़ी प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं, जिनका लगातार अनंत चतुर्दशी तक पूजन किया जाता है।

गणपति विसर्जन को लेकर मान्यता है कि हमारा शरीर पंचतत्व से बना है और एक दिन उसी में विलीन हो जाएगा। इसी आधार पर अनंत चतुर्दशी के दिन गणपति विसर्जन किया जाता है। गणेश बुद्धि, समृद्धि और सौभाग्य के देवता हैं और मान्यता है कि गणेश चतुर्थी पर गणपति बप्पा की पूजा करने से वे भक्तों के सारे कष्ट हर लेते हैं। सच्चे मन से उनकी पूजा करने से शुभ-लाभ की प्राप्ति तथा समृद्धि के साथ धन-धान्य की वृद्धि होती है। भगवान गणेश की पूजा करने के लिए कई मंत्र हैं, जिनका उच्चारण करने से गणेश पूजा पूर्ण होती है और मान्यता है कि गणेश जी भी इन मंत्रों से जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं। ऐसे ही मंत्रों में से

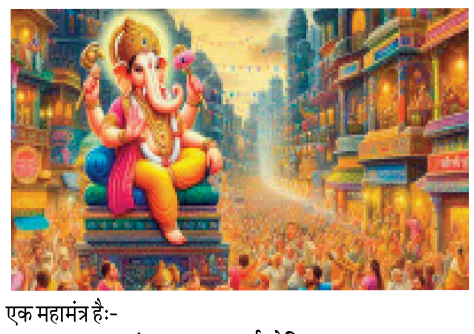

एक महामंत्र है:-

वक्रतुंड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा।।

अर्थात घुमावदार सूंड वाले, विशाल शरीरकाय, करोड़ों सूर्य के समान महान प्रतिभाशाली। मेरे प्रभु, मेरे समस्त कार्य हमेशा बिना विघ्न के पूरे करने की कृपा करें।

हिंदू धर्म में वैसे तो 33 करोड़ देवी-देवताओं की पूजा की जाती है लेकिन गणेश जी को सभी देवों में सर्वप्रथम स्थान प्राप्त है और प्रत्येक पूजा या कोई भी शुभ कार्य करने से पहले उनकी पूजा करने का विधान है। दरअसल उन्हें उनके पिता भगवान शिव ने ही यह विशेष वरदान दिया था कि हर पूजा या शुभ कार्य करने से पहले उनकी पूजा अनिवार्य होगी। रक्तवर्ण, लम्बोदर, शूर्पकर्ण तथा पीतवस्त्रधारी भगवान गणेश की पूजा सभी देवी-देवताओं में सबसे सरल मानी जाती है। भगवान गणेश के अनेक प्रचलित नामों में से गजानन, लम्बोदर, विघ्ननाशक, विनायक, गणाध्यक्ष, एकदन्त, चतुर्बाहु, गजकर्णक, भालचन्द्र, कपिल, विकट, धूम्रकेतु, सुमुख इत्यादि काफी प्रसिद्ध हैं। बुद्धि, विवेक, धन-धान्य और रिद्धि-सिद्धि के कारक भगवान गणेश की पूजा गणेश चतुर्थी के दिन प्रायः दोपहर के समय ही की जाती है। इसके पीछे मान्यता है कि विघ्नहर्ता गणेश का जन्म मध्यान्ह के समय हुआ था, इसीलिए गणेश चतुर्थी पर उनकी पूजा के लिए यही समय सर्वोत्तम माना गया है। माना जाता है गणेश जी की पूजा करने से शनि की वक्रदृष्टि तथा ग्रहदोष से भी मुक्ति मिलती है। गणेश जी की कृपा से समस्त कार्य बगैर किसी बाधा के पूर्ण होते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

शिव पुराण के अनुसार एक बार माता पार्वती ने स्नान से पूर्व अपने मैल से एक बालक उत्पन्न कर उसे अपना द्वारपाल बना दिया। जब पार्वती जी स्नान करने लगी, तब अचानक भगवान शिव वहां आए लेकिन द्वारपाल बने बालक ने उन्हें अंदर प्रवेश करने से रोक दिया। उसके बाद शिवगणों ने बालक से भयंकर युद्ध किया लेकिन कोई भी उसे पराजित नहीं कर सका तो क्रोधित शिव ने अपने त्रिशूल से बालक का सिर धड़ से अलग कर दिया। जब पार्वती को यह पता चला तो आग-बबूला हो उन्होंने प्रलय करने का निश्चय कर लिया। इससे देवलोक भयाक्रांत हो उठा और देवताओं ने उनकी स्तुति कर उन्हें शांत किया। भगवान शिव ने निर्देश दिया कि उत्तर दिशा में सबसे पहले जो भी प्राणी मिले, उसका सिर काटकर ले आएं। विष्णु उत्तर दिशा की ओर गए तो उन्हें सबसे पहले एक हाथी दिखाई दिया। वे उसी का सिर काटकर ले आए और शिव ने उसे बालक के धड़ पर रखकर उसे पुनर्जीवित कर दिया। पार्वती उसे पुनः जीवित देख बहुत खुश हुई और तब समस्त देवताओं ने बालक गणेश को अनेकानेक आशीर्वाद दिए। भगवान शिव ने उन्हें आशीर्वाद दिया कि कोई भी शुभ कार्य यदि गणेश की पूजा करके शुरू किया जाएगा तो वह निर्विघ्न सफल होगा। उन्होंने गणेश को अपने समस्त गणों का अध्यक्ष घोषित करते हुए आशीर्वाद दिया कि विघ्न नाश करने में गणेश का नाम सर्वोपरि होगा। इसीलिए भगवान गणेश को विघ्नहर्ता भी कहा जाता है। एक प्रचलित लोककथा के अनुसार भगवान शिव का एक बार त्रिपुरासुर से भीषण युद्ध हुआ। युद्ध शुरू करने से पहले उन्होंने गणेश को स्मरण नहीं किया, इसलिए वे त्रिपुरासुर से जीत नहीं पा रहे थे। उन्हें जैसे ही इसका अहसास हुआ, उन्होंने गणेश जी को स्मरण किया और उसके बाद आसानी से त्रिपुरासुर का वध करने में सफल हुए।

भगवान गणेश के देशभर में कई प्रसिद्ध मंदिर हैं, जिनमें सबसे लोकप्रिय मुम्बई के प्रभादेवी में श्री सिद्धिविनायक मंदिर है, जहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु पूजा-अर्चना करते हैं। 2014 में गुजरात के मेहमदाबाद में छह लाख वर्गफुट में बना सिद्धिविनायक मंदिर भगवान गणेश का सबसे बड़ा मंदिर माना जाता है। जमीन, अचल सम्पति और चढ़ावे के आधार पर इन्दौर स्थित खजराना गणेश मंदिर सबसे धनी गणपति मंदिर है। हालांकि संचित धन के हिसाब से पुणे का दगडुशेठ गणपति मंदिर देश का सबसे धनी गणपति मंदिर है। वैसे प्रतिदिन चढ़ावे के हिसाब से मुम्बई का सिद्धिविनायक मंदिर सबसे आगे है। गणेशोत्सव वैसे तो देशभर में मनाया जाता है और लोग अपने घरों में गणपति बप्पा की पूजा करते हैं लेकिन महाराष्ट्र में इस पर्व की विशेष धूम दिखाई देती है। जगह-जगह बड़े-बड़े आकर्षक पंडाल सजाए जाते हैं, जहां लोग एकजुट होकर भक्ति रस में सराबोर होकर भगवान गणेश की पूजा करते हैं। महाराष्ट्र में गणेशोत्सव की परम्परा की शुरूआत के संबंध में कहा जाता है कि यह शुरूआत पेशवाओं द्वारा की गई थी और तब पुणे के प्रसिद्ध शनिवारवाड़ा नामक राजमहल में भव्य गणेशोत्सव मनाया जाता था। सार्वजनिक रूप से महाराष्ट्र में गणेशोत्सव को बड़े पैमाने पर मनाए जाने की शुरूआत 1893 में स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान बालगंगाधर तिलक द्वारा आजादी की लड़ाई में लोगों को एकजुट करने के उद्देश्य से की गई थी।

देश दुनिया से

प्राकृतिक आपदा में अद्र्ध सैनिक बल

इस समय देश के हिमालयी क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदा आई हुई है। पहाड़ों में कहीं भूस्खलन तो कहीं बादल फटना। दर्जनों लोग काल कलवित हो गए हैं और हजारों मकान तथा दर्जनों बस्तियां दब गई हैं। हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड में प्रकृति का प्रकोप कुछ ज्यादा ही है। इन राज्यों में तुरंत राहत की व्यवस्था करना बेहद कठिन है, क्योंकि आपदा प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचना ही बेहद कठिन होता है। रास्ते कट जाते हैं, पहाड़ी नदियां उफन जाती हैं और आसपास से कोई मदद नहीं मिल पाती है। लेकिन अब जिस तरह से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल यानी एनडीआरएफ समर्पित भाव से उन इलाकों में राहत कार्य करने में जुटा हुआ है, उसे देखकर आशा की किरण जाग उठी है। इस बल का गठन ही प्राकृतिक आपदाओं और खतरनाक परिस्थितियों से निबटने के लिए किया गया था। पिछले पांच-छह वर्षों में इसने जबरदस्त तरीके से काम किया और लोगों में इतना विश्वास पैदा कर दिया कि अब विपदा आते ही इसे बुलाया जाता है और इसके जवान तुरंत आकर राहत कार्यों में लग जाते हैं। इनकी ट्रेनिंग ही ऐसी है कि ये कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी काम करते हैं। लेकिन उससे भी बड़ी बात है इनका समर्पण भाव। इस समय इनकी टुकडियां न केवल हिमाचल, उत्तराखंड में राहत कार्य में दिन-रात जुटी हुई हैं बल्कि बिहार की बाढ़ में भी बड़ी भूमिका निभा रही हैं। इसने अब तक डेढ़ लाख लोगों की जान बचाई है और लाखों फंसे लोगों को निकाला है। गृह मंत्रालय ने इसे पूरी तरह से साजो-सामान से लैस कर दिया है जिससे राहत कार्यों में तेजी आ सके। मंत्रालय ने 2024-25 में एसडीआरएफ के लिए 20264 करोड़ रुपए आवंटित किए और एनडीआरएफ के लिए 5160 करोड़ रुपए आवंटित किए जो एक कीर्तिमान है और जिसके परिणाम देखने में आ रहे हैं। मार्च 2021 में एक नया अलर्ट सिस्टम जारी किया गया जिससे अब संगठन पहले ही खतरे की संभावना बता देता है जिससे लोग सावधान हो जाएं। इसका उदाहरण है कि इसने अब तक 631.1 करोड़ अलर्ट मैसेज भेजे हैं और बेशकीमती जिंदगियां बचाई हैं। इसका कार्य सिर्फ भारत ही नहीं था, बल्कि विदेशों में भी रहा। हमने देखा कि कैसे तुर्की में इसने समर्पित भाव से इनसानियत की रक्षा की। गृह मंत्रालय ने गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में न केवल एनडीआरएफ बल्कि सीआरपीएफ, बीएसएफ,

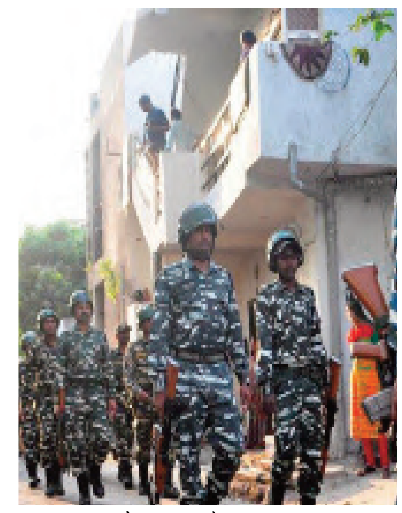

आईटीबीपी, कोस्ट गार्ड को पूरी शक्तियां दीं, बल्कि संसाधन तथा पूरे कानूनी अधिकार भी दिए। इसके ठोस परिणाम साफ दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल के छह साल पूरे कर लिए हैं और इस दौरान देश में अर्ध सैनिक बलों को बढ़ावा देकर कश्मीर में धारा 370 हटाने से लेकर नक्सलवाद के लगभग खात्मे तक का काम कर दिखाया। उनकी सफलता पर प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें बधाइयां भी दीं। कश्मीर में सुरक्षा बलों की त्वरित और दीर्घकालीन कार्रवाई से 2019 से 2025 तक के बीच हिंसक घटनाओं में 2004-09 के बीच 86 फीसदी की कमी आई है। कश्मीर के अलावा मध्य तथा पूर्व भारत में नक्सली हिंसा पर लगाम तो लगी ही है, उनके बड़े लीडर या तो मारे गए हैं या समर्पण कर चुके हैं। गृह मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि 2009 से 2024 के बीच नक्सली हिंसा की वजह से होने वाली मौतों में उल्लेखनीय कमी आई है। पिछले छह सालों में यह गिरकर 600 तक आ गई है, जबकि 2009 से 2014 तक 5225 थी। नक्सलियों के खिलाफ अर्ध सैनिक बलों का अभियान इस समय इतना जबरदस्त है कि देश के छह जिले ही अब नक्सल हिंसा से प्रभावित रह गए हैं। इसलिए ही गृह मंत्री ने घोषणा की है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत मार्च 2026 तक नक्सलवाद का समूल नाश कर दिया जाएगा। 2019 से 2025 तक के बीच 1025 नक्सली मारे गए हैं और 6983 गिरफ्तार हो चुके हैं। यह संख्या बताती है कि नक्सलवाद अब अपनी अंतिम सांसें ले रहा है। गृह मंत्री के दृढ़ संकल्प से यह संभव हो रहा है और सरकार इसके लिए आधुनिक टेक्नोलॉजी से लेकर आर्थिक संसाधन में कोई कमी नहीं होने दे रही है। इसके साथ-साथ आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए भी कई कड़े कदम उठाए जा रहे हैं जो देखने में आ रहे हैं। इसके लिए एनआईए का दायरा बढ़ाया गया है और कानून भी सख्त किए गए हैं। पीएफआई, हुर्रियत जैसे संगठनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए गए हैं जिससे आतंक के मामलों में कमी आई है। लेकिन सिर्फ सख्ती या सुरक्षा बलों की ताकत से कई बार समस्याएं नहीं सुलझती हैं और इसलिए शाह ने गृह मंत्रालय को राज्यों के साथ मिलकर विकास तथा पुनर्वास की कई योजनाओं पर काम करने की व्यवस्था की जिसका बढिया परिणाम दिख रहा है। विकास एक ऐसा माध्यम है जिससे हिंसा तथा अराजकता पर अंकुश लगाया जा सकता है। इसे ही ध्यान में रखकर पूर्वोत्तर के राज्यों में कई योजनाएं बनाई गई हैं। वहां शांति प्रक्रिया के तहत छह वर्षों में 12 शांति समझौते हुए, जिसके कारण से स्थिति में अभूतपूर्व सुधार आया। वहां अफस्पा को तेजी से हटाया जा रहा है और दो राज्यों त्रिपुरा तथा मेघालय में यह पूरी तरह से हटा दिया गया है तथा अन्य राज्यों के थोड़े से हिस्से में ही यह लागू है। साइबर क्राइम देश के सामने एक चुनौती की तरह है और इसका मुकाबला आसान नहीं था, लेकिन गृह मंत्रालय को नोडल एजेंसी बनाकर इस दिशा में सख्त कार्रवाई हो रही है। इसके लिए इंडियन साइबर क्राइम कोऑरडिनेशन सेंटर (14 सी) बनाया गया है। यह साइबर क्राइम से निबटने के लिए आधुनिकतम टेक्नोलॉजी से लैस है और इसने इन अपराधों पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया है और अभी भी कर रहा है। साइबर क्राइम के अलावा देश में ड्रग के खतरों के खिलाफ कई कदम उठाए गए हैं जिनमें काफी सफलता मिली है। पड़ोसी देश पाकिस्तान से ड्रग की खेप न केवल पकड़ी जा रही है, बल्कि कुछ अन्य देशों की सीमाओं पर भी सख्ती की जा रही है। गृह मंत्रालय, रसायन मंत्रालय, औषधि मंत्रालय के साथ मिलकर इस दिशा में काम कर रहा है। इनमें सफलता भी मिल रही है। इस तरह अद्र्ध सैनिक बलों की भूमिका सराहनीय है।

आप का नजरिया

दहेज हत्याएं कब तक?

उप्र के ग्रेटर नोएडा के एक गांव में 26 वर्षीय ब्याहता महिला को, उसके 6 साला बेटे के सामने, जला कर मार दिया गया। यह दहेज-हत्या ही है। हम बार-बार हैरान होते हैं कि जिसे अपना जीवन-साथी बनाया हो, अग्नि को साक्षी मान कर फेरे लिए और सात कसमें खाई हों, उसे ही आग की लपटों के हवाले करने की बर्बरता कैसे की होगी? कोई राक्षस ही ऐसा पाशविक अपराध कर सकता है। एक बेटी मां-बाप का घर परित्याग कर एक अपरिचित घर में जाती है। उस घर का चिराग बनकर, उस घर का चिराग प्रज्वलित करने जाती है। उसी का उत्पीडऩ किया जाता है और अंततः उसे ही जला कर मार दिया जाता है। दहेज का लालच 'दानव' बन जाता है। यह कैसी नियति है, प्रभु? बेटी बाबुल के घर को अलविदा कहती है, लेकिन यह कैसी सामाजिक और सडियल व्यवस्था है, जो बेटी को ही जलने, कटने और अंततः मरने को छोड़ देती है? ग्रेटर नोएडा की बेटी निक्की अपने साथ खूब धन-धान्य लेकर ससुराल आई थी। इसे 'दहेज' भी कह सकते हैं, लेकिन पति, सास आदि की 35 लाख रुपए की ललचाई मानसिकता ने, अंततः, बेटी को मौत तक पहुंचा दिया। हैरत इस पहलू पर भी होती है कि जब 'राक्षसों के घर' में बेटी सुरक्षित नहीं थी, तो दूसरी बेटी भी उसी घर में क्यों ब्याही गई? बेटी के मां-बाप के फैसले पर सवाल ही नहीं उठते, बल्कि शंका भी होती है! हमें एक पत्रकार-मित्र की बेटी के रिश्ते का मामला याद आता है। जब प्रस्तावित वर के मामा ने पहला सवाल किया था कि आपका बजट कितना है, तो बेटी के पापा ने पलटजवाब दिया था-'क्या शादी बजट से की जानी है? हम औसत घर-परिवार वाले हैं। शादी वर-वधु के बीच होनी है। क्या गरीबों की बेटियों की शादी नहीं होती?' मामाजी खामोश, निरुत्तर हो गए। निक्की के माता-पिता ने भी कड़ा रुख अख्तियार किया होता, तो शायद बेटी का रिश्ता किसी और परिवार में होता, लेकिन बेटी जिंदा और सुरक्षित रहती! राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रपटों के मुताबिक, दहेज-हत्याओं के क्रूर सच उप्र के अलावा, बिहार और हरियाणा के कई पॉकेट्स में भी हैं। वहां दहेज एक सामान्य चलन और परंपरा है। निक्की जैसी बेटियों की पहुंच किसी कानून, सरकारी या गैर-सरकारी संरक्षण तक नहीं है। बस बेटियों की शादी कर दी जाती है और उन्हें प्रताडऩा, हिंसा और मौत के लिए छोड़ दिया जाता है। कानून तो है, लेकिन ऐसा नहीं है, जो बेटियों को पूरी सुरक्षा दे सके। 2022 में दहेज-हत्या ट्रायल में सजा की दर 33 फीसदी थी, लेकिन दहेज से जुड़े सभी मामलों में, उस साल लंबित मामले 60,577 थे, सजा की दर मात्र 2 फीसदी रही। आखिर दहेज के कारण बेटियां कब तक मारी जाती रहेंगी? दहेज-हत्या के मामलों में साक्ष्य मिटा दिए जाते हैं, फोरेंसिक तोड़-मरोड़ दिए जाते हैं, ऐसी जांच अप्रशिक्षित सफाई कर्मचारी ही करते हैं, क्योंकि ऐसी शव-परीक्षा करने और चीर-फाड़ करने से डॉक्टर इंकार कर देते हैं। अंततः दहेज निषेध अधिनियम के तहत दुरुपयोग के जो आरोप लगाए जाते हैं, वे अंततः थकने लगते हैं और अपराधियों की स्थिति को पुख्ता करते हैं। नतीजतन दहेज-हत्या की शिकार बेटी को इंसाफ या तो मिलता नहीं अथवा बहुत देर से मिलता है। जरा सोचिए, निक्की वाले मामले में जो प्राथमिकी दर्ज की गई है, उसमें दहेज निषेध कानून की धारा 80 बीएनएस को लागू ही नहीं किया गया है। अन्याय की शुरुआत बुनियाद से ही होती है। क्या हमारी व्यवस्था ही नारी जाति से द्वेष करती है? अथवा पुलिस की मिलीभगत होती है? ईमानदारी से कम कोई और रास्ता नहीं है। ऐसे मामलों में कड़ी जांच की जाए और डॉक्टरों को जांच के लिए बाध्य किया जाए और यथाशीघ्र सजा सुनाई जाए।

> दहेज का लालच 'दानव' बन जाता है। यह कैसी नियति है, प्रभु? बेटी बाबुल के घर को अलविदा कहती है, लेकिन यह कैसी सामाजिक और सडियल व्यवस्था है, जो बेटी को ही जलने, कटने और अंतत: मरने को छोड़ देती है? ग्रेटर नोएडा की बेटी निक्की अपने साथ खूब धन-धान्य लेकर ससुराल आई थी। इसे 'दहेज' भी कह सकते हैं, लेकिन पति, सास आदि की 35 लाख रुपए की ललचाई मानसिकता ने, अंतत:, बेटी को मौत तक पहुंचा दिया। हैरत इस पहलू पर भी होती है कि जब 'राक्षसों के घर' में बेटी सुरक्षित नहीं थी, तो दूसरी बेटी भी उसी घर में क्यों ब्याही गई? बेटी के मां-बाप के फैसले पर सवाल ही नहीं उठते, बल्कि शंका भी होती है! हमें एक पत्रकार-मित्र की बेटी के रिश्ते का मामला याद आता है। जब प्रस्तावित वर के मामा ने पहला सवाल किया था कि आपका बजट कितना है, तो बेटी के पापा ने पलटजवाब दिया था-'क्या शादी बजट से की जानी है? हम औसत घर-परिवार वाले हैं। शादी वर-वधु के बीच होनी है। क्या गरीबों की बेटियों की शादी नहीं होती?' मामाजी खामोश, निरुत्तर हो गए। निक्की के माता-पिता ने भी कड़ा रुख अख्तियार किया होता, तो शायद बेटी का रिश्ता किसी और परिवार में होता, लेकिन बेटी जिंदा और सुरक्षित रहती! राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रपटों के मुताबिक, दहेज-हत्याओं के क्रूर सच उप्र के अलावा, बिहार और हरियाणा के कई पॉकेट्स में भी हैं। वहां दहेज एक सामान्य चलन और परंपरा है। निक्की जैसी बेटियों की पहुंच किसी कानून, सरकारी या गैर-सरकारी संरक्षण तक नहीं है।

बोध कथा

भगवान का साथ-ऐसी मृत्यु हर एक की हो

एक लडक़ी चर्च में जाती है और फादर से कहती है मेरे पिताजी बहुत बीमार हैं, किसी भी वक्त मौत हो सकती है, क्या आप मेरे घर आ सकते हो? फादर कहते हैं हां, क्यों नहीं मैं आता हूं। जब फादर घर पहुंचते हैं, तो वहां एक बुजुर्ग व्यक्ति बिस्तर पर लेटा मिलता है और सामने एक खाली चेयर रखी होती है। पादरी को लगता है शायद मेरे लिए चेयर रखी है, तो वह पूछता है कि आपको पता था मैं आने वाला हूं। बुजुर्ग ने कहा मुझे तो पता ही नहीं कि आप आने वाले हो। अच्छा! तो चेयर क्यों रखी हुई है? बुजुर्ग बोला- आप बैठो, मैं एक राज की बात बताता हूं। ये चेयर वाली बात मैंने अपनी बेटी को भी नहीं बताई। मैं रोज चर्च जाता और प्रार्थना करता था लेकिन मन नहीं लगता था केवल एक दिखावा था, एक ढोंग था। अंदर से एक खालीपन था। एक बार अपने मित्र से मैंने कहा कि मैं भगवान से तो बहुत दूर हूं। केवल दिखावा मात्र है, मैं क्या करूं? तो मित्र ने कहा तुम अपने बिस्तर के सामने एक खाली चेयर रख दो और सोचो कि यह भगवान बैठा हुआ है। उससे अपने दिल की सारी बातें बताओ, तबसे मैंने ये काम चालू किया रोज दो-तीन घंटा मैं खाली चेयर रखता हूं, सोचता हूं कि भगवान है, इससे मैं बात करते रहता हूं। तब से मेरा जीवन बहुत खुशमय हो गया है। इस घटना के बाद एक दिन वह लडक़ी फादर से फिर से मिलती है। फादर उससे पूछते हैं पिता जी कैसे हैं? वो कहती है पिताजी ने कल रात को ही शरीर छोड़ दिया। फादर पूछते हैं उनकी मृत्यु कैसे हुई और मन की स्थिति कैसी थी। उसने कहा कि पिताजी जब गुजर रहे थे तो उन्होंने मुझे बुलाया, गले लगाया और खाली चेयर के पास जाकर उस पर माथा रख दिया।

दृष्टि कोण

राष्ट्रीय विवेचन : बेलगाम जानवर, मजबूर इनसान

इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि मनुष्य के साथ-साथ जल, थल तथा नभ में जीव-जंतुओं, पशु-पक्षियों, पालतू जानवरों का सृष्टि में अपना महत्व है। वैसे जानवरों की दुनिया में 'कुत्ता समाज' का भी अपना स्थान है। उनके रुतबे के अनुसार उनकी भी बहुत सी श्रेणियां हैं। कुत्ता दुनियाभर के जानवर समाज में एक बड़ा जानवर समूह है। यह कुत्ता समाज सेना से लेकर पुलिस तथा अन्य खुफिया एजेंसियों में अपनी सेवाएं प्रदान करता है। भारतीय सेना में कुत्तों की भी प्लाटून तथा अलग यूनिट होती है। इन्हें मिलिट्री डॉग यूनिट्स या डॉग स्क्वायड भी कहा जाता है। ये कुत्ते सेना के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाते हुए विस्फोटक पदार्थों, ड्रग्स, नशीली दवाओं तथा मादक पदार्थों का गश्त तथा खोज कर पता लगाते हैं। कुत्ते विभिन्न सरकारी विभागों विशेषकर पुलिस और सेना में विभिन्न कार्यों के लिए प्रशिक्षित किए जाते हैं, उन्हें 'के-9 यूनिट' का हिस्सा माना जाता है। कुत्ते युद्ध क्षेत्रों, सीमा क्षेत्रों, संदिग्धों को पकडऩे, अपराध स्थलों की जांच करने तथा अवैध तस्करी आदि को खोजने में एजेंसियों की मदद करते हैं। ये कुत्ते अपनी सूंघने की शक्ति का उपयोग करके विस्फोटक बारूदी सुरंगों तथा अन्य खतरनाक पदार्थों से नागरिकों की सुरक्षा करते हैं। इन कुत्तों को सेवा काल में उनके विशिष्ट कार्यों के तथा वीरता के लिए विशेष सम्मान तथा अलंकरण से सम्मानित किया जाता है। इसके अलावा कुत्ता प्रेमियों के घरों में इन्हें रहने के लिए विशेष आवास, विशेष गाड़ी, विशेष नौकर, विशेष डाक्टर तथा विशेष आहार तथा इनके खेलने के लिए खिलौनों तक की व्यवस्था तक होती है। इन कुत्तों को शैंपू से नहलाने धुलाने, ड्रायर तथा कंघी करने की विशेष व्यवस्था होती है। खाने की व्यवस्था होती है। ये सब कार्य घर के बच्चों से बूढ़ों तक सब मिलजुल कर, कर लेते हैं। इनके खाने में दूध, मीट, अंडा तथा बिस्कुट बगैरा की विशेष व्यवस्था होती है। घरों में यह विशेष कुत्ता वर्ग ड्राइंग रूम से बैठक तक अलाउड होता है। अनेकों बार तो ये कुत्ते बैड में भी अपने मालिक के साथ रजाई में बैठे रहते हैं। मालिक के टूअर पर जाते समय बच्चों से लेकर बड़ों तक इन कुत्तों के आवश्यक सामान को ले जाने की व्यवस्था करते हैं। तीसरी प्रकार के कुत्ते सामान्य प्रकार के वर्ग में आते हैं। गांवों, खुली सडक़ों, संकरी तथा गंदी नालियों तथा गंदी बस्तियों के आसपास रहते हैं। इनका जीवन बहुत ही संघर्षपूर्ण है। अपना पेट पालने के लिए इनमें लड़ाई-झगड़ा तथा छीना-झपटी होती रहती है। पैदा होने से मरने तक इन कुत्तों पर लोगों द्वारा अत्याचार होते रहते हैं। कभी ये वाहनों के नीचे आ जाते हैं, कभी ईंट, पत्थर की चोट से घायल हो जाते हैं। ये वाकई कुत्ते की मौत मरते हैं। जीवन के संघर्ष, मानवीय उपेक्षा तथा अत्याचारों से ग्रसित ये कुत्ते आक्रोशित तथा चिड़चिड़े होते हैं, इसलिए ये घातक होकर इनसानों को काटने का काम भी करते हैं। ये अनेक बीमारियों का शिकार होते हैं। इनका कोई टीकाकरण नहीं होता। इनके लिए कोई कुत्ताशाला का प्रावधान नहीं होता। इनके प्रजनन पर व्यवस्थाओं तथा सरकारों का कोई कंट्रोल नहीं होता। इनकी नसबंदी नहीं हो पाती, इसलिए इनकी जनसंख्या भी बहुत अधिक होती है। कुछ पशु प्रेमी संगठन कभी-कभी इनके लिए भलाई का कार्य करते हुए मांस आदि के टुकड़े या हड्डियां डाल कर इनका टीकाकरण आदि करते देखे जाते हैं। ये उपेक्षित, अप्रशिक्षित तथा असंस्कारी कुत्ते उग्र रूप धारण करते राह चलते लोगों को काट डालते हैं। बहुत से मामलों में वृद्धों, स्कूल जाते बच्चों पर इनके अप्रत्याशित हमले गंभीर घटनाओं को अंजाम देते हैं। इस प्रकृति में मनुष्य एक मुख्य घटक है। पेड़-पौधे, जीव-जंतु, कीड़े-मकोड़ों की तुलना में श्रेष्ठ इसलिए है क्योंकि इन सभी की तुलना में वह अपार बुद्धि का स्वामी है। पशुओं के भी अपने अधिकार हैं।

खैबर पख्तूनख्वा में सशस्त्र संघर्ष में पांच जवान, 7 आतंकी और 3 नागरिकों की मौत

इस्लामाबाद, 26 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के विभिन्न इलाकों में सप्ताहांत और सोमवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच जारी सशस्त्र संघर्ष में पांच सुरक्षाकर्मियों और एक दो साल के बच्चे समेत तीन नागरिकों की मौत हो गई। इस संघर्ष में कम से कम सात आतंकवादी भी मारे गए। डान अखबार ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से प्रसारित खबर में जानकारी दी कि ऊपरी दीर और निचले दीर जिलों में रविवार देररात सुरक्षा बलों और प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के बीच भीषण संघर्ष में पांच संदिग्ध आतंकवादी मारे गए और सात पुलिसकर्मी घायल हो गए। इस गोलीबारी में फंसे हतनार दारा के दो नागरिकों की जान चली गई। मारे गए आतंकियों के संबंध सीमा पार अफगानिस्तान से हो सकते हैं। बताया गया है कि निचले दीर के लाजबुक दारा इलाके में पुलिस और आतंकवादियों के बीच भारी गोलीबारी हुई। स्थानीय लोगों ने बताया कि हमलावरों ने दो सैन्य ट्रकों और एक कार सहित पुलिस वाहनों को आग लगा दी। टीटीपी ने सोशल मीडिया पर फुटेज साझा करते हुए दावा किया कि लड़ाकों ने वाहनों को कब्जे में लेने के बाद फूंक दिया। इसके अलावा बाजौर जिले में निचले दीर का हेड कांस्टेबल शाह वजीर खान आतंकी हमले में मारा गया। अधिकारियों के अनुसार हंगू जिले में आतंकवादियों ने देररात तोरा वारई एफसी किले पर हमला किया। हमले में हंगू स्काउट्स के दो जवान शहीद हो गए। इसके बाद हुई गोलीबारी में दो आतंकवादी भी मारे गए। खैबर जिले की तिराह घाटी में एक सुरक्षा चौकी पर हुए आतंकवादी हमले में दो जवानों की मौत हो गई। जवानों की पहचान लांस नायक अली हसन जान और सिपाही नबी जान के रूप में हुई है। उत्तरी वजीरिस्तान के मीर अली इलाके में सोमवार को एक घर पर क्वाडकॉप्टर हमले में दो साल का काशिफ जान का बेटा साहिर तुफैल मारा गया और उसकी दादी घायल हो गईं। खबर के अनुसार पंजाब प्रांत के शफीकाबाद और बादामी बाग इलाकों में अपराध नियंत्रण विभाग (सीसीडी) के साथ कथित मुठभेड़ में दो संदिग्ध मारे गए। पहली घटना शफीकाबाद के अकरम पार्क में हुई। मुठभेड़ में इमरान नामक एक संदिग्ध की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घटनास्थल से भाग गए। बादामी बाग में सब्जी मंडी पुल के पास हुई मुठभेड़ में एक और संदिग्ध मारा गया।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में विवादास्पद धार्मिक विद्वान इंजीनियर मिर्जा गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के धार्मिक विद्वान इंजीनियर मोहम्मद अली मिर्जा को पंजाब प्रांत के झेलम शहर में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उनकी गिरफ्तारी लोक व्यवस्था बनाए रखने (3 एमपीओ) की धारा 3 के तहत की गई है।

खबर के अनुसार मौलवी मोहम्मद अली मिर्जा को झेलम के उपायुक्त के आदेश पर सिटी पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने हिरासत में लिया और बाद में जेल भेज दिया। गिरफ्तारी के बाद अधिकारियों ने उनकी अकादमी भी सील कर दी। यह कार्रवाई धार्मिक समूहों की औपचारिक शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद की गई। इससे पहले मौलवियों के प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त से मुलाकात कर इंजीनियर मिर्जा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। इंजीनियर मोहम्मद अली मिर्जा के यू-ट्यूब चैनल पर 31 लाख सब्सक्राइबर हैं। वह धार्मिक मुद्दों पर ऑनलाइन व्याख्यान देने के लिए जाने जाते हैं। उनकी बेबाक शैली अकसर विवादों में रही है। इससे पहले मई 2020 में झेलम पुलिस ने एक विवादास्पद व्याख्यान के सिलसिले में उन्हें हिरासत में लिया था। मार्च 2021 में मिर्जा पर जानलेवा हमला भी हो चुका है। डान अखबार के अनुसार झेलम पुलिस ने बताया कि मौलवी इंजीनियर मिर्जा को 30 दिनों के लिए हिरासत में लिया गया है। मिर्जा उन 17 मौलवियों में शामिल हैं, जिनके भाषणों पर पिछले साल मुहर्रम के दौरान झेलम के डिप्टी कमिश्नर ने प्रतिबंध लगा दिया था।

बांग्लादेश मूल के शरीफुल अमेरिकी वायु सेना में ब्रिगेडियर जनरल बने

ढाका (बांग्लादेश)। ढाका स्थित अमेरिकी दूतावास ने फेसबुक पोस्ट में घोषणा की कि शरीफुल एम खान को ब्रिगेडियर जनरल के पद पर पदोन्नत किया गया है। वह अमेरिकी वायुसेना में यह पद हासिल करने वाले पहले बांग्लादेशी-अमेरिकी हैं।

पोस्ट में लिखा गया है, ब्रिगेडियर जनरल शरीफुल एम खान को बधाई। वह अमेरिकी उत्कृष्टता के उदाहरण और बांग्लादेशी-अमेरिकी समुदाय के लिए एक पथप्रदर्शक हैं। खबर के अनुसार, ढाका स्थित अमेरिकी दूतावास ने यह भी लिखा, अमेरिकी वायु सेना में यह पद हासिल करने वाले पहले बांग्लादेशी-अमेरिकी के रूप में ब्रिगेडियर जनरल खान मातृभूमि की रक्षा और अमेरिकी सुरक्षा को आगे बढ़ाने के लिए समर्पण और सेवा के मूल्यों के प्रतीक हैं। ब्रिगेडियर जनरल खान वर्तमान में वर्जीनिया के अर्लिंग्टन स्थित पेंटागन में गोल्डन डोम फॉर अमेरिका के स्टाफ निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। 1997 में संयुक्त राज्य वायु सेना अकादमी से कमीशन प्राप्त ब्रिगेडियर जनरल खान को राष्ट्रीय टोही कार्यालय के साथ अंतरिक्ष नियंत्रण, प्रक्षेपण और उपग्रह संचालन का परिचालन अनुभव है ।

फ्रांस में झील से पानी भरने के दौरान हादसे का शिकार हुआ हेलीकॉप्टर

पेरिस। फ्रांस के रोस्पोर्दन झील से पानी भरने के दौरान एक हेलिकॉप्टर हादसे का शिकार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हेलिकॉप्टर झील से पानी भरने की कोशिश कर रहा था, तभी उसकी टेल (पिछला हिस्सा) पानी में धंस गई। पायलट ने जैसे ही ऊपर उठाने की कोशिश की, मशीन बेकाबू होकर गोल-गोल घूमने लगी। महज कुछ सेकंड में हेलिकॉप्टर हवा में झूलता हुआ सीधा झील में जा गिरा।इस घटना का एक एक वीडियो आया है, जिसमें हेलीकॉप्टर चकरघिन्नी की तरह नाच जाता है और पानी में धड़ाम से गिरता है। झील में गिरे हेलिकॉप्टर की जगह तुरंत ही दूसरे विमान को लगाया गया ताकि आग बुझाने का काम जारी रह सके। फ्रांस इन दिनों लगातार भीषण वाइल्डफायर (जंगल की आग) से जूझ रहा है। अगस्त की शुरुआत में आग ने पेरिस से भी बड़े इलाके को जला डाला था। इन घटनाओं में अब तक 1 की मौत और 13 लोग घायल, जिनमें 11 फायरफाइटर्स शामिल हैं। टक्कर इतनी भयानक थी कि चारों ओर पानी की ऊंची लहरें उठ गईं और मलबा बिखर गया। इस दौरान किनारे खड़े लोगों की चीखें भी गूंजती रहीं। हालांकि चमत्कारिक रूप से पायलट और उनके साथ मौजूद फायरफाइटर दोनों ही सुरक्षित बाहर निकल आए और तैरकर किनारे पहुंच गए। यह हादसा शाम 7 बजे के बाद हुआ, जब वॉटर बॉम्बर हेलिकॉप्टर आग बुझाने के लिए पानी भरने झील में उतरा था। इससे पहले यह हेलिकॉप्टर दिनभर में 27 बार पानी गिराकर करीब 10 हेक्टेयर इलाके को बचा चुका था। अंतिम ट्रिप के दौरान अचानक गड़बड़ी हो गई। इस घटना के एक प्रत्यक्षदर्शी डेविड ने बताया- यह बहुत तेजी से नीचे गिर रहा था। मुझे लगा कि अभी यह जोरदार धमाके से फट जाएगा। जैसे ही फ्लिप हुआ, मशीन हर दिशा में घूमने लगी। स्थानीय प्रशासन ने पायलट और फायरफाइटर की बहादुरी और धैर्य की सराहना की।

बलोच लिबरेशन आर्मी के ऑपरेशन हेरोफ की वर्षगांठ पर बलोचिस्तान में झड़पें, पाक के सैनिकों के मारे जाने का दावा

क्वेटा, 26 अगस्त (एजेंसियां)।

बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के ऑपरेशन हेरोफ की पहली वर्षगांठ पर सोमवार को बलोचिस्तान के कई जिलों में सशस्त्र झड़पें हुई हैं। राजमार्गों की नाकेबंदी और कड़े प्रतिबंध लगाए गए। मस्तुंग जिले में आमच बांध के पास पाकिस्तान की सेना और बलोच लड़ाकों के बीच भीषण झड़पें हुईं। स्थानीय सूत्रों ने दावा किया कि कई सैनिक मारे गए और अनेक घायल हो गए। हेलीकॉप्टरों को शवों और घायल कर्मियों को क्वेटा ले जाते देखा गया। इलाके में अतिरिक्त सैनिकों को तैनात किया गया है।

सूत्रों के हवाले प्रसारित अपनी खबर में यह जानकारी दी। बताया गया कि बलोच लड़ाकों ने सोमवार रात क्वेटा के पास मस्तुंग के दश्त इलाके में चौकियां स्थापित कीं। इससे पहले दिन में हथियारबंद लोगों ने मस्तुंग जिले के कडकोचा में नाकाबंदी की। इस कारण कई घंटों तक यातायात बाधित रहा।

केच जिले के कलातुक इलाके में लड़ाकों ने मुख्य राजमार्ग पर एक चौकी स्थापित की। इस दौरान लेवी के जवानों को कुछ देर के लिए हिरासत में रखा गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रिहा होने से पहले उनके हथियार छीन लिए गए। हथियारबंद लोग कई घंटों तक सड़क पर वाहनों की तलाशी लेते रहे। इस बीच, सिबी के मिथरी इलाके में एक सुरक्षा चौकी पर हमला हुआ। तुरबत शहर में नाकाबंदी कर रहे पाकिस्तान के बलों को निशाना बनाकर एक ग्रेनेड विस्फोट किया गया। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि कम से कम दो जवान मारे गए या घायल हुए। इस बीच, पाकिस्तान ने बलोचिस्तान में सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए हैं और कुछ प्रतिबंध लगाए हैं। पाकिस्तान रेलवे ने पुष्टि की है कि क्वेटा और पेशावर के बीच जफर एक्सप्रेस का संचालन दो दिनों के लिए रोक दिया गया है। यह ट्रेन भी क्वेटा से पेशावर नहीं जाएगी। बसीमा में रात 10:00 बजे से सुबह 5:00 बजे तक ग्रीन चौक और दुरोग के बीच सभी प्रकार की आवाजाही रोक दी गई। केच के नसीराबाद इलाके में बाजार कई दिनों से बंद हैं। 10 अगस्त को सहायक आयुक्त अफजल बाकी और उनके बेटे के अपहरण के बाद से जियारत में एक हफ्ते से भी अधिक समय से कर्फ्यू जैसे प्रतिबंध लगे हुए हैं। दुकानें, स्कूल और कॉलेज बंद हैं। कई जिलों में इंटरनेट, मोबाइल और बैंकिंग सेवाएं पहले से निलंबित हैं।

ऑपरेशन हेरोफ क्या है

बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने 25 अगस्त 2024 की शाम ऑपरेशन हेरोफ शुरू किया था। इसे बलोचिस्तान को पुनः प्राप्त करने के लिए एक बहुचरणीय प्रतिरोध अभियान का पहला चरण बताया। बलोची और ब्राहुई भाषाओं में हेरोफ शब्द का अर्थ काला तूफान होता है। मजीद ब्रिगेड, स्पेशल टैक्टिकल ऑपरेशंस स्क्वॉड (एसटीओएस) और फतेह स्क्वॉड सहित समूह की विशेष इकाइयों के सैकड़ों लड़ाकों ने इसमें हिस्सा लिया। यह अभियान लगभग बीस घंटे तक चला और इसने अस्थायी रूप से क्षेत्र के बड़े हिस्से पर नियंत्रण स्थापित कर दिया। बीएलए ने तब इस अवधि में 130 से अधिक पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराने का दावा करते हुए मकरान से कोह-ए-सुलेमान तक के प्रमुख राजमार्गों के साथ-साथ सरकारी प्रतिष्ठानों पर भी कब्जा करने की बात कही। इस अभियान के दौरान 14 जिलों में एक साथ पुलिस और लेवी स्टेशनों पर धावा बोला गया। हथियार छीन लिए गए। रेलवे पुल नष्ट कर दिए गए और प्रमुख सड़कें अवरुद्ध कर दी गईं। विश्लेषकों ने इस हमले को बलूच विद्रोह के इतिहास की सबसे बड़ी समन्वित कार्रवाई बताया था। तब से बीएलए अपने अभियान को अंजाम दे रहा है।

ट्रंप की भी नहीं सुन रहे नेतन्याहूः सीरिया के कई इलाकों पर इजरायल ने किया कब्जा

तेलअवीव, 26 अगस्त (एजेंसियां)। हमास से भिड़ने के साथ साथ इजरायल सीरिया से भी भिड़ गया है। इजरायल ने 60 सैनिक भेजकर सीरिया के कई इलाकों कब्जा कर लिया है। सीरिया के विदेश मंत्रालय ने आरोप लगाया कि इजरायल ने माउंट हर्मोन के आसपास सीरियाई सीमा में घुसकर करीब 60 सैनिक भेजे और कई इलाकों पर कब्जा कर लिया। यही नहीं, इजरायली सैनिकों ने 6 सीरियाई नागरिकों को भी गिरफ्तार किया। इस बीच सीरिया के राष्ट्रपति ने अमेरिका से गुहार लगाई है। बताया ये भी जा रहा है कि इजरायल के पीएम नेतन्याहू इस वक्त यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भी नहीं सुन रहे हैं।

सीरिया ने इस कार्रवाई को अपनी संप्रभुता का खुला उल्लंघन और क्षेत्रीय शांति के लिए सीधा खतरा बताया है। विदेश मंत्रालय ने कड़े लहजे में कहा कि इजरायल का यह कदम खतरनाक बढ़ोतरी है। वहीं, इजरायल की ओर से इस पूरे घटनाक्रम पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। घटना उस जगह हुई है जो लेबनान बॉर्डर के नजदीक है और हथियारों की तस्करी के लिए कुख्यात रही है। यहां से ईरान समर्थित हिज्बुल्लाह और फिलीस्तीनी उग्रवादी धड़ों के लिए हथियारों का नेटवर्क चलता रहा है। यही वजह है कि इजरायल इस इलाके को अपनी सुरक्षा के लिए सीधा खतरा मानता है। इजरायली सेना ने पिछले हफ्ते ही फुटेज जारी किया था, जिसमें दक्षिण सीरिया में हथियार भंडारण केंद्रों को खोजने का दावा किया गया था। इसके बाद सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शर्रा ने दमिश्क में अमेरिकी विशेष दूत थॉमस बैरक से मुलाकात की। राष्ट्रपति कार्यालय के बयान के अनुसार, बातचीत में सीरिया और क्षेत्रीय हालात पर चर्चा हुई। इससे एक दिन पहले बैरक ने यरुशलम में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात कर सीरिया और लेबनान पर विचार-विमर्श किया था। अमेरिकी मध्यस्थता में सीरियाई और इजरायली अधिकारियों के बीच दक्षिण सीरिया में संघर्ष कम करने पर बातचीत चल रही है। यह कूटनीतिक गतिविधियां क्षेत्रीय स्थिरता और तनाव घटाने की दिशा में अहम मानी जा रही हैं।

महत्त्वपूर्ण बात यह है कि सीरिया और इजरायल के बीच अमेरिका की मध्यस्थता में दक्षिण सीरिया में संघर्ष कम करने की बातचीत चल रही थी। दमिश्क को उम्मीद थी कि सुरक्षा समझौते के जरिये भविष्य में राजनीतिक बातचीत का रास्ता खुलेगा। लेकिन अब इजरायल की इस कार्रवाई से बातचीत पर बड़ा साया पड़ गया है। सीरिया का कहना है कि इजरायल ट्रंप प्रशासन से करीबी रिश्ते का फायदा उठाकर लगातार दखलअंदाजी कर रहा है। मगर यह दोस्ती भी सीरिया को कब्जे से नहीं बचा सकी। इससे सीरिया की संप्रभुता को चुनौती मिली है। लेबनान और फिलीस्तीनी धड़ों के साथ तनाव और बढ़ सकता है।

व्हाइट हाउस में ट्रंप ने किया द. कोरिया के नए राष्ट्रपति ली जे म्यंग का स्वागत

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति ली जे म्यंग का स्वागत किया। दोनों नेताओं के बीच व्यापार और रक्षा सहयोग को लेकर अहम वार्ता हुई। बैठक से कुछ घंटे पहले ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दावा किया कि दक्षिण कोरिया में पर्ज या क्रांति हो रही है और चेतावनी दी कि वे सियोल के साथ व्यापार नहीं करेंगे। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि ट्रंप का संकेत किस ओर था। दक्षिण कोरिया पिछले कई महीनों से राजनीतिक उथल-पुथल का सामना कर रहा है। पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल को पिछले दिसंबर मार्शल लॉ लगाने के बाद पद से हटा दिया गया था, जिसके बाद देश में सत्ता परिवर्तन हुआ। इस मुलाकात से पहले उम्मीद जताई जा रही थी कि दोनों नेता जुलाई में हुए व्यापार समझौते के विवरण को स्पष्ट करेंगे। इस डील के तहत सियोल ने अमेरिका में सैकड़ों अरब डॉलर के निवेश का वादा किया था। समझौते के अनुसार दक्षिण कोरियाई वस्तुओं पर 15 प्रतिशत टैरिफ तय किया गया, जबकि ट्रंप ने पहले 25 प्रतिशत तक शुल्क लगाने की धमकी दी थी।

ट्रंप ने फेडरल रिजर्व बोर्ड की गवर्नर लिसा कुक को बर्खास्त किया

वाशिंगटन, 26 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को घोषणा की कि उन्होंने फेडरल रिजर्व बोर्ड की गवर्नर लिसा कुक को बर्खास्त कर दिया है। इसे अमेरिकी केंद्रीय बैंक के ब्याज दरों में कटौती से इनकार करने पर उसकी स्वतंत्रता पर हमलों का अभूतपूर्व कदम माना जा रहा है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट बर्खास्तगी पत्र में फेडरल हाउसिंग फाइनेंस एजेंसी के निदेशक बिल पुल्टे के आरोपों का हवाला दिया कि लिसा कुक ने गृह ऋण के आवेदनों में झूठे बयान दिए।

खबर में इस घटनाक्रम पर विस्तार से चर्चा की गई है। बताया गया है कि यह पत्र न्याय विभाग के पुल्टे के दावे के कारण कुक की जांच करने की बात कहने के चार दिन बाद आया है। कुक ने सोमवार को एक बयान में कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने मुझे कारण बताकर बर्खास्त करने का दावा किया है, जबकि कानून के तहत कोई कारण मौजूद नहीं है और उनके पास ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं है। फेडरल रिजर्व गवर्नर के रूप में सेवा करने वाली पहली अश्वेत महिला कुक ने कहा, मैं इस्तीफा नहीं दूंगी। मैं 2022 से अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मदद के लिए अपने कर्तव्यों का पालन कर रही हूं।

सनद रहे कुक की नियुक्ति पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने की थी। उन्होंने अदालत में अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए हाई प्रोफाइल वकील एब्बे लोवेल को नियुक्त किया है। वकील लोवेल ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर हमला करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है और एक बार फिर उनकी धमकाने की प्रतिक्रिया दोषपूर्ण है और उनकी मांगों में किसी भी उचित प्रक्रिया, आधार या कानूनी अधिकार का अभाव है। लोवेल ने कहा, हम राष्ट्रपति की अवैध कार्रवाई को रोकने के लिए हर जरूरी कदम उठाएंगे। फेडरल रिजर्व के प्रवक्ता ने ट्रंप के पत्र पर तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। जानकार कहते हैं कि उच्चतम न्यायालय अंततः इस पर फैसला सुना सकता है कि उनकी बर्खास्तगी वैध है या नहीं। यदि यह निर्णय बरकरार रहता है तो ट्रंप फेड बोर्ड का नये सिरे से गठन कर सकते हैं।

सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन (डेमोक्रेटिक-मैसाचुसेट्स) ने सोमवार रात एक बयान में कहा, लिसा कुक को बर्खास्त करने का अवैध प्रयास एक हताश राष्ट्रपति का अमेरिकियों के लिए लागत कम करने में अपनी विफलता को छुपाने के लिए बलि का बकरा ढूंढने का नवीनतम उदाहरण है। सीनेट बैंकिंग, आवास और शहरी मामलों की समिति की वरिष्ठ सदस्य वॉरेन ने कहा, यह फेडरल रिजर्व अधिनियम का स्पष्ट उल्लंघन है और इसे अदालत में पलट दिया जाना चाहिए। वित्तीय सलाहकार फर्म रेमंड जेम्स के प्रबंध निदेशक एडवर्ड मिल्स ने कहा कि कुक को बर्खास्त करने का ट्रंप का कदम केंद्रीय बैंक की स्वतंत्रता के लिए एक अभूतपूर्व क्षण है, जो मौद्रिक नीति निर्णयों पर सीधे प्रभाव डालने के व्हाइट हाउस के बढ़ते अभियान का संकेत देता है। मिल्स ने कहा, बाजार फेड की स्वतंत्रता पर इस हमले को नकारात्मक रूप से देख सकते हैं, जिससे भविष्य की नीतिगत दिशा को लेकर अनिश्चितता बढ़ सकती है।

ऑस्ट्रेलिया ने ईरान से तोड़े संबंध, राजदूत को निष्कासित किया, तेहरान में दूतावास बंद करने की घोषणा

कैनबरा, 26 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने ईरान से राजनयिक संबंध तोड़ने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ईरान सरकार ने ऑस्ट्रेलिया में यहूदी समुदाय पर कम से कम दो हमले करवाए। यह हमले मेलबर्न स्थित एडास इजराइल सिनेगॉग और सिडनी स्थित लुईस कॉन्टिनेंटल किचन पर हुए थे। अल्बानीज ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में ईरानी राजदूत को निष्कासित कर दिया गया है। साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने तेहरान में अपना दूतावास बंद कर दिया है। अल्बानीज ने यह घोषणा मंगलवार दोपहर संसद भवन में संवाददाता सम्मेलन में की।

ऑस्ट्रेलिया के समाचार पत्र द एज की खबर के अनुसार, संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री के साथ ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा खुफिया संगठन (एएसआईओ) प्रमुख माइक बर्गेस, विदेशमंत्री पेनी वोंग और गृहमंत्री टोनी बर्क मौजूद रहे। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा कि तेहरान में तैनात अपने राजनयिकों को अन्य देशों में भेज दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया सरकार अब ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को आतंकवादी संगठन घोषित करने के लिए कानून बनाएगी।

उन्होंने कहा कि लुईस कॉन्टिनेंटल किचन और एडास इजराइल सिनेगॉग को पिछले साल क्रमशः अक्टूबर और दिसंबर में निशाना बनाया गया था। इस दौरान आग लगने से सिनेगॉग और किचन दोनों को काफी नुकसान पहुंचा था। सौभाग्य से हमलों में कोई हताहत नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि संभवतः ईरान ने और भी हमले किए होंगे।

एएसआईओ प्रमुख माइक बर्गेस ने कहा कि ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर यहूदी विरोधी हमलों में अपनी संलिप्तता छुपाने की कोशिश भी की। बर्गेस ने कहा, हमने दर्जनों घटनाओं की जांच की है। हमारा आकलन यह है कि ईरानी सरकार ने ऑस्ट्रेलिया में यहूदी हितों पर कम से कम दो हमले किए।

विदेशमंत्री पेनी वोंग ने कहा कि ईरानी राजनयिकों के पास देश छोड़ने के लिए सात दिन का समय होगा। उन्होंने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह पहली बार है जब किसी राजदूत को ऑस्ट्रेलिया से निष्कासित किया गया है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की धरती पर यह किसी विदेशी राष्ट्र की आक्रामकता की सीमा पार करना है। इसीलिए ऑस्ट्रेलिया में ईरान के राजदूत को अवांछित व्यक्ति घोषित कर दिया है। वोंग ने कहा कि ईरान ने ऐसा करके ऑस्ट्रेलियाई समुदाय को विभाजित करने की कोशिश की है। गृहमंत्री टोनी बर्क ने घोषणा की कि ईरान ने ऑस्ट्रेलिया में यहूदी हितों पर हमले करवाकर यहूदी-विरोधी भावना से प्रेरित होकर काम किया। सरकार इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प को आतंकवादी संगठन घोषित करने के लिए आपराधिक संहिता के तहत एक नई व्यवस्था लागू करेगी। बर्क ने कहा, यह हमारे समाज पर एक अभूतपूर्व हमला है।

बीडब्ल्यूएफ बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप : पहले ही दौर में हारे लक्ष्य सेन, विश्व नंबर-1 शी यू ची से मिली हार

पेरिस, 26 अगस्त (एजेंसियां) ।

भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन का बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 का अभियान निराशाजनक ढंग से समाप्त हो गया। पुरुष एकल के पहले ही दौर में उन्हें विश्व नंबर-1 और शीर्ष वरीय चीन के शी यू ची के हाथों सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा।

24 वर्षीय लक्ष्य, जो 2021 में कांस्य पदक जीत चुके हैं, ने सोमवार को कड़ा मुकाबला किया लेकिन अंततः 17-21, 19-21 से 54 मिनट में पराजित हुए। मैच के दौरान उन्होंने कई लंबी रैलियों में दमदार खेल दिखाया, लेकिन अहम मौकों पर शी की मजबूत डिफेंस और तेज स्मैश को भेदने में असफल रहे। लक्ष्य सेन इस टूर्नामेंट में ओलंपिक 2024 की चौथे स्थान वाली निराशा को पीछे छोड़ने के इरादे से उतरे थे, लेकिन शुरुआती दौर में ही फॉर्म में चल रहे शी यू ची से भिड़ना उनके लिए मुश्किल साबित हुआ। चीनी खिलाड़ी जनवरी 2024 से अब तक खेले गए नौ फाइनल में अपराजित रहे हैं और अपने शानदार खेल से उन्होंने इस मुकाबले पर भी दबदबा बनाए रखा। इस जीत के साथ शी ने लक्ष्य पर अपना आमने-सामने का रिकॉर्ड 4-1 कर लिया।

पहले गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार रैलियों से दर्शकों को बांधे रखा। एक 47 शॉट की लंबी रैली लक्ष्य की गलती पर खत्म हुई और शी ने बढ़त बना ली। हालांकि लक्ष्य ने बीच में वापसी करते हुए 11-11 की बराबरी की, लेकिन उसके बाद चीनी खिलाड़ी ने लगातार आक्रामक स्मैश से बढ़त हासिल कर पहला गेम 21-17 से जीत लिया।

दूसरे गेम में लक्ष्य ने अच्छी शुरुआत की और 5-5 तक मुकाबला बराबरी पर रहा। लेकिन शी ने अपनी गति और विविध शॉट्स से बढ़त बनानी शुरू कर दी। उनकी 414 किमी/घंटा की रफ्तार वाली स्मैश ने मुकाबले का रुख तय कर दिया। हालांकि लक्ष्य ने स्कोर 16-17 तक पहुंचाकर जोरदार वापसी की कोशिश की, लेकिन निर्णायक क्षणों में लगातार दो अनफोर्स्ड एरर ने उन्हें हार की ओर धकेल दिया। अंततः शी ने दूसरा गेम 21-19 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

महिला युगल में भी हार

भारत की पांडा बहनें — रुतुपर्णा और स्वेतापर्णा — भी पहले दौर में हारकर बाहर हो गईं। उन्हें बुल्गारिया की स्टोएवा बहनों — गैब्रिएला और स्टेफानी — ने 21-12, 21-11 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

यूएस ओपन में पहले दौर की हार के बाद दो बार की विंबलडन चैंपियन पेट्रा क्वितोवा ने टेनिस को कहा अलविदा

न्यूयॉर्क। दो बार की विंबलडन विजेता और पूर्व विश्व नंबर-2 चेक गणराज्य की स्टार टेनिस खिलाड़ी पेट्रा

क्वितोवा ने यूएस ओपन 2025 के पहले दौर में हार के बाद पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लिया। सोमवार को फ्लशिंग मीडोज़ में खेले गए पहले राउंड में क्वितोवा को फ्रांस की डायेन पेरी के हाथों 6-1, 6-0 की हार झेलनी पड़ी। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में 35 वर्षीय बाएं हाथ की खिलाड़ी ने भावुक होते हुए अपने करियर को अलविदा कहा। मैच के बाद कोर्ट पर क्वितोवा की आंखों से आंसू छलक पड़े और उन्होंने अपने पति व कोच जीरी वानेक को गले लगाया। दोनों पिछले साल जुलाई में बेटे पेत्र के माता-पिता बने थे, जिसके बाद क्वि तोवा 17 महीने के अंतराल के बाद इस साल कोर्ट पर लौटी थीं। क्वितोवा ने इस साल की शुरुआत में ही घोषणा कर दी थी कि वह यूएस ओपन के बाद टेनिस से संन्यास लेंगी। अपने शानदार करियर में क्वितोवा ने 2011 और 2014 में विंबलडन खिताब जीता। 2019 में वह ऑस्ट्रेलियन ओपन की उपविजेता रहीं और विश्व रैंकि ंग में नंबर-2 तक पहुंचीं। दिसंबर 2016 में क्वितोवा के करियर पर संकट तब आया जब एक हमलावर ने उनके घर में घुसकर चाकू से हमला कर दिया था। उनकी बायीं हाथ की कलाई और उंगलियों की सर्जरी करनी पड़ी थी। इसके बावजूद वह महज छह महीने बाद फ्रेंच ओपन में कोर्ट पर लौटीं और अपने पहले ही मैच में जीत हासिल की। अपने करियर को याद करते हुए क्वितोवा ने कहा - मैं कई बातों पर गर्व महसूस करती हूं। खासकर मानसिक मजबूती पर। चोटो और बीमारियों के बावजूद हमेशा टॉप-10 में बने रहना मेरे लिए खास उपलब्धि है ।

अमेरिकी ओपन में मुचोवा से हारीं वीनस

न्यूयॉर्क। दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी वीनस विलियम्स को अमेरिकी ओपन टेनिस के पहले ही

दौर में हार का सामना करना पड़ा है। चैक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा के खिलाफ महिला एकल मुकाबलों में 6-3, 2-6, 6-1 की हार के साथ ही वीनस टूर्नामेंट से बाहर हो गयीं। मुचोवा ने सात बार की ग्रैंड स्लैम विजेता वीनस विलियम्स को 2 घंटे तक चले मुकाबले में लगातार दो सेटों में हराया। 45 साल की वीनस मैच में टिक नहीं पायीं। शुरुआती गेम में उनकी सर्विस टूटी गई और वह जल्दी ही 0-2 से पिछड़ गईं। उन्हें अपने दूसरे सर्विस गेम में तीन ब्रेकअंक का सामना करना पड़ा, जिससे शुरुआत में ही डबल ब्रेक से पिछड़ने का खतरा था पर उन्होंने तीनों बचा लिए और लगातार तीन गेम जीतकर 3-2 की बढ़त हासिल कर ली, वह अगले चार गेम हारकर पहला सेट हार गईं। उन्होंने पहले गेम में सात डबल फॉल्ट किए। वहीं दूसरे सेट में उन्होंने शुरुआती गेम में मुचोवा की सर्विस तोड़ी और अच्छी वापसी की। उन्होंने 10 विनर लगाए और एक सिर्फ एक डबल फॉल्ट किया। तीसरे सेट में वीनस की लय कमजोर पड़ गई, जिससे मुचोवा ने नियंत्रण हासिल कर लिया और जीत हासिल कर ली। मुचोवा के खिलाफ वह अपना 101वां यूएस ओपन एकल मैच खेल रही थी। जिसमें से उन्होंने 79 जीते हैं।

पुजारा के साथ वेस्टइंडीज में हुई थी लूट

नई दिल्ली। हाल में क्रिकेट के सभी प्रारुपों से संन्यास लेने वाले बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा के साथ एक बार

वेस्टइंडीज दौरे में लूट भी हुई थी। ये बात उस समय की है। जब पुजारा इंडिया ए टीम में शामिल थे, इस टीम ने साल 2012 में वेस्टइंडीज का दौरा किया था। तब रोहित शर्मा सहित कई खिलाड़ियों ने पुजारा को अकेले जाने पर रोकने का प्रयास किया था पर वह नहीं माने थे। रोहित के अनुसार दूसरे खिलाड़ियों की सलाह को नजरअंदाज करना पुजारा को भारी पड़ गया। रोहित ने कहा कि हम त्रिनिदाद और टोबैगो में थे और एक रात मैं एक फिजियो के साथ बाहर गया था क्योंकि मैं शाकाहारी हूं तो वेजिटेरियन रेस्टोरेंट की तलाश कर रहा था। रात के लगभग 11 बज चुके थे। हमें कोई खाना नहीं मिला और वापस लौटते समय अचानक मेरे साथ लूटपाट हो गई। रोहित ने जब ये बात बतायी तो पुजारा भी वहीं मौजूद थे। रोहित ने कहा कभी-कभी पुजारा जिद पर अड़ जाता था। हमने उससे कहा थाक कि रात 9 बजे के बाद बाहर मत निकलना। यह वेस्टइंडीज है पर वह माना नहीं और उसके साथ लूट हो गयी। पुजारा ने 24 अगस्त को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया 37 साल के पुजारा ने भारत के लिए 103 टेस्ट मैच में 19 शतकों के साथ 7195 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 43 से ज्यादा का रहा।

दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट 28 अगस्त से, शुभमन, श्रेयस और यशस्वी सहित कई सीनियर खिलाड़ी उतरेंगे

बेंगलुरू, 26 अगस्त (एजेंसियां) ।

यहां 28 अगस्त से शुरु हो रहे दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट में शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, यशस्वी जायसवाल और कुलदीप यादव सहित कई अन्य अनुभवी खिलाड़ी भी उतरेंगे। इस टूर्नामेंट में पांच टीमें भाग लेंगी। उत्तर क्षेत्र, पूर्व क्षेत्र और मध्य क्षेत्र और उत्तर पूर्व क्षेत्र की टीमें दो क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में आमने-सामने होंगी। इन दोनों क्वालीफाइंग टीमों का सामना सेमीफाइनल में दक्षिणी क्षेत्र और पश्चिमी क्षेत्र से होगा। पश्चिम क्षेत्र की ओर से शार्दुल ठाकुर, श्रेयस अय्यर, यशस्वी जायसवाल और रुतुराज गायकवाड़ खेलेंगे जबकि दक्षिण क्षेत्र की ओर से तिलक वर्मा, देवदत्त पडिक्कल और आर साई किशोर नजर आयेंगे। वहीं ध्रुव जुरेल, रजत पाटीदार और कुलदीप यादव मध्य क्षेत्र की टीम में हैं जबकि ईशान किशन, मोहम्मद शमी और रियान पराग पूर्वी क्षेत्र से उतरेंगे। उत्तर क्षेत्र की टीम में शुभमन गिल के अलावा अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा भी शामिल हैं। शुभमन टीम की कप्तानी भी करेंगे।

दलीप ट्रॉफी में भाग लेने वाली टीमें इस प्रकार हैं :

दक्षिण क्षेत्र की टीम: तिलक वर्मा (कप्तान), मोहम्मद अजहरुद्दीन (उप-कप्तान), तन्मय अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल, मोहित काले, सलमान निजार, नारायण जगदीसन, त्रिपुराना विजय, आर साई किशोर, तनय त्यागराजन, विजयकुमार वैश्यक, निधिश एमडी, रिकी भुई, बासिल एनपी, गुरजापनीत सिंह, स्नेहल कौथंकर

पूर्वी क्षेत्र की टीम: ईशान किशन (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन (उप-कप्तान), संदीप पटनायक, विराट सिंह, डेनिश दास, श्रीदाम पॉल, शरणदीप सिंह, कुमार कुशाग्र, रियान पराग, उत्कर्ष सिंह, मनीषी, सूरज सिंधु जयसवाल, मुकेश कुमार, आकाश दीप, मोहम्मद शमी

पश्चिम क्षेत्र की टीम: शार्दुल ठाकुर (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, आर्या देसाई, हार्विक देसाई (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, सरफराज खान, रुतुराज गायकवाड़, जयमीत पटेल, मनन हिंगराजिया, सौरभ नवाले (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, धर्मेंद्रसिंह जडेजा, तुषार देशपांडे, अर्जन नागवासवाला

उत्तर क्षेत्र की टीम: शुभमन गिल (कप्तान), शुभम खजूरिया, अंकित कुमार (उपकप्तान), आयुष बडोनी, यश ढुल, अंकित कलसी, निशांत संधू, साहिल लोत्रा, मयंक डागर, युद्धवीर सिंह चरक, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज, औकिब नबी, कन्हैया वधावन

मध्य क्षेत्र टीम: ध्रुव जुरेल (कप्तान/विकेटकीपर), रजत पाटीदार, आर्यन जुयाल, दानिश मलेवार, संजीत देसाई, कुलदीप यादव, आदित्य ठाकरे, दीपक चाहर, सारांश जैन, आयुष पांडे, शुभम शर्मा, यश राठौड़, हर्ष दुबे, मानव सुथार, खलील अहमद

उत्तर पूर्व क्षेत्र: रोंगसेन जोनाथन (कप्तान), अंकुर मलिक, जाहू एंडरसन, आर्यन बोरा, तेची डोरिया, आशीष थापा, सेडेझाली रुपेरो, कर्णजीत युमनाम, हेम छेत्री, पलजोर तमांग, अर्पित सुभाष भटेवरा (विकेटकीपर), आकाश चौधरी, बिश्वोरजीत कोंथौजाम, फेइरोइजाम जोतिन, अजय लामाबाम सिंह।

भारतीय क्रिकेट टीम के मसाज थैरेपिस्ट राजीव कुमार हटाये गये

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के सपोर्ट स्टाफ के एक सदस्य को 9 साल तक काम करने के बाद भी बाहर कर दिया गया है। ये हैं मसाज थैरेपिस्ट राजीव कुमार राजीव कुमार ने कई विश्व कप, एशिया कप और चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के साथ काम किया है। इस मसाज थैरेपिस्ट ने विराट कोहली और रोहित शर्मा सहित कई बड़े क्रिकेटर्स को दर्द से राहत दिलायी है। मैच के बाद खिलाड़ी अपनी अकड़ती और दर्द करती मांसपेशियों को आराम देने के लिए सबसे पहले राजीव से ही मिलते थे। सत्र के बाद राजीव खिलाड़ियों के लिए एनर्जी ड्रिंक बनाना शुरू करते थे। वह उस टीम का हिस्सा थे जो मैदान के चारों कोनों पर बाउंड्री रोप के बाहर तैनात रहते थे जिससे फील्डिंग के दौरान टीम की सहायता कर सके और यह सुनिश्चित कर सके कि उन्हें बाउंड्री के पार गई गेंदों को वापस न लेना पड़े। इस तरह फील्डर तरोताजा रहते थे और ओवर रेट भी बना रहता था! राजीव की टीम के तेज गेंदबाजों के साथ अच्छा तालमेल था। साल 2019 में मोहम्मद शमी ने ईशांत शर्मा और राजीव कुमार के साथ जन्मदिन मनाती तस्वीरें साझा की थी। राजीव से पहले भी सहयोगी स्टाफ के कई सदस्य पहले ही हटा दिये गये थे।

मैच फिक्सिंग मामले में बांग्लादेशी क्रिकेटर सब्बीर दोषी पाये गये पांच साल का प्रतिबंध लगेगा

ढाका, 26 अगस्त (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश के क्रिकेटर मिन्हाजुल अबेदीन सब्बीर मैच फिक्सिंग मामले में फंसे हैं जिसके लिए इस क्रिकेटर पर पांच साल का प्रतिबंध लग सकता है। क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की एंटी करप्शन यूनिट यानी एसीयू ने सब्बीर को मैच फिक्सिंग का दोषी पाया है। सब्बीर पर ढाका प्रीमियर लीग के पिछले सत्र में मैच फिक्सिंग के आरोप लगे थे। सब्बीर को अब पांच साल का प्रतिबंध झेलना होगा। इससे उनका करियर समाप्त होना तय है। अप्रैल में ही उन पर लगे आरोपों की जांच शुरू हो गई थी।

यह सिफारिश इस वर्ष की शुरुआत में ही शाइनपुकुर क्रिकेट क्लब और गुलशन क्रिकेट के बीच हुए डीपीएल मैच में एसीयू द्वारा की गई जांच के बाद आई है, जिसमें दो विवादास्पद फैसलों को लेकर सवाल उठाए गए थे। एक रिपोर्ट के अनुसार उस मैच के 36वें ओवर में ओपनर रहीम अहमद बाएं हाथ के स्पिनर निहादुज्जमां की गेंद पर क्रीज से बाहर निकल गए और स्टंप आउट हो गए। हैरानी की बात ये थी कि उन्होंने लौटने की कोशिश तक नहीं की। इसके अलावा दूसरा मामला सब्बीर से जुड़ा है। मैच के 44वें ओवर में भी ऐसा ही कुछ हुआ, जब मिन्हाजुल अबेदीन सब्बीर गार्ड लेने के बाद क्रीज से आगे निकल गए, जिससे गुलशन के विकेटकीपर महिदुल इस्लाम अंकोन ने आसानी से स्टंपिंग कर दी। एसीयू दस्तावेजों के अनुसार, सब्बीर को संदिग्ध सट्टेबाजों के साथ संपर्क करके और संपर्कों की रिपोर्ट करने में विफल रहने के कारण बीसीबी की भ्रष्टाचार निरोधक संहिता की कई धाराओं का उल्लंघन करते पाया गया। ये मामला अब एंटी करप्शन कोर्ट में है। एसीयू की रिपोर्ट में कहा गया है, हम सब्बीर प) सभी प्रकार के क्रिकेट से कम से कम पांच वर्ष का प्रतिबंध लगाने की सिफारिश कर रहे हैं। इससे पता चलेगा की बोर्ड इस प्रकार भ्रष्टाचार के मामलों को सहन नहीं करता।

मेरठ मैवरिक्स पर जीत से कानपुर सुपरस्टार्स प्लेऑफ की दौड़ में बरकरार

लखनऊ। कप्तान समीर रिज़वी की शानदार बल्लेबाजी से कानपुर सुपरस्टार्स ने यूपी टी20 लीग में सत्र का अपना पहला मैच जीतकर प्लेऑफ़ के लिए अपनी दावेदारी बरकरार रखी है। रिज़वी ने लगातार दूसरी बार अर्धशतक लगाया और रिंकू सिंह ही मेरठ मैवरिक्स के खिलाफ अपनी टीम को जीत दिलाई। रिज़वी ने 48 गेंदों पर शानदार 78 रन बनाए, जिसमें 7 चौके और 5 छक्के शामिल थे, और टीम का स्कोर 20 ओवर में 149 रन तक पहुँचाया। मैच में बारिश की बाधा के कारण दूसरी पारी में सिर्फ़ आठ ओवर ही फेंके जा सके। इसके बाद डकवर्थ-लुइस-स्ट्रन (डीएलएस) नियम से मैच का परिणाम तय हुआ। कानपुर सुपरस्टार्स ने काफी गेंदबाज़ी करते हुए मेरठ को शुरुआती ओवरों में दो विकेट पर 41 रन तक ही रोके रखा। ऐसे में अंपायरों ने कानपुर को विजेता घोषित कर दिया। समीर की धमाकेदार बल्लेबाज़ी और तेज़ गेंदबाज़ों की अच्छी गेंदबाज़ी से कानपुर सुपरस्टार्स ने 14 रनों से जीत दर्ज की। समीर को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ़ द मैच का अवॉर्ड मिला। अब कानपुर सुपरस्टार्स का अगला मुकाबला अजेय काशी रुद्रास से होगा। प्लेऑफ में बने रहने उसके लिए ये मैच जीतना भी जरुरी है।

डीपीएल : सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने पुरानी दिल्ली 6 को 104 रनों से हराकर प्लेऑफ में बनाई जगह

नई दिल्ली , 26 अगस्त (एजेंसियां) ।

सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने शानदार ऑलराउंड खेल का प्रदर्शन करते हुए सोमवार रात अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए वर्षा प्रभावित मुकाबले में पुरानी दिल्ली 6 को 104 रनों (डीएलएस विधि) से मात दी और दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के प्लेऑफ में प्रवेश कर लिया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए किंग्स ने 18 ओवर में 5 विकेट खोकर 197 रन बनाए। विकेटकीपर कौशल सुमन (5) के जल्दी आउट होने के बाद ओपनर यश धुल ने एक शानदार अर्धशतक जड़ा और युगल सैनी (28 रन, 20 गेंद) के साथ 57 रनों की अहम साझेदारी की। कप्तान जोंटी सिधु (28 रन, 16 गेंद) और आदित्य भंडारी (17 रन, 11 गेंद) ने भी योगदान दिया। वहीं अंत में आर्यन राणा ने मात्र 14 गेंदों पर नाबाद 42 रनों की आतिशी पारी खेलकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुँचाया। पुरानी दिल्ली 6 की ओर से राजनीश ददर ने 4 ओवर में 40 रन देकर 3 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पुरानी दिल्ली 6 की शुरुआत बेहद खराब रही। मनी ग्रेवाल और अरुण पुंडीर ने शुरुआती झटके दिए और टीम ने पावरप्ले में ही 44/3 का स्कोर बना लिया। इसके बाद बारिश के कारण खेल रुका और लक्ष्य 15 ओवर में 174 रन तय किया गया। लेकिन वापसी के बाद भी टीम की हालत नहीं सुधरी। सिमरजीत सिंह ने देव लाकड़ा (6) और आदित्य मल्होत्रा (0) को पवेलियन भेजकर विपक्ष को और दबाव में डाल दिया। प्रणव पंत (24 रन, 17 गेंद) ने थोड़ी देर संघर्ष किया, लेकिन उनके आउट होते ही पूरी टीम 69 रन पर सिमट गई और सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने 104 रनों की एकतरफा जीत दर्ज की। गेंदबाजी में कप्तान जोंटी सिधु ने 1 ओवर में 2 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि सिमरजीत सिंह ने भी 2 रन देकर 2 विकेट चटकाए। पुंडीर ने 2/28 के आंकड़े के साथ टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

पुरुष एशिया कप हॉकी: दर्शकों को मिलेगी फ्री एंट्री, टिकट होंगे मुफ्त

29 अगस्त से 7 सितंबर तक राजगीर हॉकी स्टेडियम में होगाएशिया कप का आयोजन

नई दिल्ली , 26 अगस्त (एजेंसियां) ।

हॉकी प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को घोषणा की कि हीरो पुरुष एशिया कप राजगीर, बिहार 2025 के सभी मैचों में दर्शकों का प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क होगा। 29 अगस्त से 7 सितंबर तक नव-निर्मित राजगीर हॉकी स्टेडियम में होने वाला यह टूर्नामेंट बिहार की धरती पर हॉकी का ऐतिहासिक उत्सव बनने जा रहा है। प्रशंसक अपनी मुफ्त टिकट पाने के लिए या हॉकी इंडिया ऐप पर पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण के बाद उन्हें वर्चुअल टिकट प्राप्त होगा, जिससे स्टेडियम में प्रवेश सहज और बिना किसी परेशानी के हो सकेगा। इस अवसर पर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा,

राजगीर में हीरो पुरुष एशिया कप की मेजबानी भारतीय हॉकी के लिए ऐतिहासिक क्षण है। हम चाहते हैं कि हर प्रशंसक इस यात्रा का हिस्सा बने। प्रवेश निशुल्क रखने का उद्देश्य खेल को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है ताकि परिवार, छात्र और युवा खिलाड़ी विश्वस्तरीय हॉकी का आनंद ले सकें। यह सिर्फ टूर्नामेंट नहीं, बल्कि खेल का उत्सव है और बिहार के लोग इसके केंद्र में हैं। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी खुशी जाहिर करते हुए कहा,हम बेहद उत्साहित हैं कि सभी मैचों के लिए दर्शकों को निशुल्क प्रवेश मिलेगा। राजगीर ने हॉकी के प्रति जबरदस्त उत्साह दिखाया है और हमें विश्वास है कि दर्शक बड़ी संख्या में स्टेडियम आएंगे। यह पहल पूरे भारत में हॉकी संस्कृति को मजबूत बनाने की दिशा में हमारा संकल्प है। इस टूर्नामेंट में एशिया की शीर्ष आठ टीमें भाग लेंगी — भारत, जापान, चीन, कजाकिस्तान, मलेशिया, कोरिया, बांग्लादेश और चीनी ताइपे। यह टूर्नामेंट एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफायर भी है, जिससे हर मुकाबला और ज्यादा रोमांचक होगा। भारतीय टीम पूल-ए में जापान, चीन और कजाकिस्तान के साथ रखी गई है। भारत 29 अगस्त को चीन के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगा, 31 अगस्त को जापान से भिड़ेगा और 1 सितंबर को कजाकिस्तान से अपना अंतिम पूल मैच खेलेगा।

चानू को राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन में स्वर्ण

अहमदाबाद। भारत की ओलंपिक पदक विजेता भारोत्तोलक मीरा बाई चानू को यहां हुई राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक मिला है। चाने ने यहां स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही ग्लासगो में होने वाले 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए सीधे प्रवेश हासिल किया है। चानू ने 48 किग्रा वर्ग में ये स्वर्ण पदक जीता। चानू ने कुल 193 किग्रा (84 किग्रा स्नैच के अलावा 109 किग्रा क्लीन एंड जर्क) में वजन उठाकर ये स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने स्नैच, क्लीन एंड जर्क और कुल वजन में नए रिकॉर्ड भी स्थापित किए। वहीं मलेशिया की आइरीन हेनरी ने 161 किग्रा भार वर्ग में रजत और वेल्स की निकोल रॉबर्ट्स ने 150 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। पेरिस ओलंपिक के बाद चानू पहली बार किसी मुकाबले में उतरी थीं। जीत के बाद चानू ने कहा, मैं स्वर्ण पदक जीतकर बहुत खुश हूं। पेरिस ओलंपिक के एक साल बाद अपनी ही धरती पर प्रतिस्पर्धा करना और भी विशेष हो जाता है। यह जीत मेरे कोचों के मार्गदर्शन और प्रशंसकों से मिलने वाले प्रोत्साहन का परिणाम है। इससे अक्टूबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए मैरा मनोबल भी बढ़ा है।गौरतब है कि पेरिस ओलंपिक के बाद से ये खिलाड़ी फिट नहीं होने के कारण कई बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले पायीं। पेरिस ओलंपिक में भी चानू पदक हासिल नहीं कर पायी थीं।

आईसीआईसीआई म्यूचुअल फंड ने विदेशी निवेशकों के लिए डेडिटेकेट ब्रांच खोली

नई दिल्ली,26 अगस्त (एजेंसियां)।

विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार में जमकर निवेश करते हैं और कुछ म्यूचुअल फंड में भी उनका निवेश बढ़ रहा है, लेकिन आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने विदेशी निवेशकों के लिए पहली बार एक डेडिटेकेट ब्रांच खोली है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने विदेशी निवेशकों के लिए भारत केंद्रित फंड की घोषणा की है। फंड हाउस ने गिफ्ट सिटी में इसके लिए नया ऑफिस भी खोला गया है।

यह फंड ग्लोबल पूंजी और भारत में निवेश के अवसरों के बीच सेतु का काम करेगा

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेस सेंटर, गिफ्ट सिटी, गुजरात आईएफएससी शाखा में अपनी भी एक शाखा खोली है। आईएफएससी शाखा ने आईएफएससीए के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण के तहत पंजीकरण कराया है। यह शाखा निधि प्रबंधन इकाई (खुदरा) के रूप में पंजीकरण हासिल कर सर्विस उपलब्ध कराएगी। फंड हाउस ने बताया कि आईसीआईसीआई म्यूचुअल फंड की नई ब्रांच से फंड स्कीम की रिटेल योजनाओं और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड यानी ईटीएफ के तहत संपत्ति का मैनेजमेंट किया जा सकेगा। यह फंड ग्लोबल पूंजी और भारत में निवेश के अवसरों के बीच एक ब्रिज का काम करेगा। इसकी मदद से विदेशी निवेश को भारतीय फंड बाजार में आकर्षित किया जा सकेगा। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल फंड हाउस का कहना है कि एएमसी की आईएफएससी शाखा ने भारत के वित्तीय बाजार में अंतर्राष्ट्रीय पूंजी लाने के लिए अपनी पहली प्रबंधित योजना का अनावरण किया है।

न्यूज ब्रीफ

सीबीआईसी ने जीएसटी दरों पर अटकलें न लगाने की दी सलाह

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने हितधारकों से आगामी परिषद की बैठक से पहले वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों पर अटकलों से बचने का आग्रह किया है। कहा- समय से पहले जीएसटी की अटकलें अफवाहों को दे सकती हैं बढ़ावा केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने 'एक्स' पोस्ट पर एक चेतावनी जारी कर जनता और मीडिया से जीएसटी की दरों में संभावित बदलावों पर अटकलें लगाने से बचने का आग्रह किया है। सीबीआईसी ने अपने बयान में स्पष्ट किया कि जीएसटी दरों पर सभी निर्णय जीएसटी परिषद द्वारा सामूहिक रूप से लिए जाते हैं। सीबीआईसी ने लिखा है कि कृपया अनुरोध है कि जीएसटी दरों पर अटकलों से बचें। इस संबंध में निर्णय जीएसटी परिषद द्वारा सामूहिक रूप से लिए जाते हैं, जिसमें केंद्र और राज्य शामिल होते हैं। ऐसे में समय से पहले अटकलें लगाने से निराधार अफवाहें फैलती हैं और बाजार में अस्थिरता पैदा हो सकती है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने उद्योग और जनता को सलाह दी है कि वे 3 और 4 सितंबर, 2025 को होने वाली जीएसटी परिषद की बैठक के बाद आधिकारिक घोषणाओं का इंतजार करें। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की बैठक 3-4 सितंबर को राजधानी नई दिल्ली में होगी। इस बैठक में जीएसटी से जुड़े सुधारों पर चर्चा होगी, जिसमें दो स्लैब वाले जीएसटी ढांचे पर विचार अहम रहेगा। बैठक में तीन मंत्रियों के समूह (जीओएम) की रिपोर्ट्स पर चर्चा होगी।

अगर हर साल एक ईएमआई अलग से चुकाएं तो 25 साल का होम लोन 10 साल में चुक जाएगा

नई दिल्ली। ज्यादातर घर खरीदारों के लिए सबसे बड़ा आर्थिक बोझ होता है होम लोन की ईएमआई चुकाना। शुरूआती सालों में ज्यादातर लोग सोचते हैं कि उनकी किश्तें चुकाने के बाद भी होम लोन कम क्यों नहीं होता है। वजह है कि लोन की शुरुआत में करीब 90 फीसदी ईएमआई ब्याज में चला जाता है और सिर्फ 10 फीसदी मूलधन घटता है। जैसे किसी ने 50 लाख का होम लोन 8.5 फीसदी ब्याज दर पर 25 साल के लिए लिया है। उसकी ईएमआई बनेगी करीब 40,000 रुपए। पहले साल में उसने करीब 4.8 लाख ईएमआई भरी, लेकिन उसमें से केवल 60,000 रुपए ही मूलधन घटा, बाकी 4.2 लाख बैंक को ब्याज में चला गया। यही वजह है कि कई साल तक लोगों को लगता है कि उनका कर्ज कम नहीं हो रहा। सर्टिफाइड फाइनेंशियल प्लानर का कहना है कि थोड़ी-सी समझदारी से आप 25 साल का लोन सिर्फ 10 साल में खत्म कर सकते हैं और लाखों रुपए ब्याज बचा सकते हैं। अगर आप हर साल 40,000 रुपए की एक अतिरिक्त ईएमआई भर दें, तो यह सीधा आपके मूलधन से घटता है। इस कदम से ही लोन की अवधि 25 साल से घटकर 20 साल रह जाती है।

बाजार की कमजोरी के कारण निवेशकों के 3.39 लाख करोड़ रुपए स्वाहा

ट्रंप टैरिफ की आशंका से सहमा शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली,26 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का नोटिफिकेशन जारी किए जाने का असर घरेलू शेयर बाजार पर भी साफ-साफ नजर आया। के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के तुरंत बाद मामूली खरीदारी भी हुई, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बढ़ता चला गया, जिसकी वजह से दोनों सूचकांक जबरदस्त कमजोरी का शिकार हो गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.04 प्रतिशत और निफ्टी 1.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। दिन भर के कारोबार के दौरान एफएमसीजी के अलावा शेष सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। डिफेंस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, रियल्टी और बैंकिंग सेक्टर में जम कर बिकवाली होती रही। इस बिकवाली के कारण निफ्टी का बैंक इंडेक्स 15 मई के बाद के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह फार्मास्यूटिकल, ऑयल एंड गैस और मेटल इंडेक्स भी 1.50 प्रतिशत से अधिक की कमजोरी के साथ बंद हुए। इसके अलावा आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी इंडेक्स 0.59 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.68 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में तीन लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 451.63 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 455.02 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 3.39 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,241 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,219 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,885 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 137 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,767 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 610 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,157 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 5 शेयर बढ़त के साथ और 25 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 8 शेयर हरे निशान में और 42 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 258.52 अंक की कमजोरी के साथ 81,377.39 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद पहले मिनट में ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 81,450.28 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बाजार पर पूरी तरह से बिकवालों का कब्जा हो गया। दोपहर 11 बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाकर बाजार को सहारा देने की कोशिश भी की, लेकिन दोपहर 2 बजे के बाद बिकवाली का दबाव और बढ़ गया, जिससे ये सूचकांक 949.93 अंक टूट कर 80,685.98 अंक तक गिर गया। आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई मामूली खरीदारी के कारण सेंसेक्स निचले स्तर से करीब 100 अंक की रिकवरी करके 849.37 अंक की गिरावट के साथ 80,786.54 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 68.25 अंक फिसल कर 24,899.50 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 24,919.65 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बिकवाली का चौतरफा दबाव बन जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में जोरदार गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के दौरान खरीदार कई बार लिवाली की कोशिश भी करते रहे, लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि खरीदारों की कोई भी कोशिश सफल नहीं हो सकी। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 278.15 अंक लुढ़क कर 24,689.60 अंक तक गिर गया।

जेमफील्ड्स ने नवीनतम नीलामी में 11,685 कैरेट का बवलो पन्ना पेश किया

नई दिल्ली,26 अगस्त (एजेंसियां)।

जेमफील्ड्स ग्रुप ने अपनी नई उच्च-गुणवत्ता वाली एमरैल्ड (पन्ना) नीलामी में इम्बू को पेश किया है। ये नीलामी 25 अगस्त से 11 सितंबर तक चलेगी। इम्बू 11,685 कैरेट के साथ दुनिया की सबसे बड़ी सिंगल पन्ना उत्पादक खदान, कागेम माइनिंग (कागेम) में खोजा गया नवीनतम व सबसे बड़ा नायाब रत्न है।

एड्रियन बैंक्स, जेमफील्ड्स के प्रबंध निदेशक प्रोडक्ट एवं सेल्स ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि इस बड़े रत्न को चमकाने के लिए तेज़ रोशनी की ज़रूरत होती है, फिर भी इम्बू गहरा, हरा रंग दिखाता है, जिसमें सुनहरी चमक और सफाई होती है जो आंखों को आकर्षित करती है।

उन्होंने कहा, यह कल्पना करना आसान है कि इम्बू से कई उच्च-गुणवत्ता वाले कटे हुए पन्ने बन सकते हैं, जो आकार में महत्वपूर्ण हों। बैंक्स ने कहा कि इस तरह का दुर्लभ क्रलेक्शन इस अकेले रत्न से एक पूर्ण उच्च-आभूषण सुइट बना सकता है। ये खोज इसके नए मालिक को न केवल असाधारण रत्नों के स्रोत के रूप में बल्कि एक अनूठे निवेश के रूप में भी आकर्षित कर सकती है, जिसे असाधारण पन्नों के इतिहास में याद किया जाएगा।

इम्बू की खोज से पहले 6,225 कैरेट का इन्सोफु ('एलीफेंट' 2010), 5,655 कैरेट का इंकालामु ('लायन' 2018), और 7,525 कैरेट का चिपेम्बेले ('राइनो' 2021) शामिल हैं। 2,337 ग्राम यानी 11,685 कैरेट- वजन के साथ, इम्बू कागेम में अब तक की सबसे बड़ी सिंगल असाधारण गुणवत्ता वाली रत्न खोज है।

उल्लेखनीय है कि जाम्बिया के कॉपरबेल्ट प्रांत में स्थित कागेम 75 फीसदी जेमफील्ड्स के स्वामित्व में है और इसका संचालन जाम्बियाई सरकार के साथ साझेदारी में औद्योगिक विकास निगम के माध्यम से किया जाता है।

गोबर से निर्मित इको-फ्रेंडली गणेश मूर्तियों का विक्रय शुरू

आगरमालवा। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने एवं गणेश उत्सव को प्रदूषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश के आगरमालवा में आजीविका स्वसहायता समूह की महिलाओं द्वारा इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमाओं का निर्माण गोबर से किया गया है।

सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख सोना और चांदी की घटी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख बना हुआ है। कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,800 रुपये से लेकर 1,00,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 93,600 रुपये से लेकर 93,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में गिरावट आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,20,000 रुपये प्रति

वाशिंगटन,24 अगस्त (एजेंसियां)।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,00,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 93,700 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,00,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और

22 कैरेट सोना 93,600 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,00,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 93,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 93,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अमेरिकी टैरिफ का...

भारत और अमेरिका के बीच कोई व्यापार समझौता हो जाए, जिससे टैरिफ दरों को घटाकर 10% या 15% पर लाया जा सके।हालांकि, फिलहाल दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता कई मुद्दों पर रुका हुआ है, और तत्काल समाधान की उम्मीद कम है। फिर भी, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा है कि दोनों देशों के बीच संवाद जारी है और समझौते की समय-सीमा अक्टूबर 2025 तक है।निर्यात क्षेत्र के विशेषज्ञों के अनुसार, भारत का करीब 45.5 अरब डॉलर का निर्यात नए टैरिफ प्रावधानों से प्रभावित हो सकता है। हालांकि, आवश्यक दवाएं, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर जैसे करीब 45% निर्यात फिलहाल सुरक्षित हैं।टैरिफ का असर तुरंत भले ही न दिखे, लेकिन यह सितंबर 2025 के निर्यात आंकड़ों में साफ नजर आने लगेगा। अमेरिकी आयातकों और भारतीय निर्यातकों ने दिवाली, क्रिसमस और नए साल से पहले अपना स्टॉक भरकर इसका असर कम करने की कोशिश की है। हालांकि, अगर टैरिफ दरों में कोई बदलाव नहीं होता है, तो आने वाली गर्मियों में इसका बड़ा प्रभाव दिखना शुरू हो जाएगा।

ट्रंप ने टैरिफ विवाद...

जर्मन न्यूज पेपर में दावा किया गया है कि ट्रंप ने इसके बाद कई बार पीएम मोदी को मनाने की कोशिश की। इसमें कहा गया कि भारत मौजूदा समय में बहुत ही सावधानीपूर्वक कदम उठा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, पीएम मोदी अमेरिकी कृषि व्यवसाय के लिए भारत के बाजार खोलने के ट्रंप के दबाव का भी विरोध कर रहे हैं।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने को लेकर नोटिस जारी कर दिया है। इसमें बताया गया है कि नया टैरिफ सिस्टम 27 अगस्त रात 12।01 बजे से लागू होगा।

एससीओ शिखर...

तियानजिन में आगामी 25वें एससीओ शिखर सम्मेलन के कार्यक्रम में 31 अगस्त की शाम को एक स्वागत भोज शामिल है और मुख्य शिखर सम्मेलन अगले दिन यानी सोमवार, 1 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री की ओर से एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान कुछ द्विपक्षीय बैठकें करने की उम्मीद है।'

वैष्णो देवी में...

अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-श्रीनगर और किश्तवाड़-डोडा राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात रोक दिया गया है। दर्जनों पहाड़ी सड़कें भूस्खलन या अचानक आई बाढ़ के कारण अवरुद्ध या क्षतिग्रस्त हो गई हैं। एहतियात के तौर पर माता वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा भी रोक दी गई है। डोडा में बादल फटने और भारी बारिश के कारण पांच लोगों की मौत हो गई। सम्पत्तियों को भी काफी नुकसान पहुंचा है। दो लोगों की मौत घर गिरने से हुई, जबकि दो अन्य की मौत लगातार बारिश के कारण आई बाढ़ में हुई। कई इलाकों में आवासीय ढांचों और अन्य सम्पत्तियों को काफी नुकसान हुआ है। जिला प्रशासन हाई अलर्ट पर है और बचाव एवं राहत अभियान जारी है।जम्मू कश्मीर में सभी दरिया और नदियां खतरे के निशान को पार चुकी हैं। प्रशासन ने अलर्ट जारी करते हुए कई स्थानों पर लोगों को घर खाली कर सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा है। उधमपुर में भी तवी नदी का जलस्तर निकासी के निशान से ऊपर पहुंच जाने के बाद मंगलवार सुबह अधिकारियों ने अलर्ट जारी कर दिया, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ का गंभीर खतरा पैदा हो गया। सुबह 9.15 बजे, उधमपुर में जलस्तर 24.975 फीट दर्ज किया गया, जो निकासी के स्तर 23.4 फीट से काफी ऊपर था। स्थिति चिंताजनक हो गई है क्योंकि नदी पहले ही 20 फीट के खतरे के निशान को पार कर चुकी है और सुरक्षित सीमा से तेजी से बढ़ रही है। अलर्ट स्तर 15 फीट है, जो दर्शाता है कि वर्तमान प्रवाह सभी सीमाओं को पार कर गया है। जबकि जम्मू में, तवी नदी फिलहाल अलर्ट स्तर से नीचे बह रही है, लेकिन अधिकारियों ने आगाह किया है कि आने वाले घंटों में इसमें तेज वृद्धि होने की उम्मीद है। पूर्वानुमान बताते हैं कि नदी जल्द ही बाढ़ की चेतावनी और खतरे के स्तर को पार कर सकती है, जिससे इसके किनारे के संवेदनशील इलाकों में निकासी के उपाय शुरू हो सकते हैं।जिला प्रशासन को हाई अलर्ट पर रहने की सलाह दी गई है, साथ ही बचाव दल और आपदा प्रबंधन इकाइयों को तैयार रहने को कहा गया है। नदी के निकट रहने वाले निवासियों से सुरक्षित स्थानों पर चले जाने और आधिकारिक सलाह का कड़ाई से पालन करने का आग्रह किया गया है रावी, उज और बसंतर नदियों का जलस्तर भी कई स्थानों पर खतरे के निशान को पार कर जाने के बाद मंगलवार को अधिकारियों ने जम्मू क्षेत्र में बाढ़ की चेतावनी जारी की। अधिकारियों ने बताया कि रावी नदी पर बने माधोपुर बैराज से पानी का स्तर 1,00,000 क्यूसेक से अधिक हो गया है, जिससे निचले इलाकों में पानी भर गया है और बागथली, मासोसपुर, कीरियां गंडियाल, बरनी, धन्ना, धनोर, करयाली और आसपास के इलाकों सहित कई गांवों में भारी बाढ़ आ गई है। कठुआ जिले में, उज नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच रहा है। पंजतीर्थी में, वर्तमान डिस्चार्ज 78,750 क्यूसेक है, जबकि खतरे का स्तर 88,000 क्यूसेक है, जबकि कठुआ में, प्रवाह 83,834 क्यूसेक तक पहुंच गया है, जबकि खतरे का स्तर 95,099 क्यूसेक है। इस बीच, सांबा जिले में, बसंतर नदी सुबह 9 बजे खतरे के निशान को पार कर गई। इसका जलस्तर 4.5 फीट दर्ज किया गया, जो खतरे की सीमा के बराबर है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि जलस्तर अभी भी बढ़ रहा है। प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों को हाई अलर्ट पर रहने और एहतियाती कदम उठाने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने कहा कि जरूरत पड़ने पर बचाव और निकासी में मदद के लिए आपदा प्रतिक्रिया दल तैयार हैं।

ईडी ने 5,590 करोड़ के...

ईडी का मामला दिल्ली के पूर्व मंत्रियों सौरभ भारद्वाज और सत्येंद्र जैन के खिलाफ है हालांकि आम आदमी पार्टी ने इस संदर्भ में अभी तक कोई बयान जारी नहीं किया है।

भारत के विश्वगुरु...

जो उसे दुनिया में पूरा करना होता है। प्रत्येक राष्ट्र का विश्व में कुछ योगदान होता है, जो समय-समय पर उसे करना होता है। वैसे ही भारत का भी अपना एक योगदान है।सरसंघचालक जी ने बताया कि किसी देश को बड़ा होना है तो अपने बढ़कपन के लिए नहीं, बल्कि उसके बड़े होने से विश्व के आवश्यक जीवन में जो एक नई गति चाहिए, वह पैदा होती है। उसका उस प्रकार का योगदान होता है। इसलिए योगदान करने के लिए उसे बड़ा बनना है। और इसलिए संघ के निमित का प्रयोजन भारत है। संघ के चलने का प्रयोजन भारत है। और संघ का सार्थक भारत के विश्वगुरु बनने में है।क्योंकि भारत का एक योगदान दुनिया में है, जो भारत को देना है-और उसका समय अब आ गया है।

आज घर-घर विराजेंगे गणपति

शुभ, शुक्ल और सर्वार्थ सिद्धि योग में मनाई जाएगी गणेश चतुर्थी

सनातन धर्म में गणेश चतुर्थी के त्योहार का खास महत्व है। विनायक को समृद्धि और बुद्धि का देवता माना जाता है। गणेश चतुर्थी का त्योहार भाद्रपद माह की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। भगवान गणेश को प्रथम देव माना जाता है। किसी भी शुभ काम को शुरू करने से पहले लंबोदर की पूजा की जाती है। इस साल 27 अगस्त को गणेश चतुर्थी है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि इस साल गणेश चतुर्थी 27 अगस्त को मनाया जाएगा और बप्पा के भक्त गणपति की प्रतिमा को घर में लाकर उनकी भक्ति भाव से पूजा करेंगे। इस साल गणेश चतुर्थी का उत्सव 27 अगस्त से शुरू होगा, जबकि गणेश विसर्जन 6 सितंबर, 2025 के दिन किया जाएगा। गणेश चतुर्थी पर दुर्लभ शुभ और शुक्ल योग का निर्माण हो रहा है। इसके बाद सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग है। वहीं गणेश चतुर्थी तिथि पर सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण सुबह 06:04 मिनट पर होगा। हिन्दू पंचांग के अनुसार भाद्रपद मास के शुक्ल की चतुर्थी से देशभर में गणेश चतुर्थी पर्व का शुभारंभ हो जाता है। यह पर्व मुख्य रूप से 10 दिनों तक चलता है। इस दौरान भक्त बप्पा को अपने घर लाते हैं और अनंत चतुर्दशी के दिन बप्पा को विदा कर देते हैं। ग्रह गोचर और त्योहारों पर कई शुभ योग बनते हैं।

हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को गणेश चतुर्थी का पावन पर्व मनाया जाता है। गणेश महोत्सव का पर्व चतुर्थी तिथि से प्रारंभ होकर अगले 10 दिनों तक चलता है। वहीं अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान गणेश को विदा किया जाता है। इस बार उदया तिथि के आधार पर 27 अगस्त को गणेश चतुर्थी का व्रत रखा जाने वाला है। माना जाता है कि गणेश चतुर्थी के दिन चंद्रमा को नहीं देखना चाहिए। इससे श्राप लगता है। वहीं गणेश चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की मूर्ति स्थापना शुभ मुहूर्त में ही करनी चाहिए।

गणेश चतुर्थी तिथि –सनातन धर्म में गणेश चतुर्थी के पर्व का विशेष महत्व होता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, वैदिक पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि 26 अगस्त 2025 को दोपहर 01:54 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, 27 अगस्त को दोपहर 03:44 मिनट पर चतुर्थी तिथि का समापन होगा। सनातन धर्म में उदया तिथि मान है। इसके लिए 27 अगस्त को गणेश चतुर्थी को मनाई जाएगी।

शुभ योग – हिंदू पंचांग के अनुसार गणेश चतुर्थी पर दुर्लभ शुभ और शुक्ल योग का निर्माण हो रहा है। शुभ योग का संयोग दोपहर तक है। वहीं शुक्ल योग का समापन 28 अगस्त को दोपहर 01:18 मिनट पर होगा। इसके बाद सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग है। वहीं, गणेश चतुर्थी तिथि पर सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण सुबह 06:04 मिनट पर होगा। भद्रावास योग का समापन दोपहर 03:44 मिनट पर होगा।

शुभ मुहूर्त –वैदिक पंचांग के अनुसार, 27 अगस्त 2025 को सुबह 11:06 बजे से दोपहर 1:40 बजे तक का समय गणेश पूजा के लिए विशेष रूप से शुभ रहेगा। इस समय में पूजा करने से गणपति बप्पा की कृपा अधिक प्रबल होती है और व्रत तथा अनुष्ठान फलदायी माने जाते हैं।

गणेश विसर्जन तिथि–शास्त्रों के अनुसार गणेश चतुर्थी पर्व का समापन अनंत चतुर्दशी के दिन किया जाता है। साथ ही इसी दिन बप्पा को श्रद्धापूर्वक विदा किया जाता है। पंचांग के अनुसार गणेश विसर्जन 6 सितंबर 2025 को किया जाएगा।

महत्व– हिंदू धर्म में भगवान गणेश को प्रथम पूज्य देवता माना गया है। किसी भी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम में सबसे पहले गणेशी जी वंदना और पूजा की जाती है। भगवान गणेश बुद्धि, सुख-समृद्धि और विवेक का दाता माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान गणेश जी का जन्म भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि, स्वाति नक्षत्र और सिंह लग्न में दोपहर के प्रहर में हुआ था। ऐसे में गणेश चतुर्थी के दिन पर अगर आप घर पर भगवान गणेश की मूर्ति की स्थापना करने जा रहे है तो दोपहर के शुभ मुहूर्त में करना होता है। गणेश चतुर्थी तिथि लेकर अनंत चतुर्दशी तक यानी लगातार 10 दिनों तक विधि-विधान के साथ गणेश जी की पूजा उपासना किया जाता है। गणेश जी की पूजा करने से जीवन में आने वाली सभी तरह की बाधाएं और संकट दूर हो जाते हैं और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

पूजा विधि – गणेश चतुर्थी तिथि पर शुभ मुहूर्त को ध्यान मे रखकर सबसे पहले अपने घर के उत्तर भाग, पूर्व भाग, अथवा पूर्वोत्तर भाग में गणेश जी की प्रतिमा रखें। फिर पूजन सामग्री लेकर शुद्ध आसन पर बैठें। पूजा सामग्री में दूर्वा, शमी पत्र,लड्डू, हल्दी, पुष्प और अक्षत से ही पूजन करके गणेश जी को प्रसन्न किया जा सकता है। गणेश जी की आराधना केवल दूर्वा से भी की जा सकती है। सर्वप्रथम गणेश जी को चौकी पर विराजमान करें और नवग्रह, षोडश मातृका आदि बनाएं। चौकी के पूर्व भाग में कलश रखें और दक्षिण पूर्व में दीया जलाएं। अपने ऊपर जल छिड़कते हुए ॐ पुंडरीकाक्षाय नमः कहते हुए भगवान विष्णु को प्रणाम करें और तीन बार आचमन करें तथा माथे पर तिलक लगाएं। यदि आपको कोई भी मंत्र नहीं आता तो 'ॐ गं गणपतये नमः। इसी मंत्र से सारी पूजा संपन्न कर सकते हैं। हाथ में गंध अक्षत और पुष्प लें और दिए गए मंत्र को पढ़कर गणेश जी का ध्यान करें। इसी मंत्र से उन्हें आवाहन और आसन भी प्रदान करें। पूजा के आरंभ से लेकर अंततक अपने जिह्वा पर हमेशा ॐ श्रीगणेशाय नमः। ॐ गं गणपतये नमः। मंत्र का जाप अनवरत करते रहें। आसन के बाद गणेश जी को स्नान कराएं। पंचामृत हो तो और भी अच्छा रहेगा और नहीं हो तो शुद्ध जल से स्नान कराएं। उसके बाद वस्त्र, जनेऊ, चंदन, अक्षत, धूप, दीप, नैवेद्य, फल आदि जो भी संभव यथाशक्ति उपलब्ध हो उसे चढ़ाएं। पूजा के पश्चात इन्हीं मंत्रों से गणेश जी की आरती करें। पुनः पुष्पांजलि हेतु गंध अक्षत पुष्प से इन मंत्रों ॐ एकदन्ताय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि, तन्नो दन्ती प्रचोदयात्। से पुष्पांजलि अर्पित करें, तत्पश्चात गणेश जी की तीन बार प्रदक्षिणा करें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

मंगलमूर्ति करेंगे इन राशियों का मंगल ही मंगल

इस बार की गणेश चतुर्थी बेहद खास रहने वाली है। इस दिन बेहद शुभ योग बन रहे हैं, जिससे कई राशियों को भरपूर लाभ मिलेगा। हर वर्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर गणेश चतुर्थी मनाई जाती है और इसी दिन से गणेश उत्सव का भी आगाज हो जाता है। वहीं, इस बार यह तिथि 27 अगस्त, बुधवार के दिन पड़ रही है और कहा जाता है कि बुधवार के दिन ही भगवान गणेश का जन्म हुआ था ऐसे। ऐसे में इस बार की गणेश चतुर्थी बेहद खास रहेगी और इस दिन महासंयोग बन रहा है। इस शुभ तिथि पर धन योग, राशि परिवर्तन योग, लक्ष्मी नारायण राजयोग, सम योग, आदित्य योग, उभयचरी योग और गजकेसरी राजयोग बन रहा है। ऐसे में गणेश चतुर्थी कई राशियों के लिए बेहद लाभदायक सिद्ध होने वाली है और भगवान गणेश इनका मंगल ही मंगल करेंगे।

वृषभ राशि : मिलेगा चौतरफा लाभ

आपकी राशि से पंचम भाव में चंद्रमा का गोचर हो रहा है और चंद्रमा के साथ मंगल की युति बनेगी। ऐसे में वृषभ राशि को इस गणेश चतुर्थी पर भरपूर लाभ मिलने वाला है। विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में लाभ मिलेगा और करियर में सफलता प्राप्त हो सकती है। भाग्य का भी आपको पूरा साथ मिलेगा और हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करेंगे। संतान पक्ष से आपको कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है, जिससे मन आनंदित रहेगा और जीवन में सुकून महसूस होगा। लव लाइफ बिता रहे लोगों के जीवन में खुशहाली आएगी और पार्टनर के साथ प्रेम गहरा होगा। पारिवारिक मामले में भी शांतिपूर्ण और सुखदायक माहौल बना रहेगा।

मिथुन राशि : बिजनेस में मिलेगा भरपूर फायदा

आपकी राशि से दूसरे भाव में बुध का शुक्र के साथ संयोग रहेगा और चंद्रमा चतुर्थ भाव में होंगे। ऐसे में मिथुन राशि के जातकों पर भगवान गणेश की विशेष कृपा बनी रहेगी। आपके सुख के साधनों में वृद्धि होगी और जीवन में चारों ओर से खुशियां आएंगी। वहीं, बिजनेस करने वालों के लिए भी समय अनुकूल रहने वाला है और आपको कार्यक्षेत्र में लाभ कमाने के सुनहरे मौके प्राप्त होंगे। अपनी बुद्धि और ज्ञान से आपको बेहद लाभ मिलेगा और सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ते जाएंगे। परिवार के मामले में भी समय अनुकूल रहेगा।

कर्क राशि : कार्यक्षेत्र में कमाएंगे खूब लाभ

गणेश चतुर्थी पर राशि से तीसरे भाव में चंद्रमा का गोचर रहेगा और इससे राशि परिवर्तन योग बन रहा है। ऐसे में भगवान गणेश कर्क राशि पर मेहरबान रहने वाले हैं और इन्हें कार्यक्षेत्र में खूब लाभ दिलाएंगे। व्यापार के मामले में साहसिक निर्णय लेने और अपनी बुद्धिमता का पूर्ण लाभ प्राप्त होगा। इससे आपको मुनाफा कमाने के सुनहरे अवसर मिलेंगे। विदेशी क्षेत्र से जुड़े लोगों को भी अच्छा लाभ मिलेगा और विदेशी डील फाइनल होने से खूब फायदा हो सकता है। कार्यक्षेत्र में तकनीकी ज्ञान का भी लाभ उठाएंगे और जीवन में खुशियां आएंगी। वहीं, परिवार में आपको अपने भाइयों से पूरा सहयोग प्राप्त होगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

कन्या राशि : बनेंगे मालामाल

राशि में मंगल और चंद्रमा की युति रहेगी और धन योग भी बन रहा है। वहीं, आय स्थान यानी ग्यारहवें भाव में बुध का गोचर आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा। आर्थिक मामलों में समय अनुकूल रहने वाला है और भगवान गणेश आपके जीवन की सारी बाधाओं को दूर कर देंगे। वहीं, धन-दौलत में वृद्धि होगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होती जाएगी। कार्यक्षेत्र में भी धन कमाने के आपको कई मौके मिलेंगे और परिवार के मामले में भी समय अनुकूल रहेगा। घर के सदस्यों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा और जीवनसाथी के साथ रिश्ता मजबूत होगा।

मीन राशि : धन कमाने के मिलेंगे मौके

आपकी राशि से सप्तम भाव में धन योग बन रहा है और पंचम भाव में बुध का गोचर रहेगा। ऐसे में मीन राशि वालों को भगवान गणेश की कृपा से खूब लाभ मिलेगा और आर्थिक मामलों में भी इनका समय अनुकूल रहने वाला है। धन कमाने के कई मौके मिलेंगे और आर्थिक स्थिति बेहतर होती जाएगी। बिजनेस के मामले में साझेदारी में काम करने वालों को भी अच्छा लाभ मिलने के योग हैं। इसके अलावा, विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी और करियर में तरक्की के नए रास्ते खुलते जाएंगे। पारिवारिक माहौल भी सुखद बना रहेगा।

गणपति बप्पा की मूर्ति घर लाते समय न करें ये गलतियां

गणेश चतुर्थी के त्योहार का बेहद खास महत्व होता है। प्रत्येक वर्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन यह त्योहार पूरे देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। इसके लिए जगह-जगह पर बड़े पंडाल भी लगाए जाते हैं। मान्यता है कि इसी दिन भगवान गणेश का जन्म हुआ था। ऐसे में गणेश चतुर्थी पर भक्त अपने घरों में गणपति बप्पा की प्रतिमा लाकर स्थापित करते हैं। लेकिन गणेश भगवान की मूर्ति लेते समय कुछ विशेष बातों का ख्याल जरूर रखना चाहिए। वास्तुशास्त्र के नियमों का ध्यान रखकर गणपति बप्पा की प्रतिमा घर में स्थापित करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है और जीवन में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है।

घर पर बप्पा की प्रतिमा लाते समय इस बात का रखें ख्याल

अगर आप इस गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश की प्रतिमा घर पर लाने वाले हैं, तो वास्तु के नियमों का ख्याल जरूर रखें। मान्यता है कि घर में हमेशा ऐसी मूर्ति लानी चाहिए, जो न ज्यादा छोटी हो और न ही ज्यादा बड़ी हो। इसका अर्थ है कि घर में मध्यम आकार की बप्पा की प्रतिमा लाना सबसे शुभ माना जाता है। बड़े आकार की मूर्तियों को पंडाल में स्थापित किया जाता है।

गणपतिजी की सूंड की दिशा पर जरूर दें ध्यान

वास्तु के अनुसार भगवान गणेश की मूर्ति लेते समय उनकी सूंड पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए। मान्यता है कि घर के लिए वामवर्ती मूर्ति लेना सबसे शुभ होता है। यानी गणपतिजी की ऐसी मूर्ति लें जिसमें उनकी सूंड बाईं ओर मुड़ी हो। इस दिशा को सफलता और समृद्धि की दिशा मानी जाती है। ऐसी मान्यता है कि दाईं ओर झुकी हुई सूंड वाली यानी दक्षिणामुखी गणेशजी की मूर्ति की पूजा करने के कठिन नियम होते हैं। साथ ही, उन्हें प्रसन्न करना भी बेहद मुश्किल होता है। ऐसे में इस प्रकार की मूर्ति मंदिरों में रखी जाती है।

भगवान गणेश की मुद्रा पर दें ध्यान

गणेश चतुर्थी के लिए हमें कई प्रकार की भगवान गणेश की मूर्ति देखने को मिलती है। जिसमें गणपतिजी किसी में खड़े होते हैं, नृत्य करते दिखते हैं या विश्राम की मुद्रा में होते हैं। लेकिन कहा जाता है कि घर के लिए बैठे हुई मुद्रा में भगवान गणेश की मूर्ति लाना सबसे श्रेष्ठ होता है। ऐसा करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है और परिवार के सदस्यों के जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। साथ ही, घर में बरकत होने लगती है। वहीं, पंडालों के लिए खड़े, नृत्य करते हुई आदि मुद्रा में भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित की जा सकती है।

भगवान गणेश की प्रतिमा में मोदक और मूषक का होना जरूरी

मोदक भगवान गणेश को बेहद प्रिय हैं और मूषक को उनका वाहन माना गया है। ऐसे में गणपति बप्पा की मूर्ति लेते समय इस बात का ख्याल जरूर रखें कि प्रतिमा में उनके साथ मोदक और मूषक भी जरूर हो। इस प्रकार की प्रतिमा घर लेना बेहद उत्तम माना जाता है।

मूर्ति के रंगों पर भी दें ध्यान

भगवान गणेश की मूर्ति लेते समय रंग पर भी जरूर ध्यान देना चाहिए। वास्तु के अनुसार, घर में सफेद रंग की मूर्ति लाना सबसे शुभ माना जाता है। इससे घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। वहीं, सिंदूरी रंग की मूर्ति भी ले सकते हैं। इससे आत्म विकास होता है। साथ ही, भगवान गणेश की मूर्ति को घर में चतुर्थी से पहले किसी शुभ मुहूर्त में ही घर लाना चाहिए। ऐसा करने से शुभ फल प्राप्त होता है।

गणेशजी की मूर्ति घर लाते समय जरूर करें ये काम

भक्तों को गणेश चतुर्थी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करने के बाद भगवान गणेश की मूर्ति लानी चाहिए। उन्हें घर लाते समय आंखों पर लाल रंग का साफ कपड़ा जरूर बांध दें और पूरे गाजे बाजे के साथ उन्हें अपने घर में प्रवेश कराएं। साथ ही, स्वागत करते समय पुष्प की वर्षा करना बहुत अच्छा माना जाता है और जयकारे लगाते हुए उन्हें अंदर ले जाएं।

गणपतिजी की मूर्ति स्थापित करने से पहले करें ये काम

घर में उत्तर दिशा में भगवान गणेश की मूर्ति को स्थापित करना सबसे उत्तम माना जाता है। साथ ही, इस बात का भी ख्याल रखें उनकी प्रतिमा का पीछे का भाग आपके सामने न रहे, केवल उनका मुख यानी सामने का भाग दिखाई पड़ना चाहिए। इस प्रकार घर में गणेशजी की मूर्ति रखना शुभ माना जाता है। जिस भी स्थान पर आप भगवान गणेश की मूर्ति रखें वहां स्वास्तिक जरूर बनाना चाहिए और उस पर चावल व पुष्प की वर्षा करें।

कितने दिन रखे जाती है गणेशजी की प्रतिमा

गणेश उत्सव सामान्य तौर पर 11 दिन का होता है। दस दिनों तक भगवान गणेश की मूर्ति को स्थापित करने के बाद 11वें दिन विसर्जन किया जाता है। वहीं, डेढ़, 5, 7, 11 और 21 दिन के लिए भी गणपति बप्पा की मूर्ति स्थापित की जाती है। मुंबई के अंधेरी में एक पंडाल में मनोकामना पूर्ति होने पर 21 दिनों के लिए गणेशजी की मूर्ति स्थापित की जाती है।

भगवान की मूर्ति स्थापित करने की विधि

इसके लिए सबसे पहले उस स्थान को अच्छी तरह साफ करके सजा लें जहां आप मूर्ति को स्थापित करने वाले हैं। इसके बाद, चारों ओर गंगाजल जरूर छिड़कें।

लकड़ी की चौकी पर लाल या पीले रंग का वस्त्र बिछा लें और वहां स्वास्तिक बनाकर उस पर पुष्प और चावल डालें।

भगवान गणेशजी की मूर्ति के साथ-साथ कल की स्थापना पूर्व दिशा में करना सबसे उत्तम माना जाता है। इसके बाद, गणपति बप्पा के सभी नामों का जाप करें।

पुष्प, धूप, दीप आदि के साथ विधि-विधान से गणेशजी की पूजा करें और अंत में घी का दीपक जलाकर आरती करें। साथ ही, आप भगवान गणेश के मंत्रों का जाप भी कर सकते हैं।

गणपति बप्पा को घी से बने 21 मोदक का भोग लगाकर सभी लोगों में इसे बांटना चाहिए और व्रत रखने वालों को सुबह हाथ में थोड़े चावल और पुष्प लेकर मम सर्वकर्मसिद्धये सिद्धिविनायकपूजनमहं करिष्ये' मंत्र का जाप करते हुए संकल्प लेना चाहिए।

लता मंगेशकर ने बाथरूम में क्यों रिकॉर्ड किया था मुगल-ए-आजम का गाना?

65 साल पहले 'मुगल-ए-आजम' फिल्म ने भारतीय सिनेमा का इतिहास बदलकर रख दिया था। इस मूवी ने ना सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर रेकॉर्ड तोड़े थे, बल्कि बॉलीवुड का सबसे आइकॉनिक और महंगा गाना दिया था। ये गाना दो साल के लंबे समय और 1 करोड़ रुपये की लागत से बना था। जी हां। उस समय ये रकम बहुत ज्यादा बड़ी थी। ये गाना था- 'जब प्यार किया तो डरना क्या...।' आइये इससे जुड़ा एक किस्सा आपको बताते हैं।

'मुगल-ए-आजम' में मधुबाला और दिलीप कुमार ऐसा दमदार अभिनय किया कि सदियों तक उन्हें उनके किरदारों से याद रखा गया। इसका निर्देशन के. आसिफ ने किया था। पृथ्वीराज कपूर और दुर्गा खोटे जैसे स्टार्स भी थे, जिनकी एक्टिंग ने दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी।

शकील बदायुनी ने लिखी थी प्यार किया... के लिरिक्स

नौशाद का रचा हुआ म्यूजिक इस फिल्म की आत्मा बन गया। 'प्यार किया तो डरना क्या' हर किसी की जुबां पर था। इसे शकील बदायुनी ने लिखा था और लता मंगेशकर ने गाया था। इस गाने की रिकॉर्डिंग अपने समय के हिसाब से बहुत अनोखी थी।

लता ने बाथरूम में रिकॉर्ड किया था गाना

उस दौर में इको इफेक्ट्स का इस्तेमाल कम होता था, इसलिए लता मंगेशकर ने अपनी आवाज में गहराई लाने के लिए इसे बाथरूम में रिकॉर्ड किया था। फाइनल एडिटिंग को मंजूरी मिलने से पहले इसमें 105 बार बदलाव किए गए थे। सीक्वेंस मोहन स्टूडियो में शूट हुआ था, जहां इसके लिए खासतौर से एक भव्य महल का सेट बनाया गया था। 'अनारकली' बनीं मधुबाला ने अपनी खूबसूरत परफॉर्मेंस से सेट पर सभी का मन मोह लिया था। 'अकबर' बने पृथ्वीराज कपूर ने सीन में चार चांद लगाए थे।

शम्मी कपूर भूल जाते थे डायलॉग्स

रिपोर्ट्स बताती हैं कि मधुबाला इतनी सुंदर थीं कि उनके साथ काम कर रहे को-एक्टर्स भी मंत्रमुग्ध हो जाते थे। शम्मी कपूर ने भी माना था कि मधुबाला के सामने वो अपने डायलॉग्स भूल जाते थे। इस गाने की शूटिंग के दौरान क्रू मेंबर्स भी दंग रह गए थे।

मधुबाला को मिली थी 1 लाख रुपए फीस

मधुबाला को इस फिल्म के लिए 1 लाख रुपये फीस दी गई थी, जो उस समय किसी भी एक्टर या एक्ट्रेस के लिए सबसे ज्यादा थी। वो जन्मजात दिल की बीमारी से पीड़ित थी। इसीलिए कई बार वो सेट पर बेहोश हो जाती थीं। जेल के सीन की शूटिंग में उन्हें खरोंचें भी आईं, लेकिन उन्होंने फिल्म को पूरा किया।

बिग बॉस 19 : सबके सामने ओवरस्मार्ट बनने की कोशिश...

शहबाज ने बसीर अली को कुनिका सदानंद पर चिल्लाने के लिए लताड़ा

पांच महीने चलने वाला रियलिटी शो बिग बॉस 19 रविवार, 24 अगस्त से शुरू हो गया है। और आते ही इसने सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया है। पहले एपिसोड में काफी हंगामा देखने को मिला। कइयों के रिश्ते बनने से पहले ही रडार पर आ गए। जमकर चीखमलचिल्ली का माहौल रहा। बसीर अली पहले ही दिन किचन में हुए एक वायके के बाद कुनिका सदानंद से उलझ गए। उन्होंने उनसे ऊंची आवाज में बात की तो जनता-जनार्दन भी खफा हो गई। अब शहनाज गिल के भाई शहबाज का भी रिएक्शन आया है।

दरअसल, बीते एपिसोड में बसीर अली ने नेहल चुडासमा से पूछा, 'अगर मुझे ऑमलेट चाहिए, तो मैं किसे बताऊं?' कुनिका ने जवाब दिया, 'तुम खुद बना लो।' अब ये बात बसीर को बुरी लग गई। उन्होंने रात में सोते वक्त एक्ट्रेस से जमकर बहसबाजी की। जिस पर लोगों की अलग-अलग राय थी। शहनाज गिल के भाई शहबाज ने भी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए रिएक्ट किया और बसीर की आलोचना की।

सोमवार, 25 अगस्त की रात उन्होंने एक पोस्ट लिखा, 'मैंने अभी बिग बॉस का एपिसोड देखा। मृदुल कभी मेरा कॉम्पटीशन था ही नहीं। मैंने कभी उसे कॉम्पटीशन माना भी नहीं। लेकिन ये बसीर अली, मुझे समझ नहीं आता। इसका प्रॉब्लम क्या है। सिर्फ जोर से चिल्लाना आता है तो क्या हर बात पर चिल्लाएगा? कुनिका जी पर जोर से चिल्लाना और सबसे सामने ओवर स्मार्टर बनने की कोशिश करना। ये सब उसका लेवल दिखाता है। बिलकुल सही नहीं लगा।'

बसीर अली की सलमान खान लगा सकते हैं क्लास

बसीर अली, न सिर्फ कुनिका पर, बल्कि दूसरे कंटेस्टेंट्स से भी ऊंची आवाज में बोलते और बदतमीजी करते देखे गए हैं। दर्शकों को उम्मीद है कि सलमान खान वीकेंड का वार पर इनकी क्लास लगाएंगे क्योंकि ये पिछले सीजन्स की कॉपी कर रहे हैं। वहीं, शहबाज को शो में आना था लेकिन कम वोट के कारण वह नहीं आ सके। मगर खबर है कि वह सीक्रेट रूम में हैं। लेकिन कोई कंफर्मेशन नहीं है।

वैन एंड वेयर पर थिरकीं शहनाज इश्क कुड़ी के गाने पर किया डांस

पंजाब की 'कटरीना कैफ' और बिग बॉस 13 की कंटेस्टेंट शहनाज गिल सोशल मीडिया के जरिए फैंस से जुड़ी रहती हैं। इस बीच, वे सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर रही हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह गाना 'वैन एंड वेयर' में शानदार एक्सप्रेशन के साथ डांस करती नजर आ रही हैं। शहनाज ब्लैक टॉप और जींस के साथ बोल्ड अंदाज में मूव्स भी दे रही है। अभिनेत्री ने इसके कैप्शन में लिखा, दस तैनू किथ्थे मिलना... किद्दा मिलना? वैन एंड वेयर बता दें, यह गाना अभिनेत्री की अपकमिंग फिल्म 'इक्क कुड़ी' का है, जिसमें हनी सिंह ने अपनी आवाज दी है। इसके लिरिक्स जिंद माही ने दिए हैं। कोरियोग्राफर रजित देव ने किया है। गाने में अभिनेत्री शहनाज गिल के साथ हनी सिंह भी नजर आ रहे हैं।

इंस्टाग्राम पर हनी सिंह और शहनाज ने इस गाने की झलक अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की थी। इस गाने में दोनों की हॉट केमिस्ट्री दिख रही है, जहां शहनाज का जमैका लुक है और हनी का अपना सिग्नेचर स्वैग है। अभिनेत्री ने गाने को पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, इक्क कुड़ी', ये डांस अब पूरी तरह से आपका है...जितनी हो सके उतनी रील्स बनाएं और मुझे भेजें! हमारी फिल्म 'इक्क कुड़ी' 19 सितंबर को रिलीज हो रही है। जबरदस्त गाना 'व्हेन एंड व्हेयर'... अभी रिलीज हुआ है।

अमरजीत सिंह सरोन द्वारा निर्देशित और लिखित, यह फिल्म शहनाज गिल की बतौर प्रोड्यूसर पहली फिल्म है। मेकर्स ने फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया है। यह एक पंजाबी महिला-सेंट्रिक फिल्म है; फिल्म की कहानी एक युवा लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जो शादी की चुनौतियों और सामाजिक मुश्किलों से जूझती है। इस फिल्म में शहनाज के अलावा निर्मल ऋषि, हर्बी संघा और उदयबीर संधू भी अहम किरदार में नजर आएंगे। पहले यह फिल्म 13 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट को बदलकर अब 19 सितंबर कर दिया है।

अक्षरा सिंह की सादगी ने फिर जीता दिल, इंस्टाग्राम पर पिंक सूट में आईं नजर

भोजपुरी सिनेमा की जानी-मानी अदाकारा अक्षरा सिंह आए दिन सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। चाहे उनके गाने हों, फिल्मों की बातें हों या फिर उनका स्टाइलिश अंदाज, फैंस उन्हें हर रूप में काफी पसंद करते हैं।

अक्षरा सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव रहती हैं और अपनी नई-नई तस्वीरें और वीडियोज फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। मंगलवार को उन्होंने कुछ ऐसी तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिन्हें देखने के बाद फैंस उनकी सादगी के कायल हो रहे हैं।

इंस्टाग्राम पर साझा की गई तस्वीरों में अक्षरा सिंह पिंक कलर के सूट में नजर आ रही हैं। सूट पूरा प्रिंटेड है, उस पर पत्तियां और फूल बने हुए हैं, जो देखने में बेहद ही प्यारा लग रहा है। उन्होंने माथे पर छोटी सी बिंदी लगाई हुई है, जो उनके लुक को और भी सुंदर बना रही है। कानों में झुमके और खुले बाल उनके ट्रेडिशनल अंदाज को खास बना रहे हैं। ये तस्वीरें किसी झील के किनारे खींची गई हैं, जहां अक्षरा बड़ी शांति और सादगी के साथ खड़ी नजर आ रही हैं।

इन तस्वीरों को साझा करते हुए अक्षरा ने कैप्शन में लिखा, सूट वाली सिंपलसिटी। अक्षरा सिंह का ये सिंपल लेकिन शानदार लुक उनके फैंस को काफी पसंद आ रहा है। फैंस उनके पोस्ट पर जमकर कमेंट्स कर रहे हैं।

एक फैन ने लिखा, 'आप तो परी लग रही हैं!'

दूसरे फैन ने लिखा, 'ये सादगी बहुत खास है, दिल छू गई!'कुछ फैंस ने तो दिल और फायर वाले इमोजी से अपना प्यार जताया है। एक यूजर ने लिखा, 'आपका हर अंदाज निराला है, ट्रेडिशनल लुक में भी आप गजब लगती हैं!

कई लोग अक्षरा की मुस्कान की तारीफ करते नहीं थक रहे। एक ने मजाकिया अंदाज में लिखा, झील के पानी से भी ज्यादा साफ और सुंदर तो आपकी तस्वीर लग रही है!

गिरी, उठीं और फिर की कोशिश... कुछ इस तरह हैंडस्टैंड करने में सफल रहीं मलाइका अरोड़ा

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा हमेशा से अपनी फिटनेस और हेल्थ के लिए जानी जाती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी कई पोस्ट्स आती रहती हैं, जिनमें वह योग और एक्सरसाइज करते हुए नजर आती हैं। सोमवार को मलाइका ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जो उनके फैंस के बीच काफी चर्चा में है। इस वीडियो में वह अपनी ट्रेनर की मदद से हैंडस्टैंड की प्रैक्टिस करती नजर आ रही हैं। यह वीडियो इसलिए खास है क्योंकि इसमें उन्होंने कई बार गिरने और फिर उठकर फिर से कोशिश करने का जज्बा दिखाया है।

वीडियो में वह दीवार के सहारे हैंडस्टैंड करने की कोशिश करती दिख रही है। शुरुआत में वह थोड़ी असहज दिखीं और बार-बार गिरती भी रही, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और आखिर में वह यह आसन करने में सफल रहीं। उनका शरीर पूरी तरह हाथों के बल पर टिका रहा, जो कि शीर्षासन का एक मुख्य हिस्सा होता है।वीडियो में उनके कपड़े और जगह बदलते रहते हैं, जिससे यह पता चलता है कि उन्होंने इस योगासन को सीखने के लिए कई दिन मेहनत की है और आखिर में वह बिना किसी मदद के पूरी तरह शीर्षासन कर पाई।

मलाइका ने इस वीडियो के साथ एक खास कैप्शन भी लिखा, जिसमें उन्होंने कहा, गिरना, संतुलन बनाना और फिर से उठना ही अभ्यास है। बता दें कि हैंडस्टैंड शीर्षासन की तरह ही एक एक्सरसाइज है, जो शरीर और मन दोनों के लिए लाभदायक होता है। इसमें शरीर उल्टा होता है, और सिर के सहारे संतुलन बनाया जाता है। इसका नियमित अभ्यास करने से कई फायदे मिलते हैं। यह गर्दन, कंधे, पेट और रीढ़ की हड्डियों समेत शरीर की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। इसके अलावा, यह सिरदर्द और माइग्रेन जैसी समस्याओं से भी राहत देता है।

इससे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन सिर की ओर बढ़ता है, जिससे मस्तिष्क को ज्यादा ऑक्सीजन और पोषण मिलता है। ऐसे में मानसिक स्थिति में सुधार होता है। यह तनाव और चिंता को कम करके मन को शांत करता है। इसके अलावा, यह पाचन तंत्र को मजबूत करता है और कब्ज जैसी समस्याओं में आराम देता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज ईष्ट मित्रों के साथ तीर्थ यात्रा का योग बन रहा है. परिवार के किसी सदस्य के साथ मंदिर में दर्शन के लिए भी जा सकते हैं. अगर आप कोई नया बिजनेस शुरू करना चाह रहे हैं, तो संबंधित क्षेत्र से जुड़े लोगों से एक बार सलाह जरूर ले लें. माता–पिता के आशीर्वाद से आज आपको काम में अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे. दूसरों पर आपके काम और व्यवहार का पॉजिटिव असर पड़े–गा. पैसों से जुड़ा कोई पुराना लेन–देन सुलझ सकता हैं । छात्रों के लिए समय अच्छा रहेगा. हनुमानाष्टक का पाठ करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सुबह अरुणोदय के समय सूर्यको जल अर्पण करें और प्रणाम करें दिन भर शरीर मे उर्जा रहेगी जिसकी आप को जरुरत हैं । आप अपने प्रयास में अत्यधिक सफल भी होंगे । आप अपनी योग्यता को साबित करने के लिए बेहतर अवसरों का लाभ उठाएंगे. आपके सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आप बच्चों से खुश रहेंगे और अपने जीवनसाथी के परिवार के साथ संतोषमय जीवन का लाभ उठाएंगे.स्वास्थ्य के लिहाज से आज आप चिड़चिड़े हो सकतें हैं. काम से फुर्सत लेकर कुछ रिलैक्स करें ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज कुछ दिक्कतें जरुर बन रही हैं परन्तु पैसों के मामले में आपका काम नहीं रुकेगा. आय के स्त्रोत यथावत रहेंगे . लोगों के मन में क्या चल रहा है, यह सोच कर चिंतित होने की आवश्यकता नही हैं आप खुद समझदारी से निर्णय करें निजी और पारिवारिक जीवन में सफलता और संतुष्टी मिल सकती है. बिजनेस में मेहनत के दम पर सफलता मिलने के योग हैं. खर्चा करने के मामलों में मन पर नियंत्रण रखने की कोशिश करें. पारिवारिक मामले आसानी से सुलझ सकते हैं. सामाजिक कार्य के कारण आप तारीफ के पात्र होंगे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज विरोधी हानि पहुंचा सकते हैं परन्तु न्याय आप के पक्ष मे होगा व्यवसाय लाभदायक रहेगा. परिवार के साथ जीवन सुखमय रहेगा.. यात्रा मे भरपूर आनंद आएगा शिक्षा के क्षेत्र से जुडे हुए लोग पदोन्नति को प्राप्त होंगे घर सदस्यों के साथ कुछ मतभेद होंगे. किसी मित्र से जुड़ी हुई बुरी खबर आज सुनने को मिल सकती है. नौकरी में ऊपरी अधिकारियों की ओर से समर्थन मिलेगा. आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा. स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज व्यापारियों के साथ यात्रा का योग बन रहा हैं . महिलाओं को अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत है. आपको पेट से जुड़ी कोई समस्या हो सकती है. आज कोई व्यक्ति आपके विचारों को दबाने की कोशिश कर सकता है. आपको अपनी बातें दूसरों से शेयर करने से बचना चाहिए. आपकी आय में वृद्धि होने की उम्मीद नजर आ रही है । मेहनत का फल आपको जरूर मिलेगा. दाम्पत्य जीवन को बेहतर बनाये रखने के लिए आपको गलतफहमी में पड़ने से बचना होगा. कन्याओं को हलुआ पूरी खिलाए ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज अनजान व्यक्ति पर भरोसा करना चिंता का कारण बनेगा सतर्क रहने का प्रयास करें. तीव्र प्रगति के बावजूद आज आपको धीरे–धीरे आगे बढ़ने और व्यवस्थित रूप से काम करने की आवश्यकता है. आपको अनुशासित रहना चाहिए . वित्तीय मामलों में आपको संयम बरतना चाहिए और कोई भी नई प्रतिबद्धता बनाने से पहले दो बार सोचना चाहिए. पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा. कुंवारे जातको को खुशखबरी मिलेगी ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप आगें आकर रुके हुए काम को अपने हाथ मे लेनी की जरुरत होगी लेकिन दूसरों के निर्देशों को मानते हुए काम करना हो, आप के लिए मु–श्किलें पैदा करेगा कामकाज ज्यादा रहेगा. आज मेहनत भी ज्यादा हो सकती है. इससे आपको बड़ा फायदा होगा. कोई नई चीज सीख सकते हैं. मांगलिक समारोह में भी शामिल होने के योग हैं. नये लोगों से मिलना फायदेमंद रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप लेखक कार्य से जुडे हुए हैं या शिक्षा क्षेत्र मे अपना योगदान दे रहे हैं तो अधिक महनत करनी पड सकती हैं । जोखिम व जमानत के कार्य टालें. विवेक से कार्य करें. मनोरंजन के साधनों पर जरूरत से ज्यादा खर्च करने से बचें. किसी करीबी व्यक्ति से दूर हो सकते हैं. अचानक से आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है. किसी के साथ हुआ विवाद झगड़े का रूप धारण कर सकता है. मौन रहकर विवाद से दूरी बना रखें ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज बहुत समय बाद लाभ की स्थिति बन रही हैं व्यापारी वर्ग का रूका हुआ काम आज तेजी के साथ आगे बढ़ेगा. आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी. जो वकील हैं, आज उन्हें किसी महत्वपूर्ण केस में सफलता मिलेगी. पार्ट्नर के साथ कोई नई मूवी देखने जा सकते हैं. जमीन के किसी पुराने लेन–देन से आज आपको फायदा मिल सकता है. जिन छात्रों को करियर संबंधी किसी प्रकार की परेशानी आ रही है, उन्हें आज बड़े भाई या बड़ी बहन से मदद मिलेगी. बच्चों को दूध शक्कर मिठाई दें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज घर परिवार ऑफिस मे सकारात्मक माहौल रहेगा और विकास की राह मिलेगी . आप लाभ के लिए तत्पर हैं. लंबे समय से लंबित पड़ा वांछित काम पूरा होगा. यदि आप विदेश जाने के इच्छुक हैं तो आप अपने प्रयासों को आगे बढ़ाएंगे. परीक्षा के परिणाम आपके पक्ष में होंगे. पारिवारिक संबंध आनंददायक रहेंगें और परिवार में किसी के लिए पदोन्नति या बेहतरी के संकेत हैं. परिवार के साथ रिलैक्स मूड मे घूमने का प्रोग्राम बनाए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप सम्मानित होंगे सिनीयर आप की प्रशंसा करेंगे पार्टनर से सहयोग ओर फायदा मिल सकता है. नक्षत्रों की स्थिति अच्छी होने से दिन शुभ रहेगा. खर्च–निवेश का फैसला भी खुद ही करें. रोजमर्रा के काम भी समय पर पूरे होने के योग हैं. घर–परिवार और ऑफिस में आपको फायदा हो सकता है. आपको सहयोग भी मिल सकता है. ऐग्रिकल्चर मे इंवेस्टमेंट करें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज चारो ओर लाभ बनता हुआ दिखेगा परन्तु अन्तिम क्षण मे हानि मे परिवर्तित हो जाएगा आपका विचार किसी एक बात पर स्थिर नहीं रहेगा तथा उसमें लगातार परिवर्तन होता रहेगा. स्वभाव में उदासीनता छाई रहेगी. मुमकिन है कि आप अपने घर में या उसके आस–पास आज कुछ बड़े बदलाव करें. मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है. विदेश से अच्छी खबर मिलेगी. जो समस्या आपको परेशान कर रही है, उसकी जड़ तक जाने की कोशिश करें. सट्टेबाजी से दूर रहें ।

आज का पंचांग

दिनांक : 27 अगस्त 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी सायं 03:46 तक
नक्षत्र : हस्त प्रातः 06:05 तक
योग : शुभ दोपहर 12:34 तक
करण : विष्टि सायं 03:46 तक
चन्द्रराशि : कन्या रात्रि 07:22 तक
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:33 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:26 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:24 (विजयवाडा

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री गणेश चतुर्थी , चन्द्र दर्शन निषेध चन्द्र अस्त रात्रि 09:28 , भद्रा सायं 03:46 तक

✲ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✲

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी साइकिल से पहुंचे विधानसभा

नशे के खिलाफ जागरुकता का दिया संदेश

चंडीगढ़ , 26 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सोमवार को साइकिल चलाकर हरियाणा विधानसभा पहुंचे। उनके साथ राज्य के कैबिनेट मंत्री, विधायक और भाजपा के अन्य नेता भी साइकिल पर नजर आए। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने के प्रति जागरूक करने का संदेश देना था।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखने को लेकर संदेश देने के लिए इस तरीके से साइकिल यात्रा की जाती है। उन्होंने कहा कि सरकार 'उदय हरियाणा' पहल के तहत युवाओं को नशे के खिलाफ जागरुक करने की कोशिश कर रही है। साइकिल यात्रा और मैराथन जैसी सरकार की पहलों का नतीजा है कि नशे के खिलाफ जनआंदोलन खड़ा हुआ है। हमारे युवा और तमाम नागरिक इस मुहिम में जुड़कर सहयोग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति नशा फैलाने का काम करता है तो सरकार उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। इस दौरान, मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर सवाल उठाए और कहा, विधानसभा स्पीकर ने सभी सदस्यों से आह्वान किया था। यह अच्छा होता कि नशे के खिलाफ साइकिल यात्रा में विपक्ष के सदस्य भी आते।

हरियाणा की कानून व्यवस्था पर विपक्ष के आरोपों को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष अपराध के मुद्दे को लेकर गुमराह करने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को अपने गिरेबां में झांकना चाहिए कि उनकी सरकार में कानून व्यवस्था की स्थिति क्या थी। सीएम सैनी ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार सदन में कानून व्यवस्था के मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है और विपक्ष के हर आरोप का जवाब देने के लिए भी तैयार है।

पंजाब में भाजपा नेताओं की गिरफ्तारी को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी आपस में मिले हुए हैं। इन दलों ने हरियाणा में समझौता किया था। दिल्ली में भी इन दलों की सांठगांठ थी। यह लोग अच्छे कामों का समर्थन करने की बजाय उसका विरोध करते हैं।

वहीं, हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा ने कहा कि नशे को लेकर युवाओं को एक संदेश देने के लिए आज सभी विधायक और मंत्री साइकिल पर विधानसभा पहुंचे हैं। बीजेपी के सभी मंत्री और विधायक साइक्लोथॉन का आयोजन करते समय एमएलए हॉस्टल से विधानसभा तक पहुंचे हैं। नशे के साथ–साथ पर्यावरण को लेकर एक संदेश देने का प्रयास किया गया है। कानून व्यवस्था को लेकर विपक्ष के 'काम रोको' प्रस्ताव पर होने वाली चर्चा को लेकर अरविंद शर्मा ने कहा कि विपक्ष के सभी सवालों का जवाब देने के लिए सरकार तैयार है।

हरियाणा सरकार हर 20 किमी पर सरकारी कॉलेज खोलेगी : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 26 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि राज्य सरकार की नीति हर 20 किलोमीटर के दायरे में एक सरकारी कॉलेज स्थापित करने की है, ताकि बेटियों को उच्च शिक्षा में सहयोग मिल सके। मुख्यमंत्री आज हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान एक विधायक द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी दूरदर्शी सोच के कारण ही यह रोडमैप तैयार किया गया, जिससे आज राज्यभर के छात्रों को फायदा मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने सदन को बताया कि पलवल जिले के जनौली गांव के पास पहले से ही सात सरकारी कॉलेज संचालित हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि जनौली से सिर्फ 6 किमी दूर स्थित सरकारी कॉलेज, पलवल में 560 लड़कों और 733 लड़कियों समेत कुल 1,293 छात्र नामांकित हैं। इसके अलावा, जनौली से 15 किमी दूर स्थित सरकारी गर्ल्स कॉलेज, मंडकोला में 339 छात्राएं पढ़ाई कर रही हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पलवल जिले के जनौली गांव में वर्ष 2015 से डिस्ट्रिक्ट इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एंड ट्रेनिंग भी संचालित है।

प्रदेशभर में युवा जोड़ो अभियान करने के बाद युवा योद्धा कार्यक्रम करेगी जेजेपी : दिग्विजय चौटाला

चंडीगढ़, 26 अगस्त (एजेंसियां)। युवाओं को अपनी पार्टी से जोड़ने के लिए जननायक जनता पार्टी पूरा जोर दे रही है। पिछले दो माह से जेजेपी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला निरंतर फील्ड में उतरे हुए है और युवाओं को जेजेपी ज्वाइन करवा रहे है। इसी कड़ी में दिग्विजय चौटाला ने युवा जेजेपी के एक नए अभियान 'युवा योद्धा' को प्रदेशभर में चलाने की घोषणा की है।

जेजेपी के युवा योद्धा कार्यक्रम के बारे में दिग्विजय चौटाला ने बताया कि प्रदेशभर में युवा जेजेपी 'युवा जोड़ो अभियान' के बाद अब युवा योद्धा अभियान शुरू करेगी। इस अभियान के तहत जेजेपी सभी 22 जिलों में बड़ी जनसभाएं करेगी। उन्होंने बताया कि 21 सितंबर को सिरसा से युवा योद्धा अभियान की शुरुआत की जाएगी और इसके बाद 28 सितंबर को कैथल जिले में युवा योद्धा अभियान के तहत जेजेपी जनसभा करेगी। दिग्विजय ने कहा कि हर वीरवार को एक बड़ी सभा हर जिले में आयोजित होगी। उन्होंने कहा कि 13 मार्च को जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला के जन्मदिन के मौके पर इस बड़े अभियान का सर्व हरियाणा युवा सम्मेलन करके समापन किया जाएगा।

जेजेपी के युवा प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद दिग्विजय चौटाला निरंतर पिछले दो माह से जेजेपी के युवा जोड़ो अभियान में जुटे हुए है। अब तक वे 18 जिलों और 71 हलकों में युवा जोड़ो अभियान के सफल कार्यक्रम कर चुके है। आने वाले दिनों में वे बचे हुए जिले झज्जर, पलवल, फरीदाबाद और पंचकुला में युवाओं से रूबरू होंगे। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि जेजेपी के युवा जोड़ो अभियान से युवाओं में जेजेपी के प्रति क्रेज बढ़ा है और निरंतर जेजेपी को मजबूती मिल रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में जेजेपी का युवा योद्धा अभियान भी युवाओं में अपनी अलग पहचान बनाएगा। दिग्विजय ने कहा कि उनका इरादा है कि ज्यादा से ज्यादा यूथ राजनीति में एक्टिव हो ताकि हरियाणा नई ऊर्जा के साथ मजबूती से आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि हर जिले में जेजेपी का युवा योद्धा अभियान के मंच से युवाओं के हक की बात और प्रदेश हित के मुद्दों को प्रमुखता दी जाएगी।

सदन के सीधे प्रसारण की गाइडलाइन संसदीय प्रणाली में सकारात्मक सुधारात्मक कदम : हरविन्द्र कल्याण

चंडीगढ़, 26 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने सदन की कार्यवाही के सीधे प्रसारण की प्रथा जारी करके नए संसदीय सुधार किए हैं। इसको लेकर विधान सभा सचिवालय की ओर से जारी गाइडलाइन्स संसदीय प्रणाली में सकारात्मक सुधारात्मक कदम है। उन्होंने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि सीधे प्रसारण को लेकर कुछ भ्रांतियां देखने को मिल रही हैं, जबकि हरियाणा विधान सभा के इतिहास में सीधा प्रसारण 15वीं विधान सभा का ऐतिहासिक कदम है। कार्यवाही का सीधा प्रसारण करके हरियाणा विधान सभा ने यह कदम जनप्रतिनिधियों की सदन की कार्यशैली को तथा उन द्वारा उठाए गए जनहित के विषयों को जनता तक पहुंचाने की एक स्वस्थ, निष्पक्ष और पारदर्शी संसदीय–प्रथा है।

हरियाणा विधान सभा की सीधे प्रसारण की यह नई पहल है। तथाकथित प्रतिबन्ध लगाने की बात अधूरे तथ्यों की जानकारी होने के कारण उठाई गई लगती है। कुछ रोकथाम का प्रावधान संविधान के अनुछेद 361–ए में दिया गया है। संवैधानिक प्रावधान को ध्यान में रखते हुए तथा काफी सोच–विचार कर कार्यवाही से निकाले गए व नकारात्मक शब्दों से बचाव के लिए इस तरह के कदम उठाए गए हैं।

हरियाणा विधान सभा का यह कदम संसदीय प्रणाली में एक सुध–ारात्मक कदम है। इससे जनता सदन की कार्यवाही के बारे में जानेगी और अपने जनप्रतिनिधि के बारे में जागरूक रहेगी। संसदीय सुधारों में समय–समय पर अन्य सुधार होने की सम्भावना भी बनी रहती है। गौरतलब है कि हरियाणा विधान सभा सचिवालय ने एक सर्कुलर जारी कर विधान सभा की कार्यवाही के लाइव कवरेज हेतु गाइडलाइन्स मीडिया संस्थानों को भेजी है। इन गाइडलाइन्स में कहा गया है कि केवल सेटेलाइट आधारित वे टीवी चैनल ही लाइव प्रसारण कर सकेंगे, जिनकी अनुमति विधान सभा अध्यक्ष द्वारा दी गई हो। सीधा प्रसारण करने वाले टीवी चैनल हरियाणा विधान सभा के लोगो के साथ अपने चैनल के नाम और लोगो के वॉटरमार्क का उपयोग करेंगे। विधान सभा सत्र के सीधा प्रसारण के दौरान किसी भी टीवी चैनल को अपने सोशल मीडिया पेजों जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, एक्स (ट्विटर) आदि पर सत्र का सीधा प्रसारण साझा नहीं करेंगे। सभी टीवी चैनल अपने सोशल मीडिया अकाउंट जैसे वेबसाइट का पता, फेसबुक पेज, ट्विटर हैंडल का नाम, इंस्टाग्राम आईडी, यूट्यूब आदि हरियाणा विधानसभा को उपलब्ध कराएंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का सांसद विधायकों के साथ संवाद कार्यक्रम

जयपुर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सांसद–विधायक संवाद कार्यक्रम के दूसरे दिन मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर नागौर, जोधपुर, बाड़मेर, जालौर–सिरोही, पाली संसदीय क्षेत्रों के जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद किया । इस दौरान उन्होंने विकसित राजस्थान के संकल्प की सिद्धि और जन–आकांक्षाओं के विषयों को लेकर विस्तृत चर्चा की और केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुँचाने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए आह्वान किया । कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ एवं केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के साथ ही संबंधित संसदीय क्षेत्रों के भाजपा सांसद, विधायक और लोकसभा एवं विधानसभा प्रत्याशी उपस्थित रहे।

जोधपुर के कार्यावाहक कुलगुरु डॉ. अरुण कुमार को पद से हटाया

जयपुर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागडे ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलगुरु एवं कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के कार्यावाहक कुलगुरु डॉ. अरुण कुमार को तत्काल प्रभाव से पद से हटाने के आदेश जारी किए हैं। बागडे द्वारा जारी आदेशों के अंतर्गत डॉ. अरुण कुमार के विरूद्ध विभिन्न गंभीर शिकायतें प्राप्त हुई थी। जांच के लिए संभागीय आयुक्त, जोधपुर को निर्देशित किया गया था। संभागीय आयुक्त, जोधपुर द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन में डॉ. अरुण कुमार द्वारा के विरूद्ध अधिनियम के प्रावधानों का कार्यान्वयन करने में जानबूझकर लोप करने, प्रदत्त शक्तियों का दुरूपयोग करने, विश्वविद्यालय को वित्तीय हानि पहुंचाने आदि के कृत्य प्रथम दृष्टया प्रमाणित पाये गये।

गृह राज्यमंत्री बेढम ने ली क्राइम क्लास

पुलिस अधिकारियों से कहा मेवात में अपराध और गौतस्करी बर्दाश्त नहीं

डीग, 26 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में कानून–व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सरकार पूरी तरह से एक्शन मोड में है। गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी और मत्स्य विभाग के राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने मंगलवार को डीग में पुलिस अधिकारियों की एक समीक्षा बैठक ली, जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप पुलिसिंग को सख्त और पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए। बैठक में गृह राज्य मंत्री ने क्षेत्र में कानून–व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और लंबित आपराधिक मामलों की समीक्षा की। उन्होंने डीग पुलिस द्वारा साइबर क्राइम पर की जा रही प्रभावी कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा कि अपराध मुक्त प्रदेश बनाने के लिए अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। बेढ़म ने बृज और मेवात क्षेत्र में गौतस्करी को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में होने वाले अपराधों से सख्ती से निपटा जाए और विकास को गति दी जाए। गृह राज्य मंत्री ने थानों में दर्ज मुकदमों, उनके निस्तारण की स्थिति और पेंडेंसी को कम करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को पूरी ईमानदारी से जांच करने और आरोप सही पाए जाने पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

आईटी मंत्री कर्नल राठौड़ से राज किसान साथी प्रोजेक्ट की टीम ने भेंट की

जयपुर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। राजकिसान साथी परियोजना को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सीआईपीएस इनोवेशन अवार्ड मिलने के बाद प्रोजेक्ट की टीम ने सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ से शिष्टाचार भेंट की। कर्नल राठौड़ ने सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग की टीम को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं और विभाग को नवीनतम प्रौद्योगिकी के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सहायक बनने के निर्देश दिए।

कर्नल राठौड़ ने इस उपलब्धि पर टीम को बधाई देते हुए निर्देश दिए कि भविष्य में भी सभी एप्लिकेशंस में नवीनतम तकनीकों को सम्मिलित करते हुए राज्य को आईटी के क्षेत्र में देश का मॉडल राज्य बनाया जाए। उन्होंने कहा कि 'राजकिसान साथी' परियोजना जैसे नवाचारों के माध्यम से न केवल किसानों को सशक्त किया जाए, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी प्रौद्योगिकी का उपयोग कर जनकल्याणकारी योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार और डिजिटल समावेशन को बढ़ावा देकर राजस्थान को देश में अग्रणी बनाना हमारा लक्ष्य है।

आईटी मंत्री कर्नल राठौड़ ने विभाग को निर्देश दिए कि आमजन तक योजनाओं की पहुंच को सरल, पारदर्शी और त्वरित करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन और डेटा एनालिटिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग और अधिक व्यापक स्तर पर किया जाए।

उन्होंने कहा कि 'राजकिसान साथी' परियोजना का यह पुरस्कार न केवल विभाग की मेहनत और समर्पण का प्रतीक है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि तकनीक के सही उपयोग से समाज के हर वर्ग तक विकास का लाभ पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया कि वे इस उपलब्धि को प्रेरणा के रूप में लें और भविष्य में और अधिक नवाचारों के साथ राज्य के विकास में योगदान दें।

इस अवसर पर 'राजकिसान साथी' की प्रभारी अधिकारी एवं सिस्टम एनालिस्ट (संयुक्त निदेशक) श्रीमती मोनिका चौधरी ने परियोजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'राजकिसान साथी' एक एकीकृत ऑनलाइन सिंगल विंडो पोर्टल है, जो 'कृषि को सरल बनाने' की अवधारणा को साकार कर रहा है। राजस्थान इस तरह का समन्वित ढांचा विकसित करने वाला देश का पहला राज्य है।

उन्होंने जानकारी दी कि यह पोर्टल कृषि और संबद्ध विभागों के 120 से अधिक मॉड्यूल्स को पूरी तरह डिजिटल, कागज रहित और पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से उपलब्ध कराता है। इस प्रणाली ने 1320 टन कागज की बचत, डीबीटी भुगतानों में 33 गुना वृद्धि, आवेदनों की रियल–टाइम ट्रैकिंग और डिजिटलीकरण के जरिए धोखाधड़ी में कमी जैसे उल्लेखनीय नतीजे दिए हैं। जियो–टैग्ड सत्यापन, एआई/एमएल आधारित फसल रोग प्रबंधन, ऑनलाइन लाइसेंसिंग और किसानों तक बीज मिनीकिट की डिलीवरी जैसे नवाचारों ने कृषि सेवा वितरण में दक्षता और पारदर्शिता को बढ़ाया है। इसके तहत अब तक 73 लाख से अधिक किसान जुड़ चुके हैं, 3,500 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि डीबीटी के जरिए वितरित की गई है, 1 लाख से अधिक लाइसेंस जारी किए गए हैं, 58,000 से ज्यादा कृषि छात्राओं को 100 करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्तियां दी गई हैं, और राजएग्रीक्यूसी ऐप के माध्यम से 1.1 लाख से अधिक नमूनों का परीक्षण किया गया है। साथ ही, 1,700 पूंजीगत निवेशों को सहायता प्रदान की गई है और 2,500 से अधिक खरीदारों व विक्रेताओं को जोड़ा गया है।

यह पोर्टल किसानों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) योजन–ाओं, लाइसेंसिंग, गुणवत्ता नियंत्रण, डिजिटल परामर्श और अन्य सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान करता है। इसकी उत्कृष्ट प्रथाओं को डीएआरपीजी की 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन' पुस्तिका और सीआईपीएस कॉफी टेबल बुकलेट में शामिल किया गया है, साथ ही इसे 28वें राष्ट्रीय सुशासन सम्मेलन में प्रदर्शित किया गया है।

राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा में प्रियंका गांधी की एंट्री, गरमाई बिहार की सियासत

सुपौल (एजेंसियां)।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा मंगलवार को अपने भाई और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ 'वोटर अधिकार यात्रा' में शामिल हुईं। यात्रा के दौरान उनके साथ तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव और इंडिया गठबंधन के अन्य नेता भी मौजूद रहे। सभी नेताओं को एक एसयूवी की छत पर बैठकर भीड़ का अभिवादन करते देखा गया।

सोमवार को विराम के बाद मंगलवार को यात्रा दोबारा शुरू हुई। इससे पहले राहुल गांधी ने रविवार को अररिया में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि इंडिया गठबंधन की सभी पार्टियां बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एकजुट होकर काम कर रही हैं और इसका सकारात्मक परिणाम सामने आएगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही गठबंधन का साझा घोषणापत्र जारी किया जाएगा।

राहुल गांधी ने एनडीए सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया था कि चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण दरअसल भाजपा को फायदा पहुंचाने और वोट चुराने की संस्थागत कोशिश है। उन्होंने इसे लोकतंत्र के खिलाफ बताया और कहा कि वोटर अधिकार यात्रा इसी के विरोध में चलाई जा रही है। वोटर अधिकार यात्रा 17 अगस्त को सासाराम से शुरू हुई थी और 1 सितंबर को पटना में एक बड़ी रैली के साथ समाप्त होगी। इस दौरान यात्रा 1,300 किमी की दूरी तय कर बिहार के कई जिलों से गुज़रेगी। अब तक यह यात्रा गया, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय, मुंगेर, कटिहार और पूर्णिया जिलों से गुजर चुकी है। आगे यह मधुबनी, दरभंगा, सीतामढ़ी, पश्चिम चंपारण, सारण, भोजपुर और पटना जिलों से होकर गुज़रेगी।

पूर्णिया एयरपोर्ट से उड़ान भरने का इंतजार खत्म

सितंबर में पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन : सम्राट चौधरी

पूर्णिया/पटना (एजेंसियां)।

बिहार के लोग जिस पूर्णिया एयरपोर्ट का इंतजार कर रहे थे, अब वो खत्म होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सितंबर में पूर्णिया एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने जानकारी दी कि पीएम मोदी हवाई सेवा की शुरुआत करेंगे। उन्होंने यह घोषणा मंगलवार को पटना के ज्ञान भवन में आयोजित भाजयुमो के कार्यक्रम में की।

माना जा रहा है कि पीएम मोदी अपने जन्मदिन 17 सितंबर को राज्य के चौथे पूर्णिया एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। पटना, दरभंगा और गया के बाद पूर्णिया एयरपोर्ट से भी उड़ानें शुरू होंगी। सितंबर की शुरुआत में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (डीजीसीए) से मंजूरी मिलने की संभावना है।

पूर्णिया हवाई अड्डे से 13 साल बाद फिर से वाणिज्यिक उड़ानें शुरू होंगी। साल 2012 में कुछ समय के लिए यहां सेवाएं शुरू हुई थीं, लेकिन अधूरी सुविधाओं और कम मांग के कारण उन्हें बंद कर दिया गया था।

जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार और पुलिस अधीक्षक स्वीटी सहरावत ने हाल ही में एयरपोर्ट निर्माण की प्रगति की समीक्षा की थी। निरीक्षण में पाया गया कि मुख्य सड़क का काम लगभग पूरा हो चुका है और बाकी हिस्सा 25 अगस्त तक पूरा कर लिया जाएगा। चहारदीवारी का निर्माण भी संतोषजनक पाया गया। अधिकारियों ने 30 अगस्त तक दीवार और रंग-रोगन का काम समाप्त करने का निर्देश दिया है।

पूर्णिया एयरपोर्ट पर 2800 मीटर लंबा रनवे और 4000 वर्ग मीटर में आधुनिक टर्मिनल बिल्डिंग बनाई जा रही है। इस पर लगभग 46 करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। टर्मिनल भवन सभी अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। चहारदीवारी और भवन का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है।

तेज बहाव वाली नदी में कूदी पत्नी को बचाने के लिए कूदा पति

सहरसा (एजेंसियां)।

सहरसा जिले के नवहट्टा थाना क्षेत्र में रविवार की देर शाम एक साहसिक घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। सत्तौर गांव निवासी भगवान शंकर शर्मा ने अपनी पत्नी की जान बचाकर मिसाल पेश की है। जानकारी के अनुसार, भगवान शंकर अपनी 19 वर्षीय पत्नी काजल कुमारी के साथ बाइक से लौट रहे थे। जैसे ही वे बलुआहा कोसी पुल पर पहुंचे, काजल ने अचानक बाइक रुकवाया और नदी में छलांग लगा दी। यह दृश्य देखकर पति घबराए जरूर, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। तुरंत नदी में कूद पड़े और करीब एक किलोमीटर तक तेज बहाव में तैरकर पत्नी को सुरक्षित किनारे तक पहुंचाया।

घटना की जानकारी मिलते ही महिषी थानाध्यक्ष जय शंकर कुमार और अपर थानाध्यक्ष सुनील कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। महिला को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां उसका इलाज जारी है। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यदि पति ने साहस और तत्परता नहीं दिखाई होती तो स्थिति भयावह हो सकती थी। भगवान शंकर की यह बहादुरी अब स्थानीय लोगों के लिए प्रेरणा बन गई है और पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।

बिहार के किसान सलाहकारों के लिए नीतीश सरकार ने खोला खजाना

मानदेय 13,000 से बढ़ाकर 21,000 रुपये किया

पटना (एजेंसियां)।

एक लंबे इंतजार के बाद बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राज्य के किसान सलाहकारों की मांग को मान एक बड़ा खेल खेल डाला है।

ऐसा कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने परोक्ष रूप से भले लगभग 7 हजार परिवारों पर निशाना साधा हो पर किसान और कृषि विभाग की सुविधाओं के बीच कड़ी बने किसान सलाहकारों के जरिए किसानों के एक बड़े वर्ग को साधने की कोशिश कर डाली है। ये किसान सलाहकार सरकार और किसान के बीच की कड़ी के रूप में काम करते हैं और राज्य सरकार की तमाम प्रदत सुविधाओं के बारे में जानकारी भी देते हैं।

बिहार कैबिनेट बैठक में आज 26 एजेंडों पर मुहर लगी। पर जिस स्वीकृति की विशेष चर्चा है, वह है नीतीश सरकार की ओर से किसान सलाहकारों का मानदेय 13,000 से बढ़ाकर 21,000 रुपये प्रतिमाह कर देना। दरअसल, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में बिहार सरकार ने महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए किसान सलाहकारों की मानदेय में बढ़ोतरी कर दिया है।

राज्य स्कीम मद से किसान सलाहकार योजना अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 से किसान सलाहकारों के मानदेय को 13,000/- से बढ़ाकर 21,000/- रुपये प्रतिमाह भुगतान किया जायेगा। इसके लिए अतिरिक्त कुल सड़सठ करोड़ सतासी लाख दस हजार सात सौ छत्तीस रुपये की निकासी एवं व्यय की स्वीकृति प्रदान की गयी है। मानदेय की बढ़ी हुई दर 1 अप्रैल 2025 के प्रभाव से लागू होगी।

किसान सलाहकारों का कुल कार्यरत बल 7047 है। इसके लिये मानदेय 13000/- रुपये से बढ़ाकर 21000/- रुपये करने के साथ किसान सलाहकार परामर्श अवधि 06 घंटे से बढ़ाकर 07 घंटे किया गया है।

प्रदेश किसान सलाहकार संघ के अध्यक्ष राजाराम सिंह ने राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के प्रति आभार व्यक्त किया है। करीब पांच साल तक संघर्ष करने के बाद किसान सलाहकार का वेतन 13 हजार से 21 हजार किया गया है। उन्होंने बताया कि संघ ने 25 हजार की मांग की थी जिसे उप मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने पूरा करने का आश्वासन भी दिया था।

राहुल-तेजस्वी ने पप्पू को किया पास कन्हैया क्यों हैं अब तक लापता?

पटना (एजेंसियां)।

बिहार विधान सभा चुनाव 2025 की जंग के साथ कांग्रेस बड़े सलीके से अपनी पार्टी को मजबूत करने में लगी है। सीमांचल और उसके आस पास प्रभाव रखने वाले पप्पू यादव को लेकर महागठबंधन की राजनीति में पास होने के संकेत तो मिल गए। लेकिन पैच वर्क में लगी कांग्रेस कन्हैया कुमार के नाम पर फिलहाल चुप है। क्या राहुल गांधी ने जिसे पोस्टर बॉयज बनाया उसके पैच वर्क में भी लगे हुए हैं?

महागठबंधन की राजनीति में पप्पू यादव और कन्हैया कुमार अनफिट बैठ रहे थे। भारत बंद के दौरान जब बिहार बंद कराया जा रहा था तब पप्पू यादव और कन्हैया कुमार को मंच से एक तरह से धकेल दिया गया। इस प्रकरण पर काफी हाय तौबा मचा।

कांग्रेस के सूत्रों की माने तो कांग्रेस के भीतर भी इस पर काफी मंथन हुआ। इस मंथन से जो निकल कर आया वह यह कि ये दोनों ही कांग्रेस की मजबूती के लिए जरूरी हैं। कन्हैया कुमार के बढ़ते प्रभाव से तेजस्वी यादव को अपनी राजनीति प्रभावित होते दिख रही थी। साथ ही कांग्रेस के पुराने नेतृत्व को भी नया नेतृत्व यानि कन्हैया और कृष्णा अल्लावरु का प्रवेश भी अखरने लगा था। तेजस्वी यादव और कांग्रेस के पुराने नेतृत्व ने मिलकर पप्पू और कन्हैया कुमार को राहुल गांधी का मंच शेयर करने नहीं दिया।

बिहार के परिपेक्ष्य में महागठबंधन की राजनीति में राहुल गांधी बैकफूट पर हैं, यह अगर सोच रहे हैं तो कहीं आप गलती तो नहीं कर रहे? जानिए राहुल गांधी के कछुआ चाल को जहां धीरे-धीरे मजबूती की तरफ कदम बढ़ा रहे हैं। वह भी यह जानते हुए कि बिहार में कांग्रेस मुख्य विपक्षी पार्टी भी नहीं। कांग्रेस की सूक्ष्म राजनीति को इस बात से समझिए कि पप्पू यादव के रूप में एक सशक्त नेता की स्वीकृति महागठबंधन की राजनीति को बल तो देगा ही। साथ इसके कांग्रेस को भी बिहार के जातीय समीकरण में फिट बैठने के सशक्त कारण बनेंगे।

बिहार की राजनीति में पैच वर्क में लगे राहुल गांधी का अगला होमवर्क कन्हैया कुमार को तेजस्वी यादव की नजरों में स्वीकृति दिलाना है। चर्चा यह है कि राहुल गांधी ने भले मंच पर सीएम के नाम पर चुप्पी साध ली हो। पर कांग्रेस के भीतरखाने में यह चर्चा है कि राहुल गांधी ने तेजस्वी यादव को इस बिंदु पर साथ लिया कि मुख्यमंत्री तो आपको ही बनना है।

ज्यादा सीटें पर लड़ेंगे, ज्यादा विधायक होंगे। यह भी सच है कि कांग्रेस और वाम दल को सीएम तो बनाएंगे ही नहीं। फिर कांग्रेस को जिनसे शक्ति मिलेगी और वह सीटों में तब्दील होगा तो सीएम की कुर्सी तक पहुंचना आसान होगा। कांग्रेस के इस प्रयास की पहली सफलता पप्पू यादव को मिली।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार तेजस्वी और राहुल के फ्रेम में कन्हैया के आने की तारीख तय हो गई है। यह तारीख है एक सितंबर। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी वोटर अधिकार यात्रा के समापन के दिन पटना के गांधी मैदान में एक बड़ी जनसभा करेंगे और उस दिन मंच पर कन्हैया कुमार होंगे। इसके पहले राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पटना के गांधी मैदान में महात्मा गांधी के प्रतिमा से लेकर पटना हाइकोर्ट के बाबा साहब आंबेडकर की प्रतिमा तक जब पदयात्रा करेंगे तो कन्हैया कुमार भी साथ होंगे।

महिला ने की आत्महत्या की कोशिश, खून से लथपथ पहुंची थाने

पुलिस के सामने आई पति छोड़ प्रेमी से शादी की कहानी

बांका (एजेंसियां)।

बिहार के बांका जिले में एक महिला ने प्यार में धोखा मिलने के बाद आत्महत्या की कोशिश की। घटना जिले के रजौन थाना क्षेत्र के ओड़हरा गांव की है। मंगलवार को एक विवाहित युवती ने प्रेम विवाह में धोखा मिलने के बाद अपनी नस काट ली। खून से लथपथ हालत में वह थाने पहुंची, जहां पुलिस ने उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया। फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर है। युवती ने पति के साथ रहने की गुहार लगाई है। साथ ही ऐसा न होने पर आत्महत्या करने की धमकी दी है।

जानकारी के मुताबिक, 25 वर्षीय पार्वती कुमारी, बाराहाट थाना क्षेत्र की रहने वाली है।

उसकी पहली शादी ललमटिया के जमपुरी राम से हुई थी, जिससे उसके दो बच्चे भी हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर उसकी पहचान ओड़हरा निवासी सुभाष राय से हुई।

दोनों में प्यार बढ़ा और एक साल तक संबंध बनाए रखने के बाद उन्होंने शादी कर ली।

पार्वती का आरोप है कि शादी के कुछ दिनों बाद ही सुभाष ने उसे घर से निकाल दिया और अपने साथ रखने से साफ मना कर दिया। निराश होकर पार्वती ने आत्महत्या का प्रयास किया और थाने पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई।

रजौन थानाध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने बताया कि पीड़िता ने एक लिखित आवेदन दिया है। मामले की जांच की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सुभाष राय से पूछताछ भी करेगी और यह जानने की कोशिश करेगी कि उसने पार्वती को क्यों छोड़ा?

पटना में तेज रफ्तार वाहन ने पांच लोगों को कुचला, चार की मौत

पटना (एजेंसियां)।

पटना के बाढ़ थाना क्षेत्र के गुलाबबाग-सकसोहरा टू-लेन सड़क पर सोमवार की रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। अनियंत्रित अज्ञात वाहन ने पांच लोगों को कुचल दिया। इस हादसे में एक ही परिवार की तीन महिलाओं समेत कुल चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। जानकारी के अनुसार, मृतकों में सुधा देवी, उनकी दो नातिनें लाडो और काव्या तथा पड़ोसी की बेटी खुशी कुमारी शामिल हैं। हादसे में सुधा देवी की पुत्री ज्योति देवी गंभीर रूप से घायल हो गई, जिन्हें पहले अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रात में सुधा देवी अपनी पुत्री, दो नातिनों और एक पड़ोसी के साथ शौच के लिए निकली थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार और अनियंत्रित वाहन ने उन्हें कुचल दिया और चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में जुट गए।

आक्रोशित ग्रामीणों ने चालक की गिरफ्तारी और वरीय पदाधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग करते हुए गुलाबबाग-सकसोहरा टू-लेन सड़क को जाम कर दिया। लोगों ने सड़क पर जमकर प्रदर्शन किया और वाहन चालक की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने-बुझाकर शांत करवाया। पुलिस ने लोगों को उचित मुआवजा और कार्रवाई का आश्वासन दिया।

राहुल-तेजस्वी की 'वोटर अधिकार यात्रा' में तिरंगे का अपमान, कांग्रेस कार्यकर्ताओं के पैरों तले दिखा राष्ट्रीय ध्वज

सुपौल (एजेंसियां)।

बिहार में राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की अगुवाई में चल रही 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान तिरंगे का अपमान होने के आरोप लगे हैं। राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा के दौरान सुपौल के हुसैन चौक पर झंडे की लूट के दौरान तिरंगे का अपमान देखने को मिला। इस दौरान सड़क पर गिरे तिरंगे को कार्यकर्ता पैरों के तले रौंदते देखे गए। लेकिन किसी की नजर तिरंगे के अपमान पर नही गयी। हालांकि राहुल की वोट अधिकार यात्रा से सुपौल से निकलकर मधुबनी में प्रवेश कर चुकी है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उनके कई कैबिनेट सहयोगी मंगलवार को बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ' वोटर अधिकार यात्रा ' में शामिल होने पहुंचे। रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और दिल्ली में मौजूद अन्य मंत्री राष्ट्रीय राजधानी से बिहार पहुंचकर यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने बताया कि वे बिहार में दरभंगा के पास राहुल तेजस्वी की 'वोटर अधिकार यात्रा' में शामिल हुए।

बता दें कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) के प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों पर पुलिस के कथित बल प्रयोग की सोमवार को निंदा करते हुए इसे शर्मनाक करार दिया और आरोप लगाया कि मोदी सरकार को देश के युवाओं की चिंता नहीं है क्योंकि वह वोट चुराकर सत्ता में आई है।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी कथित बल प्रयोग की निंदा की और दावा किया कि देश के युवाओं का भविष्य चोरी करना मोदी सरकार की आदत बन चुकी है।

परीक्षा के बेहतर संचालन की मांग को लेकर एसएससी के छात्रों और शिक्षकों ने रविवार को रामलीला मैदान में विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठी चार्ज करने के विपक्षी दलों के दावों का खंडन किया है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'रामलीला मैदान में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे एसएससी अभ्यर्थियों और शिक्षकों पर बर्बर लाठीचार्ज शर्मनाक ही नहीं, बल्कि एक डरपोक सरकार की पहचान है।' उन्होंने कहा, 'युवाओं ने सिर्फ़ अपना हक़ मांगा था - रोज़गार और न्याय। मिली क्या? लाठियां।'

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com